



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 45]

नई दिल्ली, भारतीय, नवम्बर 9, 1974 (कातिक 18, 1896)

No. 45]

NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 9, 1974 (KARTIKA 18, 1896)

इस भाग में मिलन पृष्ठ संख्या वी जारी है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

## भाग III—खण्ड 1

## PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

## संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 27 सितम्बर, 1974

सं. पी०/1726-प्रशा० I—भारतीय रक्षा लेखा सेवा के अधिकारी तथा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में कार्यरत उप सचिव श्री ए० एम० श्रीवास्तव ने 27 सितम्बर, 1974 के अपराह्न से इस कार्यालय में उप सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया। वे राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ, नई दिल्ली में लेखा एवं वित्त नियन्त्रक के पद पर कार्य करते हैं।

दिनांक 4 अक्टूबर, 1974

सं. पी० 32013/2/73-प्रशा० I—इस कार्यालय की अधिसूचना सं. 32013/1/74-प्र० I दिनांक 2 सितम्बर, 1974 के अनुक्रम में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I के स्थायी अधिकारी श्री एन० के० प्रमाद को गाल्प्रपति द्वारा 5-10-1974 से 8-12-74 तक (दोनों दिनों महित) की अवधि के लिए अधिकारी के कार्यभार संभालने तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के चयन ग्रेड में स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 9 अक्टूबर, 1974

सं. पी० 32014/1/74-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा सर्वान के स्थायी ग्रेड II अधिकारी श्री एस० पी० मेहरा को, जिन्हे इस कार्यालय की ममसम्मिक 316 GT/74-1

(6443)

अधिसूचना दिनांक 11-9-1974 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड I में पूर्णतः तदर्थ आधार पर स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 21 सितम्बर, 1974 के अपराह्न से उसी सर्वान में उसी सेवा के ग्रेड II में प्रत्यावर्तित कर दिया है।

एम० आर० भागवत, अवर सचिव,  
(प्रशासन प्रभारी)

मत्रिमंडल सचिवालय  
(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 17 अक्टूबर, 1974

सं. पी० एफ०/जे०-7/73-प्रशासन-5—निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री जे० धर्मराज, भारतीय पुलिस सेवा (उडीसा सर्वान) निदेशक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस विशेष महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना ने दिनांक 30-9-74 के अपराह्न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में अपने पद का भार त्याग दिया।

गुलजारी लाल प्रग्राम, प्रशासन अधिकारी (स्था०)

गृह संकालय

महानिरीक्षक का कार्यालय  
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 9 अक्टूबर, 1974

सं. ई०-38013(3)/7/74-प्रशा० I—मद्रास पोर्ट ट्रस्ट को स्थानान्तरित होने पर श्री आर० सेशान्त्री, ने दिनांक 1 जून,

1974 के पूर्वाल्प से केन्द्रीय श्रौद्धोगिक सुरक्षा बल, दक्षिणी क्षेत्र, मद्रास के सहायक कमांडेट (कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने उसी दिनांक के पूर्वाल्प से मद्रास पोर्ट ट्रस्ट, मद्रास में उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/13/74-प्रशासन-1—श्री जी० आर० खोसला ने दिनांक 20 अप्रैल, 1974 के पूर्वाल्प से केन्द्रीय श्रौद्धोगिक सुरक्षा बल, नई दिल्ली, की 19वीं बटालियन के सहायक कमांडेट पद का कार्यभार छोड़ दिया और नियुक्ति पर उन्होंने उसी दिनांक से केन्द्रीय श्रौद्धोगिक सुरक्षा बल, नई दिल्ली, की 8वीं बटालियन के सहायक कमांडेट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013(2)/5/74-प्रशा० I—श्री ए० बी० चौधरी, कमांडेट/केन्द्रीय श्रौद्धोगिक सुरक्षा बल, कलकत्ता हवाई पत्तन, ने दिनांक 23-5-1974 के पूर्वाल्प से केन्द्रीय श्रौद्धोगिक सुरक्षा बल, रांची, की 16 बटालियन के कमांडेट पद का अतिरिक्त कार्यभार सम्भाल लिया और दिनांक 25 जुलाई, 1974 के पूर्वाल्प से पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ई० 32015(1)/5/74-प्रशा० I—पुनर्नियुक्ति पर, ले० कर्नेल श्री० डी० बक्शी को, राष्ट्रपति सहर्ष, दिनांक 20 सितम्बर, 1974 के पूर्वाल्प से आगामी आदेश जारी होने तक के० श्री० सु० ब० युनिट, बोकारो स्टील सिटी का कमांडेट नियुक्त करते हैं।

एल० एस० विष्ट, महानिरीक्षक

### कार्यालय, भारत के महा पंजीकार

नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 अक्टूबर, 1974

सं० 25/2/74-आर० जी० (ए० डी० I)—राष्ट्रपति श्री बी० एस० नरसिंहा मूर्ती को, जो कनटिक के जनगणना निदेशक के कार्यालय में सहायक जनगणना निदेशक (तकनीकी) है, (i) दिनांक 8 मार्च, 1974 के अपराह्न से 14 अप्रैल, 1974 के अपराह्न तक और (II) दिनांक 15 मई, 1974 में अपराह्न से 6 महीने के अवधि के लिए उसी कार्यालय में उप जनगणना निदेशक के पद पर बिलकुल अस्थायी एवं तत्काल रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री नरसिंहा मूर्ती का मुख्य कार्यालय बैंगलौर में होगा।

3. इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 25/2/74 आर० जी० (ए० डी० I) दिनांक 14 अगस्त, 1974 एवं कोरिजेन्डम दिनांक 31 अगस्त, 1974 को रह किए जाते हैं।

वद्रीनाथ, उप महापंजीकार,  
एवं पदेन,  
उप सचिव

### मुद्रण निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक सितम्बर, 1974

सं० के० (22)/प्र० II—राष्ट्रपति श्री के० एल० खंजोड़े को मुद्रण निदेशालय के अधीन 9-7-74 (पूर्वाल्प) में श्रगलै आदेश होने तक स्थानापन्न महायक प्रबन्धक (प्रशासन) नियुक्त करते हैं।

सं० म० जाम्भोलकर, मुद्रण निदेशक

### वित्त मंत्रालय

#### आर्थिक कार्य विभाग

बैंक और मुद्रणालय,

देवास, दिनांक 8 अक्टूबर, 1974

सं० नस्ती क्रमांक बीएनपी/सी/81/74—श्री ए० एम० छीपा, कनिष्ठ यन्त्री, गुजरात विद्युत मण्डल को बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में ८० ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० ८०-३५-८८०-४०-१०००-८० ८०-३५-१२०० के वेतनमान में सहायक यन्त्री (विद्युत) के पद पर तारीख 23-8-1974 से स्थानापन्न तौर पर, एक वर्ष की कालावधि या पद के नियमति रूप से भरे जाने तक, जो भी पूर्वतर हो, सहर्ष आधार पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 9 अक्टूबर, 1974

सं० नस्ती क्रमांक बीएनपी/ई/8/एच०-४—श्री के० सी० हिन्डोल, नियन्त्रण निरीक्षक, चलार्थ पत्र मुद्रणालय, नासिक रोड की बैंक नोट मुद्रणालय देवास (सं० प्र०) में नियन्त्रण अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर की गई स्थानापन्न नियुक्ति तारीख 1-10-74 से 31-12-74 या पद के नियमति रूप से भरे जाने तक, जो भी पूर्वतर हो, निरत्तर की जाती है।

आर० रामास्वामी, विशेष कार्य अधिकारी

### भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 फरवरी, 1974

सं० 1088-जी० ई० 1/89-72—भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों की प्रत्येक के सम्मुख लिखी हुई तारीख से भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा सेवा के समयमान में पुष्टि कर दी गई है:—

#### सर्वश्री

- |   |                      |
|---|----------------------|
| 1. श्रीमती सरोजिनि दास गुप्ता . . . . . | 20-5-73              |
| 2. एस० राजाराम . . . . .                | 11-7-73              |
| 3. एस० आर० शिवरेन . . . . .             | 11-7-73<br>(अपराह्न) |
| 4. बी० एस० थापलीयाल . . . . .           | 20-7-73              |
| 5. उत्पल भट्टाचार्य . . . . .           | 19-7-73              |
| 6. बी० एन० कैला . . . . .               | 8-11-73              |

7. कुमारी भारती प्रसाद	.	.	11-7-73
		(अपराह्न)	
8. तेज प्रकाश	.	.	28-10-73
9. शैलेन्द्र पांडे	.	.	11-7-73
10. गोपाल सिंह	.	.	11-7-73
11. के० के० बंगर	.	.	11-7-73

सं० 1582-जी० ई० 1/66-74 दिनांक 18-3-1974

श्री एन० जी० सेन, मुख्य लेखापरीक्षक, पूर्व रेलवे, कलकत्ता, 16-3-1974 के अपराह्न से लेकर श्रगला आदेश मिलने तक मुख्य लेखापरीक्षक, रेलवे उत्पादन यूनिट, कलकत्ता के अतिरिक्त कार्यभार को संभालेंगे।

उन्होंने श्री एस० एम० मैत्रा, मुख्य लेखापरीक्षक रेलवे उत्पादन यूनिट को 16-5-1974 (अपराह्न) को कार्यभार से मुक्त किया।

सं० 1600-जी० ई० 1/228-70—दिनांक 19-3-74—भारत के नियन्त्रक महालेखापरीक्षक ने, श्री डी० डी० धींगरा, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, को मूल नियम (एफ० आर०) 30 (1) के द्वितीय परन्तुक के अधीन 21-6-73 से लेकर श्रगला आदेश मिलने तक मुख्य वेतन एवं लेखा अधिकारी, पूर्ति विभाग, नई दिल्ली के पद को धारण करते हुए अपर उप नियन्त्रक महालेखापरीक्षक के ग्रेड (2500-125/2-2750 रु०) में स्थानापन्न रूप से, सहर्ष नियुक्त किया है।

सं० 1737-जी० ई० 1/डी०-6/पी० एफ० III—दिनांक 30-3-74—2-12-1973 और 20-1-1974 की रविवार की छुट्टियों को जोड़ने की अनुमति सहित 3-12-1973 से 19-1-74 तक की अर्जित छुट्टी से लौटने पर श्री के० सी० दास, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 21-1-1974 (पूर्वाह्न) से महालेखाकार, पश्चिम बंगाल के पद का कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने श्री एम० एम० मेहता, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा को अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त किया है।

सं० 1792-जी० ई० 1/एस०-48/भाग VI —दिनांक 30-3-74—12-1-1974 और 13-1-1974 की छुट्टियों के जोड़ने की अनुमति सहित 21-12-73 से 11-1-1974 तक की अर्जित छुट्टी से लौटने पर श्री एच० एस० सैम्युल, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 14-1-74 (पूर्वाह्न) से मुख्य लेखा परीक्षक, दक्षिण पूर्व रेलवे, कलकत्ता के पद का कार्यभार संभाल लिया है उन्होंने श्री एम० रामास्वामी भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा को अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त किया है।

सं० 2284-जी० ई० 1/एस०-142/पी० एफ०—दिनांक 23-4-74—भारत के नियन्त्रक महालेखापरीक्षक ने श्री डी० सेथुमाधवन को 4-6-1973 से 23-7-1973 तक की अवधि के लिए अपने वरिष्ठ अधिकारियों के दावों को क्षति पहुंचाए बिना भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में अस्थायी रूप से सहर्ष पदोन्नत किया है।

उक्त अवधि के दौरान श्री सेथुमाधवन ने महालेखाकार, केरल, त्रिवेन्द्रम, के कार्यालय में उप महालेखाकार (प्रशासन) के अपने

कर्तव्यों के अतिरिक्त वरिष्ठ उप महालेखाकार (राज० ले० प०) के पद को धारण किए रखा।

सं० 2491-जी० ई० 1/एस०-55/पी० एफ०—दिनांक 8-5-74—महालेखाकार (II) तमिल नाडु मद्रास के पद से भार-मुक्त होने पर श्री आर० के० ए० सुब्रामन्या ने 7-1-74 (पूर्वाह्न) को महालेखाकार, उड़ीसा, भुवनेश्वर के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 2192-जी० ई० 1/जी० 17/पी० एफ०—दिनांक 8-5-74—7-1-1974 (पूर्वाह्न) को महालेखाकार, उड़ीसा, भुवनेश्वर के पद से भार-मुक्त होने पर श्री एस० पी० गुगनानी 10-1-1974 के पूर्वाह्न से राष्ट्रीय रक्षा महा विद्यालय (नेशनल इफेंस कालिज) नई दिल्ली में प्रशिक्षण के लिए चले गए हैं।

सं० 2493-जी० ई० 1/जी०-9/पी० एफ०—दिनांक 8-5-74—भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग में परावर्तन होने पर तथा छुट्टी और कार्यग्रहण अवधि व्यतीत करने के पश्चात श्री आर० सी० घई ने, जिनको महालेखाकार, केरल, त्रिवेन्द्रम, के रूप में नियुक्त किया गया था, 25-2-1974 के अपराह्न को पद का कार्यभार संभाला।

सं० 2763-जी० ई० 1/एस०-15/पी० एफ०—दिनांक 22-5-74—श्री एस० एम० मैत्रा ने 22-3-1974 (पूर्वाह्न) को महालेखाकार-I, बिहार, रांची का कार्यभार संभाल लिया है।

उन्होंने श्री एल० पी० खन्ना को अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त किया।

सं० 2764-जी० ई० 1/के० 8/पी० एफ०—दिनांक 22-5-74—विशेष कार्याधिकारी के पद से भार-मुक्त होने पर श्री एल० पी० खन्ना ने 29-3-74 (पूर्वाह्न) से महालेखाकार (II) बिहार, पटना का कार्यभार संभाल लिया है।

सं० 2973-जी० ई० 1/आर०-13/पी० एफ०—दिनांक 25-5-74—10-4-1974 से 27-4-1974 तक की छुट्टी व्यतीत करने के पश्चात श्री के० एस० रंगामूर्ति, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 28-4-1974 को भारत के नियन्त्रक महालेखापरीक्षक, नई दिल्ली के कार्यालय के विशेष कार्याधिकारी (वेतन आयोग कक्ष) का कार्यभार संभाला।

सं० 2974-जी० ई० 1/आर०-13/पी० एफ०—दिनांक 25-5-74—11-3-74 से 20-3-1974 तक की छुट्टी व्यतीत करने के पश्चात श्री के० एस० रंगामूर्ति, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 21-3-1974 को भारत के नियन्त्रक महालेखापरीक्षक, नई दिल्ली के कार्यालय के विशेष कार्याधिकारी (वेतन आयोग कक्ष) का कार्यभार संभाला।

सं० 3003-जी० ई० 1/डी०-9/पी० एफ०—दिनांक 27-5-74—श्री डी० डी० धींगरा, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, मुख्य वेतन एवं लेखाधिकारी, पूर्ति विभाग, खाद्य और कृषि मन्त्रालय पुनर्वासि विभाग, नई दिल्ली 11-12-1973 से 3-3-1974 तक की निवृत्ति पूर्व छुट्टी की समाप्ति के पश्चात अधिविधिता की आग्रह प्राप्त कर लेने पर 4-3-1974 (पूर्वाह्न) से सेवा निवृत हो गए हैं।

श्री पी० पी० गंगाधरन ने 10-12-1973 (अपराह्न) को मुख्य वेतन एवं लेखाधिकारी का कार्यभार संभाला।

सं० 3556-जी० ई० 1/147-74—दिनांक 19-6-74—1-7-1974 से लेकर अगला आदेश मिलने तक महालेखाकार, हिमाचल प्रदेश और चन्डीगढ़ के कार्यालय का चन्डीगढ़ शाखा कार्यालय, महालेखाकार, हिमाचल प्रदेश और चन्डीगढ़ के कार्यालय से अस्थायी रूप से महालेखाकार राजस्थान के कार्यालय में स्थानान्तरित हो जाएगा। इसके परिणामस्वरूप महालेखाकार, हिमाचल प्रदेश और चन्डीगढ़ और महालेखाकार, राजस्थान का पदनाम बदल कर क्रमशः महालेखाकार, हिमाचल प्रदेश और महालेखाकार, राजस्थान और चन्डीगढ़ हो जाएगा।

सं० 3761-जी० ई० 1/आर०-4/पी० एफ०—दिनांक 29-6-74—5-5-74, 6-5-74 और 2-6-74 की छुट्टियों को जोड़ने की अनुमति सहित, 7-5-74 से 1-6-74 तक की 26 दिन की अंजित छुट्टी से लौटने पर श्री आर० पी० रंगा ने 3 जून, 1974 के पूर्वाह्न से अपर उप-नियन्त्रक महालेखापरीक्षक (वाणिज्यक) का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 3948-जी० ई० 1/ए०-15/पी० एफ०-IV—दिनांक 7-5-74 से 23-5-74 तक की छुट्टी से लौटने पर श्री के० आर० अर्यर भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा ने, 24-5-1974 (पूर्वाह्न) को मुख्य लेखापरीक्षक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली का कार्यभार संभाल लिया।

उन्होंने श्री जी० बी० सिंह को अतिरिक्त कार्यभार ने मुक्त किया।

सं० 3955-जी० ई० 1/ए०-3/पी० एफ०—दिनांक 4-7-74—8-5-1974 से 24-5-1974 तक की अंजित छुट्टी से लौटने पर श्री टी० सी० नरसिंहन भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 25-5-1974 के पूर्वाह्न से महालेखाकार (I) महाराष्ट्र, बम्बई का कार्यभार संभाल लिया।

उन्होंने श्री टी० सी० कृष्णन को अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त किया।

सं० 4051-जी० ई० 1/एस०-45/पी० एफ०—दिनांक 6-7-74—28-4-74, 11-5-74 और 12-5-1974 की छुट्टियों को जोड़ने की अनुमति सहित 29-4-1974 से 10-5-74 तक 12 दिन की छुट्टी से लौटने पर श्री पी० आर० श्याम सुन्दर, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 13-5-1974 (पूर्वाह्न) को महालेखाकार (II) आनंद प्रदेश, हैदराबाद का कार्यभार संभाल लिया है।

उन्होंने श्री जी० रामाचन्द्रन को अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त किया।

सं० 4052-जी० ई० 1/एस० 23/पी० एफ०—दिनांक 6-7-74—श्री मन्जूर-ए-मुस्तफा महालेखाकार, मध्य प्रदेश ने 1-1-1974 से महालेखाकार (I) मध्य प्रदेश, ग्वालियर का कार्यभार संभाल लिया है। उसी तिथि से श्री एस० रामाचन्द्रन, विशेष कार्याधिकारी ने महालेखाकार (II) मध्य प्रदेश, ग्वालियर का कार्यभार संभाल लिया है।

सं० 4053-जी० ई० 1/बी०-16/पी० एफ०—1-3-74 से 1-4-74 तक की 32 दिन की अंजित छुट्टी से लौटने पर श्री एस० सी० बैनर्जी ने 2 अप्रैल, 1974 के पूर्वाह्न से मुख्य लेखापरीक्षक, रेलवे उत्पादन यूनिट, कलकत्ता का कार्यभार संभाला लिया है।

उन्होंने श्री एन० जी० सेन को अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त किया।

सं० 4256-जी० ई० 1/जी०-5/पी० एफ०—छुट्टी की समाप्ति पर और भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग में परावर्तन होने पर श्री ए० पी० घोष को 15-6-1974 (पूर्वाह्न) से मुक्त लेखापरीक्षक, पूर्वोत्तर सीमान्त रेलवे, मालीगांव के पद पर नियुक्त किया गया है।

उन्होंने श्री के० जी० कुरियान, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, को कार्यभार से मुक्त किया।

दिनांक 15 जुलाई 1974

सं० 4283-जी० ई० 1/आर०-13/पी० एफ०-III—भारत के नियन्त्रक महालेखापरीक्षक के कार्यालय में विशेष कार्याधिकारी (वेतन आयोग कक्ष) के पद से भार-मुक्त होने पर श्री के० एस० रंगामूर्ति ने 21-6-74 (पूर्वाह्न) से मुख्य लेखापरीक्षक उत्तर रेलवे, नई दिल्ली का कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने श्री के० आर० अर्यर, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, को कार्यभार से मुक्त किया।

दिनांक 18 जुलाई 1974

सं० 4381-जी० ई० 1/के०-34/पी० एफ०—1-9-1973 से लोक हित में भारत हैवी इलैक्ट्री-कलज लिं० (केन्द्रीय लोक उद्यम) में स्थायी बिलधीकरण के परिणामस्वरूप, केन्द्रीय मिलिं सेवा (पेन्जान) नियमावली, 1972 के नियम 37 के अनुसार श्री के० एन० खन्ना को उसी तिथि से सरकारी सेवा से निवृत्त हुआ समझा जाए।

सं० 4421-जी० ई० 1/जे०-2/पी० एफ०—30-6-1974 की छुट्टी को जोड़ने की अनुमति सहित 1-6-74 से 29-6-74 तक की छुट्टी से लौटने पर श्री रघुनन्दन जोधी, ने 1-7-1974 (पूर्वाह्न) को भारत के नियन्त्रक महालेखापरीक्षक के कार्यालय नई दिल्ली में निदेशक (स्टाफ) का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 19 जुलाई 1974

सं० 4489-जी० ई० 1/298-73—भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई० ए० एस०) इत्यादि परीक्षा, 1973 का परिणाम घोषित होने पर भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों का भारतीय प्रशासनिक सेवा में नियुक्त हेतु चयन किया गया है और प्रत्येक के सम्मुख लिखी हुई तारीख से उनको भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा

विभाग से भारत मुक्त कर दिया गया है :—

क्रम सं०	नाम	पदनाम तथा कार्यालय	भारमुक्त किए जाने की तारीख
<b>सर्वं श्री</b>			
1.	बी० पक्षी गजा	भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा परिवीक्षक, भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा सेवा स्टाफ कालेज, शिमला	12-7-74 (अपराह्न)
2.	आर० एन० बेर्वा	बही	बही
3.	लम्बुर रीत्याह	बही	बही
4.	निलोक कुमार दिवान	बही	बही
5.	बैंकटेक्स्टरन रामनाथ	सहायक महा- लेखाकार (परिवीक्षा पर), महालेखाकार, जम्मु व काश्मीर, श्रीनगर	1-7-74 (अपराह्न)

दिनांक 27 जुलाई 1974

सं० 4558-जी० ई० 1/एम०-18/पी० एफ० IV—  
—स्थानान्तरण होने पर श्री सी० जे० मल्कानी, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 25-6-1974 (पूर्वाह्न) में महालेखाकार, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता के कार्यालय में विशेष कार्याधिकारी (भविष्य निधि लेखा) (नए सृजित किए गए पद पर) का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 29 जुलाई 1974

सं० 4654-जी० ई० 1/एम०-12/पी० एफ०—  
—छूट्टी से लौटने और भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग में परावर्तन होने पर श्री एच० के० मैत्रा भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 23 मई, 1974 के पूर्वाह्न से अपर उप नियंत्रक महालेखापरीक्षक (रेलवे) एवं पदेन निदेशक रेलवे लेखापरीक्षा का कार्यभार संभाल लिया।

उन्होंने श्री एच० बी० भड़ को भार मुक्त किया।

महेन्द्र प्रकाश गुप्ता,  
सहायक नियंत्रक महालेखापरीक्षक (कार्मिक)

केरल के महालेखाकार का कार्यालय

तिरुवनंतपुरम्, दिनांक 3 अक्टूबर 1974

पं० सं० सिल्वर्डि/अ०/IV/9-86/102—केरल के महालेखाकार ने इस कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी (लेखा परीक्षा तथा लेखा) श्री के० सुब्रह्मोणिय अय्यर (नं० 2) को 2-8-1974

अपराह्न से स्थानापन्न रूप में लेखाधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त किया है।

कृ० गणेशन, उप महालेखाकार (प्रशासन)

### रक्षा लेखा विभाग

#### कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली 22, दिनांक 4 अक्टूबर 1974

सं० 40011(2)/74-प्रशा० ए०—वाधक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारीयों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख से पेंशन स्थापना को अन्तरित किया जायगा।

क्रम सं०	नाम	ग्रेड	पेशन स्थापना को अन्तरित की तारीख	संगठन
सं०	रोस्टर सं०	सहित		
1	2	3	4	5

#### सर्वं श्री

1. बी० एल० खट्टर  
(पी०/315)

स्थायी लेखा (अपराह्न) रक्षा लेखा अधिकारी नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर मेरठ।

2. टी० गोपालन  
(पी०/420)

स्थायी लेखा (अपराह्न) नियंत्रक (फेक्सीज) कलकत्ता।

3. टी० नटनामिकमनी  
(पी०/707)

स्थायी लेखा (अपराह्न) नियंत्रक दक्षिणी कमान, पूना

एस० के० सुन्दरम्, रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक

#### श्रम मंत्रालय

#### श्रम व्यूरो

शिमला-4 1974 दिनांक

सं० 23-3-74—सी० पी० आई०—सितम्बर, 1974 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100), अगस्त स्तर से तेरह अंक बढ़कर 334 (तीन सौ चौंतीस) रहा। सितम्बर, 1974 माह का सूचकांक 1949 आधार वर्ष पर परिवर्तित किये जाने पर 406 (चार सौ छँ) आता है।

एस० सोममुन्द्रम अय्यर  
उपनिदेशक

#### श्रम एवं नियोजन मंत्रालय

#### कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था

धनबाद, दिनांक 1974

मं० एडमिन० 13(42) सामान्य/74—डा० (कुमारी) मुधा आनन्द, कनिष्ठ चिकित्साधिकारी (तदर्थ), केन्द्रीय चिकित्सा-

लय, आसनसोल का पद त्याग स्वीकृत होने पर उन्होंने दिनांक 8 जुलाई, 1974 (अपराह्न) को अपने पद का कार्यभार छोड़ा।

राजेश्वर प्रभाद सिन्हा, कोयला खान  
कल्याण आयुक्त

**पूर्ति विभाग**  
**पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय**  
**(प्रशासन शाखा-6)**

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1974

सं० ए०-17011(65)/74 प्र० ६—श्री प्रदीप चौपडा ढारा दिये गये त्याग पत्र के स्वीकार हो जाने पर वे दिनांक 31 मई, 1974 के अपराह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के अधीन, बम्बई निरीक्षण मण्डल, बम्बई में भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी I के ग्रेड II की इन्जीनियरी शाखा में निरीक्षण अधिकारी (प्रशिक्षणाधीन) के पद भार से कार्य मुक्त कर दिये गये।

दिनांक 4 अक्टूबर 1974

सं० प्र० 6/247(231)/59/ III—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा की धातुकर्म शाखा, श्रेणी I के ग्रेड III में सहायक निदेशक श्री के० मी० चटर्जी को दिनांक 11 सितम्बर, 1974 से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक सेवा के ग्रेड II में उप निदेशक निरीक्षण के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री चटर्जी ने दिनांक 9 सितम्बर, 1974 के अपराह्न से धातुकर्म निदेशालय, जमशेदपुर के अधीन सहायक निदेशक (धातु), भिनाई का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 11-9-74 से धातुकर्म निरीक्षणालय, बर्नपुर में उपनिदेशक निरीक्षण (धातु) का पद भार सम्भाल लिया।

**(प्रशासन शाखा-1)**

सं० प्र०-1/1(242)—राष्ट्रपति, पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड 1) (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड III) श्री महमान भिंह को दिनांक 4 सितम्बर, 1974 के अपराह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान निदेशक बम्बई के कार्यालय में भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड II में निदेशक पूर्ति के पद पर तदर्थे आधार पर नियुक्त करते हैं।

एस० के० जोशी, उप निदेशक (प्रशासन)

**इस्पात और खान मंत्रालय**

**(खान विभाग)**

**भारतीय खनि विभाग**

नागपुर, दिनांक 7 सितम्बर 1974

सं० ए० 19012(12)/70-सि० ए०—श्री जी० डी० गुप्ता, स्थानापन्न पुस्तकाध्यक्ष को 19-7-1974 से 24-8-1974 तक 37 दिनों की अर्जित छूटटी मंजूर की गई थी। श्री जी० डी० गुप्ता को श्रम मंत्रालय में पुस्तकाध्यक्ष के पद पर चुन लिये जाने पर

वे थ्रस मंत्रालय में वापस चले गये हैं। तदनुसार उनका नाम दि० 24 अगस्त, 1974 के अपराह्न से इस विभाग से निकाल दिया गया है।

ए० के० राघवाचारी, प्रवर प्रशासन अधिकारी  
कृते नियंत्रक

**भारतीय भौवैज्ञानिक सर्वेक्षण**

कलवात्ता-13, दिनांक 1974

सं० 4/72/19-ए०—भारतीय भौवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भंडार अधिकारी (तदर्थे) श्री बी० एस० सूद को भंडार अधीक्षक (तकनीकी) के पद पर उसी विभाग में 12-7-1974 के अपराह्न से पगवनित किया जाता है।

सी० करुणाकरन, महा निदेशक

**आकाशवाणी महानिदेशालय**

नई दिल्ली, दिनांक 1974

सं० 6(24)/60-एस० एक ग्रन्ड दो—श्री सम्यद हकीजुद्दीन कार्यक्रम निष्पादक (प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव), विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, हैदराबाद, 31 अगस्त, 1974 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए।

शान्ती लाल, प्रशासन उपनिदेशक  
कृते महानिदेशक

**सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय**

**फिल्म प्रभाग**

बम्बई-26, दिनांक 7 अक्टूबर 1974

सं० 5/32/67-सीब्बन्दी-I—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री सी० के० माधवा राव, स्थानापन्न सहायक समाचार चित्र अधिकारी, फिल्म प्रभाग, त्रिवेन्द्रम् को दिनांक 13-9-1974 के पूर्वाह्न से फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली में केमरामैन के पद पर नियुक्त किया है।

एम० के० जैन, सहायक प्रशासकीय अधिकारी  
कृते प्रमुख निर्माता

**कृषि मंत्रालय**

**(सहकारिता विभाग)**

**विषयन एवं निरीक्षण निवेशालय**

**(प्रधान कार्यालय)**

फरीदाबाद, दिनांक अक्टूबर 1974

सं० फ० 4-6(24)/74-प्र० 1—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार कुमारी के० पी० रेणुका, को विषयन एवं निरीक्षण निवेशालय के अधीन बम्बई में दिनांक 12 सितम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न आधार पर सहायक विषयन अधिकारी, वर्ग II नियुक्त किया गया है।

एन० के० मुरलीधर राव,  
कृषि विषयन सलाहकार

## बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 11 अक्टूबर 1974

मं० 16/215/72-स्थापना-1—अध्यक्ष, बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री ए० पी० मिह, बन राजिक, उत्तर प्रदेश बन विभाग को दिनांक 11 सितम्बर, 74 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक सहर्ष पिक्षक, उत्तरी बनराजिक महाविद्यालय, देहरादून नियुक्त करते हैं।

प्रेम कपूर, कुलसचिव,  
कृते अध्यक्ष

## विवेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 7 अक्टूबर, 1974

सं० 10/4/74-स्था०—निम्नलिखित ग्राहग्रह तकनीकी सहायक प्रत्येक के नाम के मामने निर्दिष्ट शाखा में और दिनांक से तथा आगामी आदेशों तक, स्थानापन्न रूप से सहायक अभियन्ता नियुक्त किए जाते हैं :—

क्र०	नाम	तैनाती की शाखा	स्थानापन्न सहायक अभियन्ता के रूप में नियुक्ति का दिनांक
सं०			
1	2	3	4

## सर्वेश्वी

1. ए० के० मुकर्जी	स्विचिंग काम्पलेक्स, बम्बई	21-8-1974
2. आर० जे० पोल	—यथोक्त—	22-8-1974
3. सतपाल हरबंशलाल	कलकत्ता शाखा	9-9-1974
4. जे० चन्द्रशेखरन	घोण शाखा	10-9-1974
5. ए० बी० के० कुट्टी	मद्रास शाखा	11-9-1974
6. टी० अम्भानन्द राव	बम्बई शाखा	12-9-1974
7. ए० के० व्याग्र	घोण शाखा	13-9-1974
8. के० आर० श्रीनि- वासन	आर्वी शाखा	16-9-1974
9. ओ० पी० वर्मा	नई दिल्ली शाखा	17-9-1974
10. बी० रामलिंगय्या	बम्बई शाखा	18-9-1974
11. ए० बी० शिराव	मुख्य कार्यालय, बम्बई	20-9-1974
	डेकर	

पु० ग० दामले, महानिदेशक

सं० 1/173/74-स्था०—श्री ए० के० माजुन, स्थायी परियात लेखा अधिकारी, विवेश संचार सेवा, मुख्य कार्यालय, बम्बई, 30 सितम्बर, 1974 के अपराह्न में मेवा निवृत्त हो गा, है।

ए० ए० कृष्णास्वामी, प्रशासन अधिकारी  
कृते महानिदेशक

## कार्यालय महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 7 अक्टूबर, 1974

मं० ए०-12025/5/74-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित को उनके नामों के मामने दी गई तारीखों से अगले आदेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग के वैज्ञानिक संचार संगठन में अस्थायी रूप में तकनीकी अधिकारी के पदपर नियुक्त किया है।

क्र०	नाम	नियुक्ति की तारीख	तैनाती कार्यालय/ स्टेशन
सं०			
1.	श्री चन्द्र प्रकाश	27-8-74 (पूर्वाह्न)	वैज्ञानिक संचार स्टेशन, दिल्ली एयरपोर्ट, पालम
2.	श्री ए० इरलपन	31-8-74 (पूर्वाह्न)	वैज्ञानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता।
3.	श्री अशोक कुमार बंसल	4-9-74 (पूर्वाह्न)	वैज्ञानिक संचार स्टेशन, दिल्ली, पालम।
4.	श्री टी० ए० प्रकाश	16-9-74 (पूर्वाह्न)	रेडियो निर्माण एवं क्रि- विकास यूनिट्स, नई दिल्ली।
5.	श्री विश्वनाथ	5-9-74 (पूर्वाह्न)	—वही—

ए० ए० कोहली, उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक, नागर विमानन

## भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 10 अगस्त 1974

जून और जुलाई की वर्षा तथा अगस्त और सितम्बर 1974 के दूर परास वर्षा पूर्वानुमान पर ज्ञापन पत्र . . . . .

## 1. जूम और जुलाई की अवधि में भारत में मौसम

जून और जुलाई के महीनों में वर्षा अरुणाचल प्रदेश और जम्मू और काश्मीर में बड़ी अधिकता से, आसाम और मेघालय में मध्यम अधिकता से और पश्चिम उत्तर प्रदेश के मैदानी क्षेत्रों, तटीय कर्नाटक और लक्ष्मीपुर्ण में साधारण अधिकता से हुई। यह नागार्लेण्ड, मणिपुर, मिजोराम और त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल, पूर्व उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान राज्य, कोनकन, तमिलनाडु, और केरल में सामान्य रूप से हुई। यह बिहार पठार, मध्य प्रदेश और उत्तर अन्तर्वर्ती कर्नाटक में अल्प न्यूनता से, खाड़ी द्वीपों, पश्चिमी उत्तर प्रदेश की पहाड़ियों, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, विदर्भ, आन्ध्र प्रदेश और दक्षिण अर्नवीर्य कर्नाटक में मामूली न्यूनता से और उड़ीमा और गुजरात राज्य में बड़ी न्यूनता से हुई।

**जून :**—दक्षिण पश्चिम मानसून जिसने कोमारिन-मालदिव और लक्ष्मीप क्षेत्र, केरल बंगाल की खाड़ी के अधिकतम भाग, नागार्नांड, मणिपुर, मिजोराम और त्रिपुरा के ऊपर 29 मई तक आया रहा था, जून के पहले सप्ताह पश्चिम टट के साथ-साथ दक्षिण कोनकन तक श्रीराष्ट्राम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और उप-हिमालय पश्चिम बंगाल में 29 मई को उत्तर खाड़ी के ऊपर बने हुए श्रवनमन के प्रभाव में आगे बढ़ा, 31 मई को उसने बंगलादेश टट को पार किया और 2 जून को अरुणाचल प्रदेश के ऊपर आकर हलका पड़ गया। 16 और 18 के बीच उत्तर ग्रान्थ प्रदेश, उड़ीसा, गंगा क्षेत्रीय पश्चिम बंगाल, बिहार राज्य, पूर्व मध्य प्रदेश, विदर्भ मराठवाड़ के ऊपर फैलते हुए मानसून उत्तर खाड़ी के ऊपर 15 को गाम को बने हुए श्रवनमन के प्रभाव में आकर सिर्फ 16 को आगे बढ़ा और पुरी के सभीय टट को पार करते हुए बिहार के मैदानी क्षेत्रों में 20 को निम्न दाढ़ क्षेत्र हलका पड़ा। 19 से 27 तक मानसून में शिथिलता रही। जून के अन्त तक उत्तर कोनकन, उत्तर मध्य महाराष्ट्र, दक्षिण गुजरात, पश्चिम मध्य प्रदेश और पूर्व उत्तर प्रदेश पर मानसून आया रहा।

इस महीने की अवधि में उल्लेखनीय भारी वर्षा की राशि इस प्रकार थी :—

दिनांक	स्थेशन	वर्षा (सें. मी.०)	दिनांक	स्थेशन	वर्षा (सें. मी.०)
3	चेरापूंजी	.	20	कूचबिहार	.
7	हरनाई	.	24	होनावर	.
20	चेरापूंजी	.	20	पासीषाट	.
22	चेरापूंजी	.	22	सिलचर	.
22	जीरो	.	22	गोलपारा	.
24	दमोलिम (गोवा)	.	27	कनकेर	.
30	चेरापूंजी	.	27		

जून के महीने में वर्षा पंजाब, जम्मू और काश्मीर में बड़ी अधिकता से अरुणाचल प्रदेश, आसाम और मेघालय, हिमाचल प्रदेश और पश्चिम राजस्थान में थोड़ी अधिकता से और उत्तर अन्तर्वर्ती कर्नाटक में अल्प अधिकता से हुई। यह हरियाणा, कोनकन, तेलगाना और तमिलनाडु में सामान्य रूप से हुई। यह नागासैण्ड, मणिपुर, मिजोराम और त्रिपुरा, उप-हिमालय पश्चिम बंगाल, पूर्व मध्य प्रदेश, मराठवाड़ा, तटीय ग्रान्थ प्रदेश, रायसेनीभा और लक्ष्मीप के अल्प न्यूनता से, खाड़ी द्वीपों, बिहार के मैदानी क्षेत्रों, पश्चिम उत्तर प्रदेश की पहाड़ियों, पश्चिम मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, विदर्भ और तटीय कर्नाटक में थोड़ी न्यूनता से और गंगा क्षेत्रीय पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, बिहार के पठार, उत्तर प्रदेश के मैदान, पूर्व राजस्थान, गुजरात राज्य, दक्षिण अन्तर्वर्ती कर्नाटक और केरल में बड़ी न्यूनता से हुई।

**जुलाई :**—जुलाई के पहले 10 दिनों के दौरान मानसून आगे नहीं बढ़ा। यह उत्तर गुजरात पूर्व राजस्थान और

उत्तर महाराष्ट्र, गुजरात राज्य, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में मानसून के आगे में 10-15 दिन का विलम्ब हुआ।

मास के दौरान मात्र पश्चिमी विक्षेपों ने उत्तर पश्चिम भारत को पार किया जिसमें उत्तर पश्चिम भारत के कई भागों में वर्षा अधिकता से हुई।

पहले सप्ताह में कुछ दिन और तीसरे सप्ताह में कई दिन आसाम और निकटवर्ती राज्यों में मानसून सक्रिय रहा। मानसून विक्षण कोनकन और गोवा, अन्तर्वर्ती महाराष्ट्र, आनंद प्रदेश, तटीय कर्नाटक, बिहार में मैदानी क्षेत्र में कई दिन और मध्य प्रदेश में दूसरे पक्ष के कुछ एक दिन सक्रिय भी रहा। मास के पहले सप्ताह की अवधि में मानसून प्रायस्त्रीप में सामान्यतः क्षीण रहा।

ऐसा सूचित किया गया है कि जून के पहले सप्ताह मणिपुर खाड़ी के विशाल क्षेत्र बाढ़ ढारा जल प्लावित हुए हैं जिसके फलस्वरूप फसल और मकानों को क्षति पहुंची। 20 और 23 जून के बीच आसाम और समीपवर्ती राज्यों में भारी वर्षा के कारण आसाम के कई भागों में भयंकर बाढ़ आई जिससे कई गांव जल प्लावित हुए, सड़क यातायात बंग हुआ और पटसन और धान की खाड़ी फसलों को क्षति पहुंची।

पश्चिम उत्तर प्रदेश में 11 को, हरियाणा, दिल्ली, चण्डीगढ़ पंजाब, हिमाचल प्रदेश और पश्चिम राजस्थान में 12 को और जम्मू और काश्मीर में 16 को आगे बढ़ा, 8 और 13 के बीच उत्तर खाड़ी से दक्षिण पश्चिम उत्तर प्रदेश और समीपवर्ती पूर्व राजस्थान को और अग्रसर होता हुआ एक उपरी बायु चक्रवातीय परिसंचरण के प्रभावधीन में और 14 को मानसून द्रोषिका में और 13 और 16 के बीच गंगा क्षेत्रीय पश्चिम बंगाल से बिहार तक निम्न क्षेत्र भड़ल में चक्रवाती परिसंचरण में विलयन होता हुआ वह 16 जुलाई तक सारे देश में फैल गया। उत्तर गुजरात और उत्तर पश्चिम भारत में भी मानसून 10-15 दिन की विलम्बता से अग्रसर हुआ।

जुलाई में आठ पश्चिम विक्षेपों ने उत्तर पश्चिम भारत पर अग्रसर डाला जिससे पश्चिम हिमालय में अच्छी वर्षा हुई।

मानसून आसाम और समीपवर्ती राज्यों, पश्चिम बंगाल, बिहार के मैदानों, कोनकन और गोवा, कर्नाटक और केरल में

मास के दोगांन कई दिन और उत्तर पश्चिम भारत के मैदानों, उत्तर प्रदेश और पश्चिम मध्य प्रदेश में कुछ दिन सक्रिय और प्रबल भी रहा। यह उड़ीसा, पूर्व मध्य प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश और अन्तर्वर्ती महाराष्ट्र और गुजरात राज्य में विशेष रूप से दूसरे पक्ष में सामान्यतः, हल्का रहा। 5 जुलाई से बम्बई (कोलाबा) से 58 में० मी० वर्षा का अभिलेखन किया गया जो पिछले 94 वर्षों में उपलब्ध प्रकाशित रिकार्ड के आधार पर उस स्थान के लिए सब समय का लेख-प्रमाण है। सूचित किया गया है कि जुलाई

के पहले सप्ताह बम्बई नगर कोनकन के दूसरे भागों में भारी वर्षा के कारण 50 से अधिक लोगों की जान गई और सम्पत्ति विशेष कर रेलवे संपत्ति को क्षति पहुंची। 4 और 5 को बम्बई नगर में जनजीवन अस्त व्यस्त हुआ। समाचार सूचनाओं के अनुहार आसाम और समीपवर्ती राज्यों, उत्तर बंगाल, उत्तर बिहार, कर्नाटक और केरल में भयकर बाढ़ आई और उसने कई गांवों को जल लालित किया और इन राज्यों में फसल और मकानों को क्षति पहुंची।

इस महीने की अवधि में वर्षा की मुख्य राशि इस प्रकार थी :—

दिनांक	स्टेशन	वर्षा (सें० मी०)	दिनांक	स्टेशन	वर्षा (सें० मी०)
1	जलपाइगुरी	. . . . .	28	चेरापूजी	. . . . .
2	चेरापूजी	. . . . .	37	तेजू	. . . . .
2	पासीघाट	. . . . .	22	बदकाचेरी	. . . . .
4	महाबलेश्वर	. . . . .	31	मानेनता बोदी	. . . . .
4	रत्नगिरी	. . . . .	23	भीरा	. . . . .
5	बम्बई (कोलाबा)	. . . . .	4	बम्बई (कोलाबा)	. . . . .
5	अगुम्बे	. . . . .	58	बम्बई (मान्ताकुज)	. . . . .
5	चेरापूजी	. . . . .	26	महाबलेश्वर	. . . . .
	श्रीलीबाग	. . . . .	22	होना वर	. . . . .
6	बेन्नूर	. . . . .	20	चिपलन	. . . . .
12	माथेरन भोग	. . . . .	22 प्रत्येक	चेरापूजी	. . . . .
16	चेरापूजी	. . . . .	45	टोंक	. . . . .
18	चेरापूजी	. . . . .	43	चेरापूजी	. . . . .
20	चपरमुख	. . . . .	22	मंगलौर (आन्ध्र प्रदेश)	. . . . .
22	कोटानगर	. . . . .	20	चेरापूजी	. . . . .
26	कर्कला	. . . . .	26	बेन्नूर	. . . . .
27	चेरापूजी	. . . . .	90	कर्कला	. . . . .
31	मंगलौर आन्ध्र प्रदेश	. . . . .	20		

जुलाई मास में वर्षा अहमान्त्र प्रदेश, आसाम और मेघालय और लक्ष्मद्वीप में बड़ी अधिकता से, नागालैण्ड, मणिपुर, मिजोगाम और त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल, पश्चिम उत्तर प्रदेश के मैदानों, पूर्व राजस्थान, तटीय कर्नाटक और केरल में थोड़ी अधिकता से और बिहार पठार, पूर्व उत्तर प्रदेश, हरियाणा और कोनकन में अत्य अधिकता से हुई। यह बिहार के मैदानों, पश्चिम उत्तर प्रदेश की

316G1/74—2

पहाड़ियों, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम राजस्थान, पश्चिम मध्य प्रदेश, तमिलनाडु और दक्षिण अन्तर्वर्तीय कर्नाटक में सामान्य रूप में हुई। यह जग्मू और काशीमीर और मध्य महाराष्ट्र में अत्य न्यूनता से, खाड़ी द्वीपों, पंजाब, पूर्व मध्य प्रदेश, विदर्भ, आन्ध्र प्रदेश और उत्तर अन्तर्वर्ती कर्नाटक में थोड़ी न्यूनता से और उड़ीसा, गुजरात राज्य और मणिलवाड़ में बहुत कम हुई।

प्रत्येक उप प्रभाग के लिए निम्न तालिका जून तथा जुलाई में कुल वर्षा, सामान्य से उसका अन्तर तथा सामान्य से प्रतिशत अन्तर बताती है :—

मि० मो० में वर्षा

क्रमांक	उपप्रभाग	जून और जुलाई की अवधि		
		वास्तविक	सामान्य से अन्तर	सामान्य से प्रतिशत अन्तर
1.	खाड़ी द्वीप	547.8	-295.7	-35
2.	श्रृणुचल प्रदेश	1898.9	+665.2	+54
3.	आसाम और मेघालय	1251.2	+372.2	+42
4.	नागालैण्ड, मणिपुर, मिजोगम और त्रिपुरा	769.6	+63.6	+9
5.	उप-हिमान्द्य पश्चिम बंगाल	1152.5	+81.9	+8
6.	गंगा ध्रोदीय पश्चिम बंगाल	550.1	-18.6	-3
7.	उड़ीसा	285.3	-301.3	-51
8.	बिहार पठार	482.9	-65.8	-12
9.	बिहार के मैदान*	375.0	-128.0	-25
10.	उत्तर प्रदेश, पूर्व	408.5	-24.1	-5
11.	पश्चिम उत्तर प्रदेश के मैदान	451.8	+77.3	+21
12.	पश्चिम उत्तर प्रदेश की पहाड़ियाँ*	363.0	-244.0	-40
13.	हरयाणा, चण्डीगढ़ और दिल्ली*	222.0	-24.0	-10
14.	पंजाब	200.5	+6.0	+3
15.	हिमाचल प्रदेश	640.9	+24.6	+4
16.	जम्मू और काश्मीर	217.6	+76.8	+55
17.	राजस्थान, पश्चिम*	121.0	0	0
18.	राजस्थान, पूर्व*	259.0	-29.0	-10
19.	मध्य प्रदेश, पश्चिम	394.7	-72.1	-15
20.	मध्य प्रदेश, पूर्व	438.1	-135.1	-23
21.	गुजरात थोक, दमन, दादर और नागर हवेली	139.7	-323.9	-70
22.	भौंगाड़ और कच्छ और दूर्य	91.5	-248.9	-73
23.	कोनकन और गोवा	1698.4	+103.4	+6
24.	मध्य महाराष्ट्र	192.0	-68.6	-26
25.	मराठवाड़	191.8	-122.8	-39
26.	विदर्भ	318.7	-190.4	-37
27.	तटीय आन्ध्र प्रदेश	174.3	-67.1	-28
28.	तेलंगाना	256.8	-122.9	-32
29.	तेलासीमा	114.0	-61.0	-35
30.	तमिलनाडु और पांडेचेरी	105.0	+3.4	+3
31.	तटीय कर्नाटक	2263.9	+236.2	+12
32.	प्रत्यर्ती उत्तर कर्नाटक	175.3	-37.4	-17
33.	अन्तर्बर्ती दक्षिण कर्नाटक	134.2	-53.0	-28
34.	केरल	1067.5	-116.8	-10
35.	लक्ष्मीप	793.6	+142.0	+22

\*साप्ताहिक मौसम रिपोर्ट पर आधारित।

**2. अगस्त और सितम्बर, 1974 को वर्षा पर प्रभाव आलने वाली स्थितियां**

संसार के कई भागों के ऊपर पिछली मौसम स्थितियों पर आधारित अगस्त और सितम्बर की मानसून वर्षा का मध्य अतु पूर्वानुमान साधारणत अगस्त के शुरू में दिया जाता है और उससे हमें अगस्त और सितम्बर की अवधि में भारत की मध्य अतु वर्षा का कुछ कदर विस्तृत सीमाओं तक अनुभान लगाने में सहायता मिलती है। इन प्राणशक्तियों का 80 प्रतिशत के सांख्यिकीय परीक्षण से मफलता प्राप्त करने का लक्ष्य है, दूसरे शब्दों में उनका वर्षों की नम्बी कड़ी के औसत में पांच में से चार बार सही होने का लक्ष्य है। प्रयोग किये गये आंकड़े नीचे दिए गये हैं :—

**भारत**

**भारतीय दाढ़**

जुलाई 1974 में दाढ़ दक्षिण पश्चिम और पश्चिम भारत और आसाम में सामान्य रूप में सामान्य से नीचे था और शेष उत्तर पूर्व भारत और समीपवर्ती प्रायद्वीपीय क्षेत्रों में सामान्य से ऊपर था।

**दक्षिण अमरीका**

दाढ़ अन्तर्र निम्नांकित है :—

	ब्रूनोस ऐरिस	कोरडोबा	सान्तियागो
अप्रैल 1974	+ 3.6 मि० बा०	+ 1.5 मि० बा०	
जून 1974	- 2.4 मि० बा०	- 2.3 मि० बा०	+ 0.7 मि० बा०
जुलाई 1974	+ 0.8 मि० बा०	+ 0.7 मि० बा०	+ 1.7 मि० बा०

**षष्ठुवत् दाढ़**

दाढ़ मार्च से मई तक पोर्ट डार्विन पर 0.9 मि० बा० की न्यूनता से फरवरी और मार्च में सिवेलस पर 0.1 मि० बा० की अधिकता से और जनवरी से अप्रैल तक जकार्ता पर 0.8 मि० बा० की न्यूनता से था।

**3. सूचना से अनुमान**

प्रायद्वीप के लिए जिसमें महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, अन्तर्वर्ती उत्तर कर्नाटक, नेलंगाना और तटीय कर्नाटक (दक्षिण

**मानक दाढ़ सतह ऊंचाईयाँ**

(i) मार्च, 1974 की अवधि में 12 ग्रामस पर दिल्ली, जोधपुर और दलाहालाद के ऊपर 500 मि० बी० स्तर की मध्यमान ऊंचाई 5799 जी एम पी थी।

(ii) मार्च 1974 की अवधि में 12 ग्री० म० स० पर कलकत्ता के ऊपर 700 और 500 स्तरों के मध्य स्थूलता 2680 जी० पी० एम० थी।

**भारत गंगा नदी निर्वहण**

अप्रैल तथा मई 1974 की अवधि में कुल नदी निर्वहण का मध्यमान अन्तर 409 (100 क्यूसेक) की न्यूनता से था।

**मारिशस**

जुलाई 1974 में दाढ़ 1.2 मि० बा० की अधिकता से था।

**दक्षिण रूदीसिया**

अक्टूबर 1973 से अप्रैल 1974 तक वर्षा 304.5 मि० मी० की अधिकता से हुई।

कनारा को छोड़कर) सम्मिलित किये गये हैं, प्रयोग में लाये घटक इस प्रकार है :—

घटती हुई विश्वसनीयता के क्रम में दक्षिण अमरीका दाढ़, दक्षिण रूदीसिया वर्षा, मारिशस दाढ़ और 500 मि० बा० तक की मध्यमान ऊंचाई। इस वर्षे इन घटकों से दक्षिण रूदीसिया वर्षा और 500 मि० बा० तक की मध्यमान ऊंचाई दोनों ही अनुकूल हैं, दक्षिण अमरीका दाढ़ थोड़ा प्रतिकूल है जबकि मारिशस दाढ़ प्रतिकूल है। सांख्यिकीय विश्लेषण से पता लगता है कि चार से एक के

अनुपात से ऐसा संयोग है कि अगस्त तथा सितम्बर 1974 की अवधि में प्रायद्वीप में कुल वर्षा सामान्य से 98 प्रतिशत अधिक होगी।

**उत्तर पश्चिम भारत के लिए :**—जिसमें उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, चण्डीगढ़ तथा गजस्थान सम्मिलित हैं, प्रयोग में लाये गये घटक इस प्रकार है :—घटती हुई विश्वमनीयता के क्रम में अर्जेंटाइना दाढ़—मारिटस दाढ़, भारतीय दाढ़, भारत-गंगा नदी निर्वहण, विपुलत दाढ़ और कलकत्ता के ऊपर 700 और 500 मि० बा० स्तर के मध्य स्थूलता। इस वर्ष इन घटकों में से भारत-गंगा नदी निर्वहण और भारतीय दाढ़ दोनों ही बहुत अनुकूल है, 700 और 500 मि० बा० स्तरों के मध्य स्थूलता अल्परूप से अनुकूल है, विपुलत दाढ़ मध्यम है, जबकि मारिटस दाढ़ और अर्जेंटाइना दाढ़ दोनों ही बहुत प्रतिकूल हैं। मांझिकीय विष्लेषण से पता लगता है कि चार से एक के अनुपात से ऐसा संयोग है कि अगस्त और सितम्बर 1974 की अवधि में उत्तर-पश्चिम भारत में कुल वर्षा सामान्य से 110 प्रतिशत कम होगी।

#### 4. सारांश

अगस्त तथा सितम्बर 1974 की अवधि में प्रायद्वीप और उत्तर-पश्चिम भारत दोनों ही में कुल वर्षा के लगभग सामान्य होने की संभावना है।

पी० कोटेश्वरम्  
वैद्यशालाओं के महानिदेशक

#### केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तालिय

इलाहाबाद, दिनांक 19 सितम्बर 1974

सं० 116/1974—श्री हरिश्चन्द्र वर्मा, स्थायी कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ने, जो हमसे पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालिय के मुख्यालय, कानपुर में तैनात थे और जिनकी नियुक्ति अगला आदेश होने तक के लिए रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 के वेतनमान में प्रशासन अधिकारी, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के पद पर स्थानापन्थ तौर पर की गयी, 14-5-1974 (पूर्वाह्नि) को सीमा-शुल्क निवारक मंडल, गोरखपुर में प्रशासन अधिकारी, सीमाशुल्क, गोरखपुर के पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया। यह भी कि उन्होंने श्री हृदय राम, अधीक्षक, सीमाशुल्क अग्नी-दो को 15-5-1974 (पूर्वाह्नि) को प्रशासन अधिकारी के कार्यालय के ऊपर बताए गए अतिरिक्त कार्यभार से श्रीपचारिक रूप से मुक्त कर दिया।

दिनांक 20 सितम्बर 1974

सं० 117/1974—श्री ओंकार नाथ गुप्त, स्थानापन्थ अधीक्षक श्रेणी-II, जो इसके पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के मुख्यालय, इलाहाबाद में अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क-II के पद पर तैनात थे, 31-8-74 के अपराह्न में अपने कार्यभार से मुक्त हो गए और उक्त तारीख और ममत से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

एच० बी० दास

समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, इलाहाबाद

चण्डीगढ़, दिनांक 28 सितम्बर 1974

#### सिम्बंशी

क्र० सं० 290—श्री के० एल० बजाज, निरीक्षक (सलैक्शन-प्रेड), केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालिय, चण्डीगढ़ की नियुक्ति अधीक्षक श्रेणी-II, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के पद पर वेतन क्रमः रु० 650-30-740-35-810-द० बी०-880-40-1000-द० बी०-40-1200 पर अगले आदेश तक की गई है और उन्होंने अधीक्षक श्रेणी-II, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, अमृतसर के पद का कार्यभार, दिनांक 19-9-1974 के पूर्वाह्नि में ग्रहण कर लिया।

बी० के० सेठ

समाहर्ता

पटना, दिनांक 24 सितम्बर 1974

सं० 11(7) 1-स्था/70—इस कार्यालय के स्थापन आदेश सं० 274/1974 दिनांक 12-9-74 जिसके अनुसार श्री पी० एन० सिन्हा, कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 एवं नियमान्तर्गत प्राप्त भत्तों सहित के वेतनमान में अनंतिम रूप से प्रशासन अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद तथा

सीमा शुल्क, श्रेणी-II के रूप में नियुक्त हुए थे के अनुसरण में श्री पी० एन० सिन्हा ने प्रशासन अधिकारी (मुख्यालय) केन्द्रीय उत्पाद, पटना का कार्यभार दिनांक 16-9-74 के अपराह्न में ग्रहण किया।

हरि नारायण साहू  
समाहर्ता,

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, पटना

मद्रास-600034, दिनांक 31 अगस्त 1974

स० 11/3/43/74-संस्थापन—श्री सूरजबान सिह, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क निरीक्षक, मदुरै समाहर्ता-कार्यालय को अगला आदेश होने तक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क का स्थानापन्थ अधीक्षक, श्रेणी-II नियुक्त किया गया है और 25 जुलाई, 1974 के अपराह्न से कूनूर प्रभाग के मंजूर एम० ओ० आर० में तैनात किया गया है।

सी० चिदम्बरम्  
समाहर्ता

फराक्का बांध परियोजना  
दिनांक नवम्बर 1974

स० पी० एफ०-II/206—श्री के० एम० हाती, भारत सरकार सिंचार्द ग्रंथ विद्युत् मन्त्रालय, फराक्का बांध परियोजना में सहायक अधियन्ता (यांत्रिक/मैकनिकल) तदर्थं आधार पर दिनांक 20 मार्च 1974 के पूर्वाह्न में 31-12-74 तक की अवधि के लिए नियुक्त किये जाने हैं।

ह० अपठनीय  
महाप्रबन्धक  
फराक्का बांध परियोजना

उत्तर रेलवे

दिनांक 30 सितम्बर 1974

स० 19—उत्तर रेलवे पर मुख्य यांत्रिक इंजीनियर के वैयक्तिक सहायक श्री आर० एस० दत्ता 30-9-74 अपराह्न से रेल सेवा से सेवा-निवृत्त हो गए हैं।

सी० एस० परमेश्वरन  
महाप्रबन्धक

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय  
कम्पनी अधिनियम, 1956 और पेक पुर प्राइवेट लिमिटेड  
के विषय में

दिनांक नवम्बर 1974

स० 257/21/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पेक पुर प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नर्थ ईस्ट ट्रून्सपोर्ट एजेन्सी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

स० 25644/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि नर्थ ईस्ट ट्रून्सपोर्ट एजेन्सी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेन्ट्र ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड, के विषय में

स० 23302/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेन्ट्र ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956, और मेगानलाल जाभीर चन्द्र प्राइवेट लिमिटेड, के विषय में

स० 25924/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेगानलाल जाभीर चन्द्र प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कैलाश चन्द्रनवीन चन्द्र एण्ड क० प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

स० 25925/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कैलाश चन्द्र नवीन चन्द्र एण्ड, क० प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर के काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कन्यापुर मेसिन ट्रूस लिमिटेड के विषय में

स० 26537/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर कन्यापुर मेसिन ट्रूस लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एन० आर० सरकार  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार  
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम 1956 और पोलाक्षी ट्रेडिंग कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

दिनांक नवम्बर 1974

स० 2049/DN/74—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर पोलाक्षी ट्रेडिंग कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ह० अपठनीय  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 सितम्बर 1974

निम्नेण मं० IX/3/258/73-74—यत., मुझे के० धी० राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से अधिक है और जिसकी सं० 11ए०, कासा मेजर रोड, एधमोर मद्रास-8 है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी/किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जी० राम मनोहर, मद्रास-8। (अन्तरक)

(2) श्रीमती के० सुबाप्रदा के० शारा मिस के० शालिनि, मद्रास-8। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पंरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-8 एधमोर, कासा मेजर रोड, डोर सं० 11ए०, मे दो ग्राउण्ड और 2205 स्क्युयर फीट का भूमि और मकान में अभिन्न आधा भाग।

के० धी० राजन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-1, मद्रास।

तारीख : 30-9-74

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०————.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

नार्यालिय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 सितम्बर 1974

निदेश स० IX/3/246—यतः, मुझे के० बी० राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 11 और 12, कन्दप्प मुद्रिण स्ट्रीट है, जो मै स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1 फरवरी, 74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन घर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती कमला देवी, (2) श्री लन्चन्ड चार्डीय,  
3. श्री रंगराजन्ड चार्डीय, 4. श्री केलाइचन्ड चार्डीय  
और श्री प्रादकुमार चार्डीय (अन्तरक)
- (2) श्री पन्नालाल मुरना और श्रीमती पुष्णि वाय  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मद्रास सौकार पेट कन्दप्प मुद्रिण स्ट्रीट डोर स० 11 और 12 में 2042 36 स्क्युयर फीट का भूमि (मकान के साथ)।

के० बी० राजन,  
मक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 30-9-74

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत मरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 सितम्बर, 1974

निदेश सं० एस० 45/प्रार०-II/कलकत्ता/74-75—यतः,  
मुझे, आर० एल० बुटानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 57/2 है, जो डायमन्ड हारबर रोड, थाना,  
इकबालपुर, कलकत्ता में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुमूल्य में  
श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय  
डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार, 24 परशना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-2-1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती)  
के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हे भारतीय आद-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिवाजित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपष्ठारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अशीम चन्द्र दा,
- 12, शिवकृष्णा दानेन, कलकत्ता-7। (अन्तरक)

2. मेमसं लान्डस, हाउसिंग्स आन्ड डेवलोपमेंट कं०, 3 मैनो,  
लेन, कलकत्ता-1। (अन्तरिती)

3. (1) श्रीमती अरुणा रानी दा
- (2) श्रीमती अर्चना रानी दा
- (3) श्रीमती अरजन्ता रानी दत्ता
- (4) श्रीमती रानी दा

वह व्यक्ति/जिसके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हों, को सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों,  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सं० नं. 57/2, डायमन्ड हारबर रोड थाना इकबालपुर,  
कलकत्ता में स्थित 1 विधा, 1 छंटाक, 41 वर्ग फुट भेत्रफल का  
जमीन का, अभिवाजित पांच का एक हिस्सा।

आर० एल० बुटानी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता।

तारीख : 24-9-74

मोहर :

प्र० र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 अक्टूबर 1974

निदेश सं० IX/3/17/74-75—यतः, मुझे, के० वी० राजन सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, मद्रास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 4, कमान्डर इन चिफ रोड, एधमोर, मद्रास है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तब पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजनर्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही पूर्ण करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुमरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

3—316GI/74

(1) मै० रामकृष्ण कुलविन्तिराय स्टिल्स प्राइवेट लिमिटेड,  
मद्रास-1। (अन्तरक)

(2) श्री बलवन्त राय एधमोर, मद्रास। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही पूर्ण करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नन्मवांधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिमूचित किया जाना है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिमूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती दी रा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मद्रास-8, एधमोर, कमान्डर इन चिफ रोड, डोर सं० 4, में  
6 ग्राउस और 194 स्कुयर फीट का खाली भूमि।

के० वी० राजन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 4-10-1974

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम०————  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 अक्टूबर 1974

निवेश सं० XIX/22/9/73-74—यतः, मुझे, के० वी० राजन महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज I, मद्रास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कुर्तलिम मे० 5-22 एकड़ (गी० सर्वे सं० 2/1 वी० है, जो मे० स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेन्कासी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच सभी पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ३८८ न कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री ई० सिंह के० लिघम; 2. के० सिद्धरम, 3. के० शंकर, 4. के० नटेसन, इलंजी (अन्तरक)
- (2) मै० महुरा सौन डिङ्ड्या कार्पोरेशन (प्राइवेट) लिमिटेड  
मद्रास-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे० से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अंजन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे० किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियन्त किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभायित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तेन्कासि तालूका, कुर्तलिम गांव मे० 5-22 एकड़ का भूमि जिसका री० सर्वे सं० 2/1 वी० है।

के० वी० राजन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख : 4-10-74

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस० · · · · ·

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 अक्टूबर 1974

निदेश सं० XII/8/4/73-74—यतः, मुझे, के० वी० राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी मं० कोविलपट्टि, वार्ड मं० 14 में 5.48 एकड़ है, जो सर्वे सं० 623/7 और 623/8 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोविलपट्टि में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8 मार्च, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारंविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मे, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) सर्वेश्वी वी० बालकुमार शारूर बा० वेक्टेश्वर एटू० एट्या फरम। (अन्तरक)  
(2) श्री टी० पी० मुरुधन, टी० पी० सीनिवासधम और टी० पी० प्रकाशम, तत्त्वुकड़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ मुरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कोविलपट्टि, वार्ड सं० 14 में 5.48 एकड़ का खाली भूमि जिमका सर्वे सं० 623/7 और 623/8 है।

के० वी० राजन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज I,  
मद्रास।

तारीख: 4-10-1974

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर ३६८नियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की  
धारा २६९-घ (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक ४ अक्टूबर १९७४

निदेश सं० IX/3/251/74-75—यत्, मुझे के० वी० राजन, आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा २६९-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विशेषास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ४६, मुतुमारि शेट्रि स्ट्रीट मद्रास-१ है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन १६ फरवरी, १९७४ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्नित की गई है और मूँह यह विवाह करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उत्पत्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) या धन-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) के अध्याय २०-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्वाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा २६९-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा २६९-घ की उपधारा (१) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(१) सौत इन्डिया कार्पोरेशन (एजेन्सिस) प्राइवेट लिमिटेड, मद्रास। (अन्तरक)

(२) श्री बी० एम० अब्दुल सलाम, बुडमंजलम, तन्जावुर ज़िला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए सारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्वास्थ्योकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) के अध्याय २०-क में पश्चापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-१, मुतुमारि स्ट्रीट, डोर सं० ४६ में भूमि (मकान के साथ)।

के० वी० राजन,  
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज I,  
मद्रास।

तारीख : 4-10-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्रीमती मानिकम्माल, बेगलूर-20। (अन्तरक)

(2) अधवालिस और प्रसोशिणिट्स कन्स्ट्रक्शन कम्पनी  
मद्रास-1। (अन्तरिती)

\* भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,  
अर्जन रेज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 अक्टूबर 1974

निवेदन नं० IX/1/26/74-75—यत्, मुझे, के० बी० राजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी स० 34 पात्रियत रोड, एम्मोर, मद्रास है, जो  
मे स्थित है और इससे उपावड अनुमूली मे और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास  
मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 16 एप्रिल 1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से वम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो)  
के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व मे कभी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या निसी धन या अन्य आस्तियो  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दो मे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियो पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो मे मे  
किमी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबढ़ किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
मे किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेपो, यदि  
कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिम्मे देंगा आक्षेप किया है  
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती देने के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो  
की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो आयकर  
मे अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क मे यथापरिभायित हैं, यही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

ग्रनुसूची

मद्रास, एम्मोर, पन्तियन रोड डोर सं० 34, मे दो ग्राउण्ड और  
660 स्कुयर फीट का खाली भूमि जिम्मा 'लाट स० नीन है।

के० बी० राजन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 3-10-1974

मोहर .

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 अक्टूबर 1974

निवेश मं. XXI/15/34/74-75—यतः, मुझे के० बी० राजन, अर्जन रेज, कलकत्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 85, आर्कटि रोड, वेल्लूर है, जो मे मिथ्यत है (और इसमें उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, वेल्लूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और पतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बी० के० बिट्टल राव, वेल्लूर। (अन्तरक)

(2) श्री जी० वैद्यनात स्वामि, वेल्लूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहोस्ताक्षरी के पास लिखित में विए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वेल्लूर, आर्कटि रोड, डोर सं० 85 मे 1023 स्क्युर फीट का भूमि (मकान के साथ) ।

के० बी० राजन,  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, कलकत्ता।

तारीख : 4-10-74

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), का कार्यालय  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० बी० आई० आई० आई० / 17/28/73-74—यतः,  
मुझे, के० बी० राजन, आयकर अधिनियम 1961  
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम  
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी मं० तकलै गाव, कक्षुगिरि देसम में 3.78 एकड़म  
है, जो ..... में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनूसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कुश्तुकाल, केरला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन फिक्चरि 74 को  
पूर्खिक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीट्हृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्खिक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्खिक सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित  
किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सबरियासि मर्या श्रीकंजेल रितापुरम (अन्तरक)
2. श्री अल्लापिचै मेतीन कम्प्यु परीतु बावा, तक्कल मेट्टुकड़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्खिक सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्खिक व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी  
अन्य व्यक्तिं द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्खवर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनूसूची

कलकुलम, तकले गांव, कक्षुरिचि देसम में 3.78 एकर का  
भूमि जिमका सर्वे सं० 4207-ए०, 4198-ए० और बी०, 4213-  
ए० और बी०, 4215 ए०-1, ए०-2 और बी०; 4191-ए०,  
4205, 4206-ए०, बी० और सी० और 4208।

के० बी० राजन,  
मध्यम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास।

तारीख : 4-10-1974

मोहर :

प्रलृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बैंगलूर का कार्यालय  
बंगलूर, दिनांक 2 मिन्ह्वर 1974

निर्देश म ० सि० आर० 62/2138/73-74 ए० सी० क्य०  
(बी०)—यत्, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त  
(निरीक्षण) बैंगलूर आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है,

ग्रीष्म जिसकी म ० सैट न ० 77 प्लाट मे है, जो ननदीदुर्ग रोड  
श्राम, बैंगलूर मे स्थित है (ग्रीष्म इसमे उपाबन्ध अनुसूची मे  
ग्रीष्म पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय  
गान्धीनगर, दस्तावेज न ० 4780 बैंगलूर-9 मे भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-2-74  
को पूर्वेक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरको) और अन्तर्गती (अन्तर्गतियो) के बीच तय पाया  
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है .—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था,  
ठिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यत्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दो मे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुभरण मे, मैं, आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती क्रिस्टीना अनीता नयामरयाडो अवयस्क द्वारा  
समरक लेफ्टनेंट कोलोनेल ए० एफ०, लयामरथाडो, 23,  
मिलरस रोड, बैंगलूर-6 । (अन्तरक)

2 श्री ए० के० जवाहरलाल 16-डी०, ओरमस रोड,  
किलपाक, मद्रास (अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्त्वबद्धी व्यक्तियो पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
मे समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो मे  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे इतवाद  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित मे किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किये गये आक्षेप, यदि  
कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया  
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रथम शब्दो और पदो का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क मे यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा  
जो उस अध्याय मे दिया गया है ।

### अनुसूची

गुली जगह जिसकी सीमा पूर्व-पश्चिम 60 फीट और उत्तर-  
दक्षिण 58 फीट है और जो प्लाट न ० 77, ननदीदुर्ग रोड कास  
बैंगलूर मे स्थित है । (पुराना प्लाट न ० 20—ले और न ० 112  
बैंदरल्ली गाव जो अब प्लाट न ० 77 है) ।

दस्तावेज न ० 4708/8-2-74 ।

आर० कृष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख 2-9-1974

मोहर .

प्रैरुप श्राई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मराठार  
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक: 3 गिंतवर 1974

निर्देश सं० सि० आर० 62/2142/73-74 ए सी क्य० (बी०)—यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० खुली जगह प्लाट नं० 77 में है, जो ननदीदुर्ग रोड, क्राम, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण सूची में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा प्राधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैंगलूर दम्नावेज नं० 4731 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-2-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के शुनार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाथा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4—316GI/74

1. श्रीमती किस्टीना अनीता श्यासरथाडे अवयस्क द्वारा भमश्क का ग्रालवर्ट फानगिंग श्यासरथाडे 23, मिन्नरम गो०, बैंगलूर। (अन्तर्क)

2. श्री शशि कान्त सी० से थ, नं० जे० 33, अवन्यू रोड, क्राम, बैंगलूर-2 (अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील गे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

खुली जगह जिसकी सीमा उत्तर-दक्षिण 46 फीट पश्चिम की ओर, 68 फीट पूर्व की ओर, पूर्व-पश्चिम दक्षिण की ओर 48 फीट और उत्तर की ओर 75 फीट जो प्लाट नं० 77, ननदीदुर्ग रोड, क्राम, बैंगलूर में स्थित है (पुराना प्लाट नं० 20 जो नं० 112, वैदरन्ती में था और अब प्लाट नं० 77 है)।

दम्नावेज नं० 4731/11-2-1974।

आर० कृष्णमूर्ति,  
मक्षम प्राधिकारी.  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख 3-9-1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

ग्रजंत रेज, वैगलूर का कार्यालय

वैगलूर, दिनांक 3 निवाम 1974

निर्देश मं० गि० आर० 62/2144/73-74 पृ० सी० क्य०  
(बी०)—यह, मुन्ने, आर० शृण्मूलि, महायक आयकर आयुक्त  
(निरीक्षण), वैगलूर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ के अधीन गक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि गथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मं० खुली जगह जो घाट न० 77 है, जो ननदीद्वारा रोड, क्राम, वैगलूर में स्थित है, (ओर इसमें उपावढ अनुमूल्य में अंग पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गान्धीनगर, वैगलूर-9 से भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-2-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य उभे के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उभे के दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वार्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिनिवृत विषय गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कुमारी किसीना अनीता लयामर्थाडो अवयस्क द्वारा समरक्षक आलवर्द कानमामिस 23, मिल्लरग रोड, बैगलूर-1 ल्यामर्थाडो  
(अन्तरक)

2. श्री मुरेणनन्द सी० मेहता 5 प० हाल गोद, वैगलूर-5  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए एन्टद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्त्वांधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एन्टद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अंजन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सूनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एन्टद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्तियों को, जिसे पूर्ववर्तीपैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जगह जिसकी सीमा उत्तर-श्खिण 50 फीट, पूर्व पश्चिम 60 फीट र ओर जो घाट न० 77, ननदीद्वारे रोड, क्राम, वैगलूर में स्थित है। (पुराना घाट न० 20 जो ने ओर न० 112, बैदरली था जो अब लाट न० 77 है।)

दस्तावेज न० 4777/13-2-1974।

आर० शृण्मूलि,  
सक्षम प्राप्तिकारी,  
गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अधीन रेज, वैगलूर।

तारीख : 3-9-1974।

मोहर :

प्रस्तुत आद्वृत टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर, आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, वैगलूर का

वैगलूर, दिनांक 6 मित्रम् वर 1974

निर्देश स० सी० आर० 62/2176/74-75/ए सी ब्य०  
(बी०) —यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त  
(निरीक्षण) वैगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और रिग्मिका मतान न० 286/48 है, जो 11 काम, विलसन  
गार्डन, वैगलूर -27 मे निश्चित है (ग्रोर इमें उगाचड अनुसूची  
मे आंग पूर्ण रूप मे दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, जयनगर, वैगलूर-11 (दस्तावेज न० 3757) मे  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 23-2-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुमार अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी बारने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दो मे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6 श्री एन० एन० राघवेन्द्र, न० 179, III ब्लाक जयनगर  
वैगलूर-11  
(अन्तरक)

2 श्री मुहम्मद फ़स्क मेट न० 286/48, आम, विलसन  
गार्डन, वैगलूर-27  
(अन्तरिती)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे सचि रखता है (वह  
व्यक्ति जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
मे हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील मे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे  
किए जा सके।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हो, का सुनवाई के सिए तारीख और स्थान नियत  
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा  
आक्षेप किया है तथा राम्पति के अंतर्गति को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के निए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क मे वथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो  
उभ अध्याय मे दिया गया है।

### अनुसूची

मकान न० 286/48, XI काम, विलसन गार्डन, वैगलूर-27

पूर्व—पश्चिम : 80 फीट क्षेत्रफल 4800 वर्ग फीट

उत्तर—दक्षिण : 60 फीट

मीमा --कार्नेग सेट पश्चिम मे XI काम और० दक्षिण  
मे IV मैन रोड।

आर० कृष्णमूर्ति  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, वैगलूर

तारीख : 6-9-1974

मोहर।

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेज कार्यालय, बंगलूर का कार्यालय

तारीख 4-9-1974

निवेश सं० सि० आर० 62/2183/73-74/ACQ (B)—  
यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

बंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ल्यान्ड सर्वे नं० 12/4-ए। (पुराना नं० 79/1) मैन रोड, से बैट फील्ड, है, जो कें० आर० पुरम होण्की, बंगलूर सौट तालुक में स्थित है (और इससे उपान्द्र अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंगलूर सौट, दस्तावेज नं० 5008 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-2-74 को

पूर्वकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकृति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 21) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वकृति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) कें० रामस्वामी गव सपुत्र के० चिन्माजी राव नं० 149, नागरण पिल्लय स्ट्रीट, बैंगलूर-1 (अन्तरक)

(2) श्री जी० ए० गमथा रेड्डी सपुत्र लेट सिद्धा रेड्डी किसान, गांव गुनजूर, वर्गतूर होण्ळी, बैंगलूर सौट तालुक (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वकृति सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वकृति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

कृषि भूमि सर्वे नं० 12/4-ए (पुराना नं० 79/1) मैन रोड, बैट पील्ड, कें० आर० पुरम होण्की, बंगलूर सौत तालुक । सम्पत्ति की सीमा 4 एकड़ और खराब भग 5 गुनटे ।

दस्तावेज नं० 5008/25-2-74

आर० कृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेज बंगलूर ।

तारीख 4-9-1974

गोहर

प्रूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 सितम्बर 1974

निवेश सं० 151/ए० सी० क्य० 23-157/19-8/74-75  
यतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिस की सं० क्य० वाई० नं० 15 रे० स० नं० 9-बी, नवागाम और रे० सं० नं० 375 कतरगांव है, जो बगाला रोड, सूरत में स्थित है (और डस्टे उपान्न अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8 फरवरी 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री पेमुमल धनामल आस्थाजी (धनामल सिल्क मिल्स ) धोबी तलाव, मेटरो टाकीज के पास, बम्बई।  
(अन्तरक)

(2) प्रिसिपन आफिसर, धनामल सिल्क मिल्स प्रा० लि० धोबी तलाव, मेटरो टाकीज के पास बम्बई। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बांध काम सहित खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 28460 वर्ग गज है और जो बगाला रोड, सूरत म्य० वाई० नं० 15 में स्थित रे० स० नं० 9-बी नवागाम और रे० स० नं० 375 कतर ग्राम, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सूरत के फरवरी 1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 431 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 7-9-1974

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज कायलिय भुवनेश्वर

तारीख 7-9-1974

निर्देश सं० 13/74-75/1एसी (एशार) बीबीएस आर—  
यतः मुझे भि० एस० मुर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और और और जिस की सं० है, जो मौजा संहिले (नयाबजार) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कायलिय, जिला—सबरेजिष्ट्राइट, कटक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21 फरवरी 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आग्र मी बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे वचने के लिये सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिये सुकर बनाना ।

ओर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्री (1) श्रीनिवास धन्द्र दास
- (2) रविन्द्र नाय दास
- (3) सौरेन्द्र नाय दास

(4) श्वाम सुन्दर दास

(5) सिथार्य कंकर दास

(6) कुलगानी दास

(अन्तरक)

(2) श्रीमती स्नेहलता नानाक स्वामी-बमन्त कुमार नायक  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान कटक जिला का कंटिले मौजा (नयाबजार) में है। वह जमीन 21-2-74 तारीख में कटक जिला मन्त्ररेजिस्ट्राइट आफिस में रेजिस्ट्रार हुआ जिसकी डकूमेंट नॉ 1112 है।

मि० एस० मुर्ती,  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
गर्जन रेज भुवनेश्वर,

तारीख 7-9 1974

मोहर:

प्रस्तुग थाई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर कार्यालय

तारीख 25 सितम्बर 1974

निदेश म ० अमृतसर/खेमकरण/पी०—1250/71-75—

यतः मुझे डी० एम० गुना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 860 फरवरी 1974 लिखा है, जो गांव खेमकरण में स्थित है (और इस उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, खेमकरण से भारती रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, फरवरी को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण गे हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालय शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) हंस राज पुत्र शकर शाम, ब्राह्मण वामी खेमकरण (अन्तरक)

(2) प्रगट सिंह तरलोचन सिंह, राजामिह पुत्र प्रीनम सिंह, स्वर्णमिह, दियाब्राग मिह पुत्र गुरदीप मिह पुत्र अर्जन और वामी खेमकरण (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो गम्पति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह गम्पति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(ए) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में विए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत विए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसा व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 860 फरवरी 1974 की रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी खेमकरण में लिखा है।

डी० एम० गुना,  
सक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख 25 सितम्बर 1974  
मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269प- (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर श्रावक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 25 सितम्बर 1974

निर्देश सं० अमृतसर /जुलाई/पी-1252/74-75— यतः  
मुझे डी० एस० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269प- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीडूट विलेख नं० 10024 फरवरी 1974 लिखा है, जो गांव बुलंदपुर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, फरवरी को पूर्वाञ्चित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीडूट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अस्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाञ्चित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुद्ध करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प की उपधारा (1) के धीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्रीमती ईसो पुर्वी श्री भोला सिंह, वासी बुलंदपुर डाकखाना नूरपुर, पठानकोट रोड जालंधर, ग्राम कौला, डाक-

खाना (योला) ता० और जिला जालंधर

(अन्तरक)

(2) मनजीत मिह, रतन मिह, हरवस मिह, पुत्र म० भोला मिह वासी बुलंदपुर डाकखाना नूरपुर पठानकोट रोड, जालंधर

(अन्तरिती)

(3) जैमा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में भवि रखता है (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितमद्दृष्ट है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्दृष्ट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीडूट विलेख नं० 10024 फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,  
मक्षम प्राधिकारी  
महायकर आयकर श्रावक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 25 मिनम्बर 1974  
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन मूच्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 25 मितम्बर 1974

निर्देश सं० एएसआर/एपी-1251/74-75—यत् मद्द ई०  
एम० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सधार प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर ममति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की मं० भरनी का टाइग जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3951 फरवरी 1974 निखा है, तो मात्र गोड प्रमृतसर में स्थित है (और इसमें उचावृद्ध प्रत्यक्षी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत प्राधिकारी के बायकल, अमृतसर में आयोजित रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से दम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मूल्य यह विष्वास करने वा धारण है कि यथापूर्योक्त रामपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान इनियूल वा वर्द्धन प्रतिशत अधिक है शं० २ यह यि अन्तरण (ए०-क) और अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच तथा पाया गया ए०-भै अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से अस्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर आयिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर आयिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) नीमदी लखवीर सावनी पल्ली मतवंत मिह सावनी वामी वाम० घब 39, नारस रोड, अमृतसर और मरदार सोहन सिह पुत्र जबाहर सिह बाजार करमो नियोही अमृतसर । (अन्तरक)

(2) श्री किशन मिह पुत्र संना सिह मार्कं भैमर्ज टिप टाप डार्क तीर्त्स, गम वाग चौक, अमृतसर । (अन्तरिनी)

(3) जैपा कि न० 2पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है )

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र गे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूच्चना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे मे किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास नियित मे किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएं और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती की दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण :**—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है अनुसूची

धरनी का दक्षा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3951 फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, अमृतसर मे लिखा है ।

डी० एम० गुप्ता

सक्षम प्रधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 25 मितम्बर 1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० ए० न० एम०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
महायक आयकर आयवत (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 25 नितम्बर 1974

निवेश सं० ए०ए०आर०/बी०टी०डी०/एपी-1253/74-75.— यतः मुझे डी० ए०स०गुता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सधम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख न० 5922, फरवरी 1974 लिखा है, जो मिविल स्टेंशन, भटिडा में स्थित है (और हमसे उपबद्ध अनुसन्धी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1974 को पूर्वोदत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में बम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के निए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से कुई किसी आय की आदेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों से पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यवितयों अर्थात् :—

- (1) श्री हरसेवक मिह पुत्र श्री कर्णतार मिह, वासी भटिडा।

(2) श्री प्रजिदर मिह पुत्र श्री गुरुचरण मिह, वासी भटिडा।  
(अन्तर्गती)

- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो मम्पत्ति में सचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह मम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिये एनदब्ल्युआर कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि वा तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से त्रिभी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर राम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए गए सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर राम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में लिए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनबाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप दिया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की मुनबाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमती

भरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख न० 5922 फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिडा में लिखा है।

डॉ० एम० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयवत (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 25-9-1974  
मोहर .

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

महायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

ग्रजन रेज, अमृतमर

अमृतमर, दिनांक 25 मित्रवर 1974

निदेश मं० ए०ए०आर०पैपी-१२६१/७४-८५—यतः मुझे  
द्वौ० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है  
और जिस की म० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3256,  
फरवरी 1974 में लिखा है, जो मैं निभत है (ओर उसमें उपावदू  
श्रनुपूची में और पूर्ण स्थग में दर्जित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय पट्टी में भागीदार रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1974 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुमार अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने था कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय  
पाया गया, ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विश्वन मिह पुत्र पाल मिह कोट बुड़ा। (अन्तरक)

- (2) श्री कमल मिह, कावूल मिह, जामल मिह विजान मिह पुत्र स्वर्ण सिह, भौरा कटुआ। (अन्तरिती)
- (3) जैमा कि १० २ पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में नुच रखता है (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3256, फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पट्टी में लिखा है।

ठी० एस० गुप्ता,  
मक्षम प्रधिकारी,  
महायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण),  
ग्रजन रेज, अमृतसर

तारीख: 25-9-1974

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एस० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत राजकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर कार्यालय

तारीख 25 सितम्बर 1974

निदेश सं० अमृतगढ़/फगवाड़ा/पी०-1260/74-75—यतः  
मुझे ढी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पष्ट से अधिक है  
और जिस की सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूर विलेख नं० 2158  
फरवरी 1974 निखि० है, जो जी० ढी० रोड़, फगवाड़ा में स्थित  
है (और इसमें उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्री  
अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के  
अधीन फरवरी 1974 को पूर्वाचित सम्पत्ति  
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वा सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उन से बचने के लिए सुकर बनाना; और / या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किया गया है।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री वल्लभदर सिंह पुत्र श्री हरवंश सिंह मार्कंट भैसर्ज हरवंश सिंह, फगवाड़ा।
- (2) श्रीगती जसवंत कौर वामी खमरोपुर त० जालंधर (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है )
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है )।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

- (क) उस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील मे 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियन किए जाएंगे और उसकी मूल्यांकन हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तर्गती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2158 फरवरी 1974 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख 25 सितम्बर 1974

मोहर :

(जो नाम न हो उसे काट दीजिए)

प्र० आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, गहायां आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर  
अमृतसर दिनांक 25 मिनम्बर 1974

निदश स० प्रनूपसर/फगवाड़ा/एपी-1259/7 4-75—यत्  
मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का  
43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस  
की स० धर्ती जैसा कि रजिस्ट्रीड विलेख न० 2157 फरवरी  
1974 को लिखा है, जो जी० टी० रोड फगवाड़ा में स्थित है,  
(और इसमें उपात्रद्रव अनुमूल्य में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा से भारतीय रजिस्ट्रेशन  
अधिनियम, 1908 (190 वा 16) के अर्कान 1974, परवरी  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया  
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं बिया गया है :—

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री वलविद्वर सिंह, मनजीत सिंह, पुत्र हरवंस सिंह,  
फगवाड़ा । (अन्तरक)  
(2) अर्जीन सिंह पुत्र श्री अर्जीन सिंह, खमगापुर त० जान्धर  
(अन्तरिती)  
(3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह अवित जिसके अधिभोग में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है) ।  
(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हच्छि रखता हो (वह अवित  
जिसके बारे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितवद्व है) ।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्मन्दी व्यक्तियों पर सूचना  
यी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा—  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्व किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा  
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता विलेख न० 2157 फरवरी  
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

टी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 25 सितम्बर 1974

मोहर .

प्र० रूप आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख 25 सितम्बर 1974

निदेश स० अमृतसर/जालन्धर/एपी-1257/74-75—यह मुझे डी० एम० गुप्ता, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी म० फोटो जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख न० 9976 फरवरी 1974 लिखा है, जो 379 मास्टर मोटासिन नगर में स्थित है (और इसे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1974 को पूर्वाचित सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुमार अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वी सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिमी (अन्तरिमों) के बीच तय पाया गया ऐसे अंतरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-घ के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर, अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री आत्मा सिंह पुत्र श्री गगा सिंह मार्कन कृष्ण मिह वासी 379 मोटा मिह नगर, जालधर।
- (2) श्री किशन मिह पुत्र नारा मिह (सूम जिना होशियापुर) 379 मोटा मिह नगर, जालधर (अन्तरिमी)
- (3) जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसमें अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके द्वारा में अधोहस्ताक्षरी जानता है फि वह सम्पत्ति में हितवद है )।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लागे एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई है, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाचित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद की सी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति का जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति वे अन्तरिमी को दी जाएँगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयोग शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-घ में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फोटो न० 379 मोटा मिह नगर, जालधर जैसा कि रजिस्ट्री-कूट विलेख न० 9976 फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालधर में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण  
अर्जन रेज अमृतसर।

तारीख 25 सितम्बर 1974

मोहर

(जो लाग न हा उसे काट दीजिए।)

प्रख्य आई० टी० एन० एस०.....  
 ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269 घ (1) के अधीन सूचना  
 भारत मराठा  
 कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज, अमृतसर  
 अमृतसर, दिनांक 25 मितम्बर 1974

निवेदण स० ग्रामूतसर/जालंधर/एपी० 1258/74-75—यन्  
 मुझे डी० एन० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961  
 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन  
 मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
 मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी  
 म० कोटी जैगा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 9975  
 फरवरी 1974 विद्या है, जो 380 मोता मिह नगर, जालंधर  
 में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्पष्ट से वर्णित  
 है), रजिस्ट्रीकूर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय  
 रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
 1974, फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
 बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत  
 विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, गेमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
 प्रतिशत अधिक है और गह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया गेमे अन्तरण के लिए प्रति-  
 फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
 रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
 के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
 के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957  
 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
 नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
 के लिए सुकर बनाना।

और यह; आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
 के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यकारी शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम  
 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री ज्ञान सिंह पुष्प लैहना सिंह मार्फत श्री अमर मिह,  
 380 मोता मिह नगर, जालंधर।  
 (2) स्वर्ण कोर पत्नी अमर मिह 380 मोता मिह नगर,  
 जालंधर (अन्तरिती)  
 (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग  
 में अधोहस्ताक्षरी जानता है )  
 (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में सूचि रखता हो (वह व्यक्ति  
 जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
 में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 प्रतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
 की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
 किसी व्यक्ति द्वारा;  
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
 में किये जा सकेंगे।

प्रतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
 के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
 कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
 और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है  
 तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

प्रतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
 व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
 की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
 अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
 अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
 अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कोटी नं० 380 मोता सिंह नगर, जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीकूत  
 विलेख नं० 9975 फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकूर्ता अधिकारी,  
 जालंधर में भिजा है।

डी० एन० गुप्ता,  
 सक्षम प्राधिकारी,  
 सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
 अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 25 मितम्बर 1974

मोहर :

प्रॅल्प आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आद्यवत् (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 25 मितम्बर, 1974

निदेश सं० ए० प्र० एस० आर०/प्र० पी०-१२५४/७४-७५—यत्, मुझे, ई० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु. में अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विनेक नं० 3032 परवरी, 1974 लिखा है, जो गांव पट्टी में स्थित है (और इसे उपबद्ध अनुसूची में और पूरे रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकूर्ता अधिकारी के कार्यालय पट्टी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विनेक के अनुमार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उष्ट अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं;

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सुखदीप मिह, कुलदीप मिह, अमरीक मिह पुत्र श्री अजमेश गिह वामी पट्टो।

(अल्परक्त)

2. श्री वंशन्त मिह पूत्र मरेन विह वामी समरी मर्ती।  
(अन्तरिती)

3. जैमा फि नं० २ पर है।  
(वह छविका जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो मम्पनि में रवि रखता है।  
(वह शास्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरों जानता है फि वह मर्ती में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पनि के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस मूलनाम के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती रैंग के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मूले जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पृष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उग्र अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैमा फि रजिस्ट्रीकूत विनेक नं० 3032 परवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकूर्ता अधिकारी, राजी में लिखा है।

ई० एस० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आद्यवत् (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर  
तारीख: 25 मितम्बर, 1974  
मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

प्रज्ञन रेज-IV, कलकत्ता

दिनांक 13 सितम्बर 1974

निर्देश मं० ए० सी०-१०३/आर- /कल०/७४-७५—यतः  
मुझे आर्ज वर्गिस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भुनिसिपल हुन्डी सं० 194, 198 एवं 202 है, जो बि०टी० रोड, कलकत्ता-35 में स्थित है (और इससे उपांचाल अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार, काशीपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-२-१९७४ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अस: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपक्षारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

6—316 GI/74

1. मेसर्स जकारिया उसमान,  
4, राज मोहन स्ट्रीट,  
कलकत्ता-1  
(अन्तरक)
2. श्री उजागर सिंह,  
137, बि० टी० रोड,  
कलकत्ता-35  
(अन्तरिती)
3. गुरुदारा सिख संगत,  
डललप ड्रिज,  
कलकत्ता

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसन्धान

12 कठा निचू जमीन, खतियान सं० 344, 345 और 1299 से 1322 और 346 के आर० एस० दाग सं० 472, 473/2416, 474, 476, 468 के अंश, मौजा बनहुगली, थाना बराहनगर, जिला 24-परगना, भुनिसिपल हुन्डी सं० 194, 198, 202 बि० टी० रोड के अंश, कलकत्ता-35 जो अन्तरण विलेख में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं।

जार्ज वर्गिस  
सक्रम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रज्ञन रेज-IV, कलकत्ता

तारीख : 13-९-१९७४

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

दिनांक 13 सितम्बर 1974

निर्देश सं० ए० सी०-104/12-IV/कल०/74-75—यतः  
मुझे आर्ज वर्गिस आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन  
सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसमें म्युनिसिपल हून्डी सं० 194, 198 एवं 202 है,  
जो बि० टी० रोड, कलकत्ता-35 में स्थित है (और हमारे  
उपावश्यक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार, काशीपुर में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
25-2-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता  
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिमी (अन्तरिमियों) के बीच तथ्य पापा गया ऐसे अन्तरण के लिए  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961  
का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिमी द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अमिलिखित किए  
गए हैं।

अत अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मेसर्स जकारिया, उसमान,  
4, राजमोहन स्ट्रीट,  
कलकत्ता  
(अन्तरक)
2. श्री हरबंश सिंह,  
137, बी० टी० रोड,  
कलकत्ता-35  
(अन्तरिमी)
3. गुरुद्वारा मिख संगत,  
डनलप ब्रिज,  
कलकत्ता

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये  
जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिमी को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुमिली के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में प्रयोगरितापूर्वक है, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में विद्या गया है।

#### अनुसूची

13½ कठा, निचू जमीन, खतियान सं० 344, 345, 346  
और 1299 से 1322 के प्रार० एस० दाग सं० 476, 474, 472,  
473/24/6 के अंश, मौजा बनहुगली, थाना बराहनगर, जिला  
24-परगना, म्युनिसिपल हून्डी सं० 194, 198, 202  
बि० टी० रोड, के अंश कलकत्ता-35, जो अन्तरण विलेख में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है।

जार्ज वर्गिस  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-IV कलकत्ता

तारीख: 13-9-1974

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

दिनांक 13 सितम्बर 1974

निर्देश सं० ए० सी०-१०२/आर-IV/कल०/७४-७५—यतः  
मुझे जार्ज वर्गिस आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
जिसकी म्युनिसिपिल हुन्डी सं० 194, और 195 हैं,  
जो बिंदी० रोड, कलकत्ता-३५ में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय सब-रजिस्ट्रार, काशीपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-२-७४  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
ग्रन्तिग्रन्ति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
दृश्यमान प्रतिफल का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रफट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, हिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अधिलिखित  
किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुभरण में, मैं आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

1. मेसर्ज जकारिया उसमान एण्ड को०,  
4, राजमोहन स्ट्रीट,  
कलकत्ता-१  
(अन्तरक)
2. श्री काका सिंह,  
136, बिंदी० रोड,  
कलकत्ता-३५  
(अन्तरिती)
3. गुरुद्वारा सिख संगत,  
डनलप ब्रिज,  
कलकत्ता

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहीया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्त्वांकी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए  
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और म्यान  
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना ब्र ऐसे व्यक्ति को,  
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को  
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर  
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई  
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार  
होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

10½ कठु, निचु जमीन, खतियान सं० 344 और 1299 से  
1322 के आर० एस० दाग सं० 472, 473/2416, 468 के  
प्रांश, मौजा, बनहुगली, धाना बराहनगर, जिला 24-परगाना  
म्युनिसिपल, हुन्डी सं० 194 और 198, बिंदी० रोड, के अंश,  
कलकत्ता-३५, जो अन्तरण विलेख में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं।

जार्ज वर्गिस  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कलकत्ता

तारीख : 13-९-१९७४

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

दिनांक 18 सितम्बर, 1974

निर्देश सं० 186/एकुरो-III/ 4-75/हाव०—यतः, मुझे  
एल० के० बालसुब्रमनियन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 6 है, जो 'क्यू' रोड, थाना, लिलुया, जिला हावड़ा में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्राकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार, हावड़ा में भारतीय रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-2-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती अनिमारानी राय

‘बामी विवेकानन्द राय,

6 'क्यू' रोड,

थाना लिलुया, जिला हावड़ा

(प्रत्तरक)

2. श्री पुलीन बिहारी कोल्ले,

प्राम खेयरा,

थाना आमता, जिला हावड़ा

(प्रत्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

करीब 15 कट्टा, 14 छटांक 12.5 स्क्वायर फुट या 26 शतक जमीन और तालाब साथ उस पर प्रवस्थित दो तल्ला मकान और एक नलकूप जो पौर सं० 6 'क्यू' रोड, थाना, लिलुया, जिला हावड़ा पर प्रवस्थित है और दलिल सं० 358/2674 द्वारा सब-रजिस्ट्रार हावड़ा के साथ रजिस्ट्री हुआ।

एल० के० बालसुब्रमनियन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

तारीख 18-9-74

मोहरः

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 23 सितम्बर, 1974

सं० आर० ए० सी० 26/74-75—यतः मुझे, एस० बाल-  
सुश्रमनियम आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 15/71/1/1, रंगमंट है, जो वरंगल में स्थित है  
(और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वरंगल में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 13-2-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत  
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के  
लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना।

ओर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-व के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री यमुसानी कृष्णासूर्ति, मुपुत्र वाय० विश्वास भागीदार  
मेसर्स कम्लाकर टेक्सटायल्स,  
एस० वि० एन० रोड, वरंगल

(अन्तरक)

- (1) श्री गोगिनेनी सुब्बाराव, मैनेजिंग पार्टनर,  
मैसर्स भूमाता फॉटोलायजर्स, जे० पी० एन० रोड,  
वरंगल।
- (2) बन्डारू नरसिम्हा, सास्त्री, मैनेजर लक्ष्मी टाकीज  
जे० पी० एन० रोड, वरंगल।
- (3) लड्डी पल्ली बाबग्या, पुत्र श्रागग्या, भागीदार,  
मैसर्स मधुपल्ली, बीरला एण्ड कं० आबकारी  
ठेकेवार, एस० वि० एन० रोड, वरंगल।
- (4) श्रीमती बी० मारिया, रत्नम् पन्नी मथ्यास रेडी,  
म० न० 9-5-73, बन्डी बाजार, वरंगल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए  
एतद्वारा कायंवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है  
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को बी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-व में यथापरिभाषित हैं, वही  
भर्ये होंगे, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

**सम्पत्ति :—**—मकान न० 15/71/1/1 तथा लगी हुई खुली  
जगह जो चौहड़ी में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 4787 वर्ग गज  
जिसका बराबरी 4001.93 वर्ग मीटर है जो कृष्णा कला मंदिर  
के नजदीक रंगमंट, वरंगल में है।

एस० बालसुश्रमनियम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 23-9-74

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 21 सितम्बर 1974

यतः मुझे के० सुब्भाराव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० Asst. No. 8265 Survey No. 143/1, Ac. 1-38 cents.

है, जो मैं स्थित हू० (और

इससे उपाखण्ड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा० अधिकारी के कार्यालय, Masulipatnam में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15 फरवरी 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) Shri Muntha Nageswararao and Smt. Muntha Kasi Annapurna, w/o Nageswararao, Madras.

(अन्तरक)

(2) Smt. B. Laxmi Saraswati Devi, Gudiwada.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियम किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Krishna Dist.—Gudiwada Sub-Registration—Gudiwada Municipality—Survey No. 143/1—Ac. 1-38 cents—Asst. No. 8265.

#### BOUNDRIES

East : Tiruvur—Machilipatnam Road (50 yds.).

South : Site of Kambametti Ramabrahamam (24 yds.).

West : Municipal Road (40 yds.).

North : Lane (24 yds.)

K. SUBBARAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kakinada

Date : 21-9-1974

Seal :

प्रलूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 23 सितम्बर, 1974

सं० आर० ए० सी० 28/74/75—यतः मझे, एस० बाल सुब्रमण्यम्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सभम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 12-1-594 आसीफनगर है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-1, 1974

फो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती श्रशफुनिसा बेगम, पल्ली स्व० सुल्तान खुतबुद्दीन, 3-6-69, मशीर बाग, हैदराबाद।
  - (2) श्री सुल्तान नसीरदीन
  - (3) श्री सुल्तान रहीमुद्दीन
  - (4) लाईब्र सुल्तानना नं० 3-6-69 ब्रशीरबाग,
  - (5) विसर्खीस सुल्ताना हैदराबाद
  - (6) आतीख सुल्ताना (अन्तरक)
2. श्रीमती मारियम्बी पन्नी अब्दुस सत्तार, न० 12-1-594, आसीफनगर, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में प्रथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

**सम्पत्ति :**—न० 12-1-594, झेबा बाग के पीछे, कास रोड, सैयद मालीगूडा, आसीफनगर, हैदराबाद।

उत्तर : रास्ता

दक्षिण : पड़ीस के मकान

पूरब : 12-1-594, मकान का भाग।

पश्चिम : 12-1-580/4 पड़ीस का मकान

एस० बाल सुब्रमण्यम्

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 23-9-74

मोहर :

प्रूल्प आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

विनांक 23 सितम्बर, 1974

सं० आर० ए० सी० 27/74-75—यतः मुझे एस० बाल  
सुश्रमण्यम्

आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक  
है और जिसकी सं० 12-1-594 से 596 है, जो आसिफनगर में  
स्थित है (श्रीरहस्यमान उपायक अनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन

21-1-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
पह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ असारिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपरा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती अस्फुल्नीसा बेगम नं० 3-6-69, बशीरबाद।
- (2) श्री सुल्तान नसीरदीन, जर्मनी के निवासी जिसका  
मुख्तार नामादार, श्रीमती अस्फुल्नीसा बेगम  
नं० 3-6-69, बशीरबाद, हैदराबाद।
- (3) सुल्यान रहीमुद्दीन
- (4) लायीख सुल्ताना } नं० 3-6-69 स्काईलैण्ड
- (5) बिलखिस सुल्ताना } सिनेमा के सामने  
(6) अनीख सुल्ताना } बशीरबाद, हैदराबाद  
(अन्तरक)

- 2. श्री अब्दुल सत्तार, नं० 12-1-594, मैय्यद, श्रीलंगड।  
आसीफनगर, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैहस्ताकारी के घास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत  
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा  
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

**सम्पत्ति**—मलगिया और मोटर गरेज, जिनके नगर नं०  
नं० 12-1-594 से 12-1-596 जो झेबा बाग, क्रास रोड, मैय्यद  
अलीगूडा, आसीफनगर, हैदराबाद में स्थित है?

चौहड़ी से विरी है :—

- |        |   |
|--------|---|
| उत्तर  | : रास्ता ।                                |
| दक्षिण | : पड़ोस के खली जमीन तथा रास्ता ।          |
| पूर्व  | : दुकान और मकानात 12-1-597 और<br>12-1-598 |
| पश्चिम | : मकान 12-1-594 का भाग ।                  |

एस० बाल सुश्रमण्यम्  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 23-9-74

मोहर:

प्रलेप आई० टी० प० एन० ए० स० —————

१ मलिन कुमार पात्रा, ११७, विष्णुनन्द रोड, बंगलवृत्ता।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वार्षिक, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

दिनांक: ११ मितम्बर १९७१।

निर्देश स० प० मि० १०१/आर०-IV/कल०/७४-७५ —  
यत., मुझे जार्ज वर्गिम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, गहर विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रुपये से अधिक है और जिसकी खतियान म० ८७, ४९०, १०८१, १०८२ है, जो मौजा-आगरपाड़ा, थाना-खरदाल, जिला-२४ परगना मे स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है रजिस्टर्ड-करण अधिकारी के कायोलम रजिस्ट्रार आफ मिश्रोरम्मेस कलकत्ता मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन २ फरवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास बरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों मे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण मे, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—  
316GL/74-7

२ श्रोमर्ता मन्नानम काठर २० वि० टी० रोड, थाना-गाँधीपुर, कलवत्ता।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अन्तद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख मे ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे भास्ती होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किये गये आक्षेपों, यदि कोई हो, की सूनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को शी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती ऐरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने का अधिकार होगा।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

### अनुसूची

५ विधा ८ कठ्ठा २ २ छाक ९ स्कवयार किट जमीन, मौजा-आगरपाड़ा, थाना-खरदाल, जिला-२४ परगना, ख० स० ८७, ४९०, १०८१, १०८२, नौजि म० १५५, दाग म० १५५८, १५७१, १५९१ के अश्र और दाग म० १५७२ या जैसे के रजिस्ट्री-कृत विलेख से पूर्ण रूप मे वर्णित है।

जार्ज वर्गिम,  
मक्षम प्राधिकारी,  
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

तारीख ११ मितम्बर १९७४  
मोहर .

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

दिनांक: 11 सितम्बर 1974

निर्देश स० ए० सि०-९८/आर०-IV/कल०/७४-७५:—  
यतः मुझे, जार्ज वर्गिस आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी खतियान सं० 87,286, 490, 1081, 1082 है, जो, मौजा—आगरपाड़ा, थाना—खड़दाह, जिला-24 परगाणा में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ अमियोरेसेम, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2 फरवरी, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (प्रान्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा याया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मनिल कुमार पांजा, 117, विवेकानन्द रोड, कलकत्ता-1

2. जोध सिंग 20, बारकपुर ट्रॉक रोड, थाना—काशीपुर कलकत्ता।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया है।

### अनुसूची

8 बिंदा 5 कट्टा 5 छटाक 10 स्कोयार फिट जमीन मौजा—आगरपाड़ा, थाना खड़दाह, जिला-24 परगाणा, ख्व० सं० 87,286,490, 1081, 1082, तौजि सं०-155 दाग सं० 1558, 1559, 1571, 1572, 1573, 1574, 1575, 1591, जो रजिस्ट्रीकृत विलेख में पूर्ण रूप से वर्णित है।

जार्ज वर्गिस,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

तारीख : 11 सितम्बर 1974

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, 54 गफि अहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 11 सितम्बर 1974

निर्देश स० ए० मि०-७७/शार०-IV/कल०/७४-७५—  
यत्, मुझे जर्ज वर्गिस आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी खतियान म० 87,1081 है, जो मौजा-आजर-  
पाड़ा, थाना-खरदाह, जिला 24-परगणा मे स्थित है और इसमे  
उपावद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है रजिस्ट्रीवर्त्ती अधि-  
कारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ असियरिन्सेम, तलकंता मे  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 2 फरवरी, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए, प्रतिफल निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 1) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों मे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. सनिल कुमार पाजा 117, विवेकानन्द रोड, कलकत्ता-1  
(अन्तरक)

2. ईरवर मिंग, 20 बारकपुर ट्राक रोड, थाना-काशीपुर;  
कलकत्ता-1.  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से  
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
मे किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पंग के अधीन सूचना थी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण**.—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है ।

### अनुसूची

8 बिधा 6 कठा 12 छटाक जमीन, मौजा-आगरपाड़ा,  
थाना-खरदाह, जिला 24-परगणा, ख० स०-87, 1081,  
तौजि स०-155, दाग स० 1573, 1574 और दाग स०-1,  
1571, 1591, के अण या जैसे के रजिस्ट्रीकृत विलेख मे पूर्ण  
रूप से वर्णित हैं ।

जर्ज वर्गिस,  
मक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-IV, कलकत्ता-1.

तारीख 11 सितम्बर, 1974

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, 54 रफिअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 11 मितम्बर 1974

निर्देश सं० ८० मि०-१००/आर०-IV, न०/७४-७५  
यत्, मुझे, जर्ज वर्गिस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसकी खतियान सं० 286, 490, 1081 हैं, जैसे भौजा-आगरपाड़ा, थाना-खरदाह, जिला-२५-परगणा में स्थित हैं और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के द्वारा लिया रजिस्ट्रार आफ अभियोगनेम, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन २ फरवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुमार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए गुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के गव्हर्नर में पूर्वोक्त गमति के अर्जन के लिए कार्यान्वयी शुरू करने के कारण भैरों द्वारा अभिनिवित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्जतः—

1. मलिल कुमार पांजा, 117, विवेकानन्द रोड, कलकत्ता-1 (अन्तरक)

2. श्रीमति राज काउर, 20 बारकपुर ट्रॉक रोड, थाना-काशीपुर, कलकत्ता-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रसि आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील मे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उमकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप दिया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के ममय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

5 विधा 1 कंट्रा 12 छटाक 3 म्कोयार फिट जमीन, भौजा-आगरपाड़ा, थाना-खरदाह, जिला 24-परगणा, खं. सं० 286 490, 1081, नौजि सं० 155, दाग सं० 1559, और दाग सं० 1558, 1571 के अश या जैमे के रजिस्ट्रीकृत विलेख में पूर्ण रूप में वर्णित हैं।

जर्ज वर्गिस,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-1.

तारा य 11 मितम्बर, 1974  
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एम०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 मिन्हवर 1974

निर्देश स० अर्जन /76/आगरा/73-74/1692 :—यत्,  
मूले, वाई० खोखर आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधि-  
कारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी म० 3/22 है जो मिविल लाईन, आगरा में स्थित  
है (और हमें उपावढ़ अन्सूची में और पुर्ण स्पष्ट भेजित है),  
रजिस्ट्रीबर्ना अधिकारी के नायालय, आगरा में भारतीय रजिस्ट्रा-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन 22 फरवरी,  
1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीड्रूत विनेख  
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरव (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तर्गतियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के निए प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक स्पष्ट से  
कथित नहीं किया गया है—

(वा) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने  
के अन्तरको के दायित्व में कमी बरने या उससे बचने के  
लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के निए सुकर बनाना।

और यत्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-का के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही पूर्ण बरने के कारण भेरे द्वारा ग्रभितिक्षित किए गए  
हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुमरण में, आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री अनिल दत्त शर्मा, अर्गविन्द दत्त शर्मा, अश्वनी कुमार  
उर्फ अश्वनी दत्त शर्मा पुत्रगण दत्त दत्त शर्मा, निवासी गण न्यू  
रोड आगरा।  
(अन्तरक)

2. मैमस नटराज मोटर्स प्राइवेट लिंग भा० रामफल,  
न्यारी रजिस्टर्ड आफिम नटराज मिनेमा विलिंग मोटोर्स  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन भी अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है  
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैग के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए ध्येयकार होंगा।

**स्पष्टीकरण:**—दूसरे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-का में यथापरिभाषित है, वही  
प्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक बीला लाठ नाप 1,350 वर्ग गज कोठी नवम्बर, 88  
नया नवम्बर, 3/22 मिविल लाईन, आगरा में स्थित है जो कि 43-  
200/- रुपये में हस्तांतरित किया गया।

वाई० खोखर,  
मक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 9 मिन्हवर, 1974  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 सितम्बर 1974

निर्देश सं० 66/अर्जन/आगरा/73-74/11691:— यन्, मुझे, वाई० खोखर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपय से अधिक है और जिसकी म० 32/11 है, जो हकीम गली आगरा में स्थित है (और इसमें उपादान अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नी अधिकारी के कार्यालय, आगरा में भाग्नीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18 फरवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से रक्त अन्तरण लिखित में वारतविक है से क्वित नहीं किया गया है। —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनिवित किए गए हैं।

अतः अब, ध्वाग 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यवितयों, अर्थात्:—

1. श्री बद्धीभल पुत्र परसू मल निं० काजी गली आगरा (अन्तरक)

2 श्री भग चन्द पुत्र बद्धन मल निं० काजी गली आगरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति, इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक मकान तिमजिला स्थित हकीम गली आगरा, जिसका न० 32/11 तथा क्षे० ० फ० 220 वर्ग गज है इसका हस्तांतरण 42,500/- रु० में किया गया।

वाई० खोखर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 9 सितम्बर 1974

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मंत्रालय

महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण का कार्यालय,

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 सितम्बर, 1974

निर्देश मं० अर्जन/64/74-74/1695—यतः, मुझे,  
बाई० खोखर आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० खाता नं० 39 है, जो गोपाल पुरा, आगरा में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुभूति में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17 फरवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भीकम चन्द शर्मा पुनर मिठून लाल शर्मा नि० गोपाल-पुरा उर्फ गढ़ी भदोरिया तह० आगरा। (अन्तरक)

2. पाण्डुल नगर गृह निर्माण सहकारी-समिति नि० आगरा द्वारा प्रेसीडेन्ट लक्ष्मीनारायण प्रश्नोक्त पुनर श्री केदार नाथ अग्रवाल नि० नेहमनगर, आगरा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खाता नं० 38, रकवड़, 12 बीघा 16 विस्वा का 1/3 भाग स्थित गोपाल पुरा, जि० आगरा इसका हस्तान्तरण 1,06,666 रु० 66 पैसे में हुआ।

बाई० खोखर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख 10 सितम्बर, 1974

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० प्र०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज चार, बम्बई

पूना-411004, दिनांक 13 सितम्बर 1974

निर्देश सं० मी० १०-५/बव० (थाना)/फेड्रुआरी/७४/१३५/  
७४-७५ :—यत्, मुझे, जी० कृष्णन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० लाट नं० बी०-७४ और मकान है, जो थाना  
इडम्ट्रीयल स्टेट, पंचपाखड़ी, थाना में स्थित है (और इसमें  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना  
प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8 फरवरी, 1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुमार अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया  
ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में धार्यालय रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरसुख लाल त्रिभोवन जगानी

(बी) श्री नाभशंकर त्रिभोवन जगानी

(सी०) श्री हरी प्रसाद त्रिभोवन जगानी

(डी०) श्री सुखलाल मनमुखलाल मेहता,

द्वारा—श्री मयर इंडस्ट्रीज 32 मोर्डी हाउस, 28-30  
गोवा स्ट्रीट, बैलाई इंस्टेट, बम्बई-1

(अन्तरक)

(ए०) श्री शोरी लाल कपूर

(बी) श्री राजकुमार आंड्रे कपूर

द्वारा —वालिंगटन्स एक्सपोर्ट्स, नाजमहाल हाईल, बम्बई  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
भमात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित विया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएं और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

लीज होलड जमीन और इसके ऊपर का मकान—प्लाट नं०  
बी०-७४, थाना इंडस्ट्रीयल स्टेट, पंचपाखड़ी, तालुका और रजिस्ट्रेशन सब-डिस्ट्रीक्ट थाना, जिलाह—थाना में स्थित है। जिसका  
क्षेत्रफल करीब 2508 वर्ग मीटर है, जो निम्न प्रकार से  
स्थित है :—

उत्तर के तरफ—एम० श्राय० डी० सी० रोड,

दक्षिण के तरफ—राखवि धेव

पूर्व के तरफ—प्लाट नं० बी०-७३ और

पश्चिम के तरफ—प्लाट नं० बी०-७५

जी० कृष्णन,

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

तारीख : 13 सितम्बर, 1974

अर्जन रेज, पूना

मोहर।

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 22 अगस्त, 1974

निदेश म० सि० आर० 62/2178/73-74/ प० सी०  
क्य० (बी०) :—यतः, मुझे आर० कृष्णमूर्ति, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), बैंगलूर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसकी सं० 14 ग्र० है, जो 27 आम, IV ब्लाक, जयनगर, बैंगलूर-11 में स्थित है (आर० इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जयनगर, बैंगलूर -11 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25 फरवरी, 1974

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुमान अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का, पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

316GI/74-8

1. श्रीमती सोनटी मानिक्यम w/o लेट सोमनाथ शर्मा  
14 प०, 27 क्रास (अन्तरक)

2. श्री पी० वालकृष्ण, नं० 14 प०, 27 क्रास, IV ब्लाक,  
जयनगर, बैंगलूर-11 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्त्रवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह श्रियसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुन्त्र जाने के लिए प्रधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सैट ग्रौर मकान नं० 14 प०, 27 क्रास, IV, ब्लाक जयनगर, बैंगलूर-11

शेत्रफल 5850 वर्ग फीट  
दमावेज नं० 3775 दिनांक 25-2-74

आर० कृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख: 22 अगस्त 1974

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 22 अगस्त, 1974

निदेश सी० मि० आर० 62/2122/73-74/ ए० सी०  
क्य० (बी०) /—यतः, मुझे आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर  
आयुक्त (निरीक्षण) बैंगलूर-27

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3/30 है, जो I श्राम, न्य० क्लासिपालयम  
एक्सटेनशन (ल० औट) बैंगलूर-2 (कार्पोरेशन डिवीजन  
नं० 30), मे॒ स्थित है (और इसमे॒ उपावड्ड अनुसूची मे॒ और पूर्ण  
रूप मे॒ वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवन्त-  
गुडि, बैंगलूर-4 मे॒ भागीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 7 फरवरी, 1974 को पूर्वोक्त  
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल  
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया  
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित मे॒ वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व मे॒ कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों मे॒ पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे॒ मैं आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री डी० मुनियाबप्पा, गुरुणना पालया बैंगलूर सौत  
तालुक

2. श्री टी० रहिमुला खान S/o टिप्पु खान नं० 2, पुनग-  
तूर राम्या ब्लैन दिग्नार्ग-पेट बैंगलूर-2  
(अन्तरिती)

3. (1) इनटरवेस ट्रान्सपोर्ट कम्पनी  
(2) बस्बई फट्ट क्यारियर (वह व्यक्ति जिसके  
अधिभोग मे॒ मंपनि है),

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे॒ प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद मे॒ समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों मे॒ से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे॒ प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे॒ हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित मे॒ किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे॒ किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया  
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमे॒ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क मे॒ यथापरिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे॒ दिया गया  
है।

#### अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 3/30, I श्राम, न्य० क्लासिपालयम  
ने० औट, बैंगलूर-2 (कार्पोरेशन डिवीजन नं० 30)  
सीमा :—

पूर्व : सम्पत्ति नं० 4 पश्चिम : सम्पत्ति नं० 7

उत्तर : रास्ता दक्षिण : सम्पत्ति नं० 20

धोवफल :— पूर्व, पश्चिम 40 फीट,  
उत्तर दक्षिण 72' + 80'

2

दो मनजिले वानी दमारत

दम्तानेज नं० 4092/7-2-1974

आर० कृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 22 अगस्त, 1974

अर्जेन रेंज, बैंगलूर.  
मोहर :

प्रख्यात आई० टी० एन० एस० . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, बैंगलूर

तारीख 22-8-1974

निदेश मं० सि० आर० 62/2167/73-71-एक्य० (बी)---  
यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 15 (एक मात्र) पुराना नं० ४, केमिन्डिंज रोड,  
अलसूर, बैंगलूर-८ में स्थित है (श्रीरामसेन उपाधी अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
शिवाजीनगर, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 23-2-1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० एस० धिलन नं० 57, मिल्लर रोड, बैंगलूर-6।

(अन्तरक)

2. श्रीमती आर० वसन्ता पत्नी श्री डॉ राजाराम नं० 15

(पुराना नं० ८) केमिन्डिंज रोड, अलसूर बैंगलूर-८।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुनें जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

नं० 15 (एक भाग) (पुराना नं० ८) केमिन्डिंज रोड, अलसूर, बैंगलूर-८।

पूर्व : 26½ फीट

पश्चिम : 26½ फीट

उत्तर : 45 फीट

दक्षिण : 45 फीट

क्षेत्रफल 2385 वर्ग फीट

दस्तावेज नं० 3932/23-2-74।

आर० कृष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
श्रजन रेंज, बैंगलूर।

तारीख : 22-8-1974

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख 22-8-1974

निदेश स ० मि० आर० 62/2137/73-74/एक्यू० (बी)---  
यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
बैंगलूर आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) की धारा 269वा के  
अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी स ० मैट न ० 462 है, जो राजमहल विकास एक्स-  
टेशन बैंगलूर में स्थित है (श्री इसमें उपाबद्ध अनुभूति में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी-  
नगर बैंगलूर-१ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 5-2-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के  
लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण  
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के एव्वदो में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित  
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्री एम० बी० बेकटप्पा, बी०ग०, बी०सी० (एम०एल०  
सी०) सुयुव बेकटगमया गाँडा, नं० 58, IV मैन 18 आम,  
मल्लेश्वरम, बैंगलूर-३। (अन्तरक)

2 श्रीमनी धर्मा सोमसेखर पत्नी के० एम० सोमसेखर  
“कमला निवास” रवीन्द्र नगर, हासन। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति हम सूचना के उत्तर में किए गए  
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान  
नियन्त किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,  
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को  
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर  
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई  
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ  
होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जगह न ० 462, राजमहल विकास एक्स-टेशन, बैंगलूर,  
जगह की सीमा 3000 वर्ग फीट)

दस्तावेज न ० 4641/5-2-1974

आर० कृष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बैंगलूर।

तारीख 22-8-1974

मोहर

प्ररूप आई० टी० एत० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैगलूर

तारीख 28-8-1974

निर्देश म० सि० आर० 62/2148/73-74-एक्य० (बी)---  
यह मुझे आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण, बैगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसको म० 32 (पुराना न० 28) केतमार्गनहल्ली 1 ब्लाक राजाजीनगर, बैगलूर-10 मैं स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची मैं और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर, बैगलूर मैं भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-2-1974 को पूर्ववित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्ववित सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया रैमें अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उद्धत अन्तरण लिखित मैं वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण में हुई विसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्ववित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्रीमती जी० भाग्या मुपुत्री गगाधर मुदलियार न० सि० 53, मैन रोड, कब्रनपेट, बैगलूर-2। (अन्तरक)

- 2 श्रीमती लक्ष्ममा पत्नी सानडप्पा, न० 70, 1 मैन रोड,  
1 ब्लाक, राजाजीनगर, बैगलूर-10। (अन्तरिती)  
(1) श्री आर० जी० गुडि  
(2) श्री बी० पिल्लप्पा  
(3) श्री जे० एम० फरनानडेम  
(4) श्री बी० चिन्नप्पा

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय गुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दो मजिला मकान न० 32 (पुराना न० 28) केतमार्गनहल्ली, 1 ब्लाक, राजाजीनगर, बैगलूर-10।

पू० ५० २३ फीट

उ० द० ३० फीट

ध्वनफल ६९० वर्गफीट

मकान का क्षेत्रफल ग्राउंड फ्लोर ६ स्क्वायर

१ फ्लोर ६ स्क्वायर।

सीमा :—

पूर्व सरकारी रास्ता

पश्चिम . एम० हनुमया का घर

उत्तर : सरकारी रास्ता

दक्षिण लेन और छोड़रगप्पा का घर।

दस्तावेज न० 4370/6-2-74

आर० कृष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख 28-8-74

अर्जन रेज- बैगलूर।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, तारीख 22-8-1974

निकेश मं० सि० आर० 62/2329/73-74-एक्य० (बी)---  
यतः, मुझे, आर० कृष्णमृति सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
बैंगलूर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी स० मैट नं० 18/2-2 है, जो 13 ए० ऋस, II ब्लाक  
जयनगर, बैंगलूर-11 में स्थित है, (श्रीर इसमें उपावक्ता अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बसवनगुडि, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 28-2-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ह्रौदि किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती डा० चिन्ममा चेण्णिन पत्नी अल्लमोहिल मथापूर्व चरियन, नं० 28, लयानो रोड, सिंगपूर-19। (अन्तरक)

2. श्रीमती मुख्मतारनामी श्री एम० डी० म्याथुस सुपुत्र एम० एम० ड्यानियल नं० 76, 7 कास, विलसन गार्डन, बैंगलूर-27। (अन्तरिती)

3. श्रीमती पोश्ममा अम्मी बेनजमिन पत्नी अल्लमोहिल, मथाय बेनजमिन, नं० 107, थामसन रिडज, सिंगपूर-20।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सैट नं० 18/2-2, 13 ए० ऋस, II ब्लाक जयनगर,  
बैंगलूर-11।

पू० प० 134 फीट

उ० द० 75 फीट

धोनफल 10087. 5 वर्ग फीट

दस्तावेज नं० 4498/28-2-74

‘आर० कृष्णमृति  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर।

तारीख 22-8-74।

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत भरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेज

बैंगलूर, दिनांक 22 अगस्त 1974

निर्देश मं० सि० आर० 62/2145/73-74-एक्य० (बी)---

यतः, मुझे आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बैंगलूर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ₹ से अधिक है और जिसकी मा० 13 और 13/1 है, जो तनकसाला नारायण मेंट्री लेन, अवेन्यू रोड, क्रास, बैंगलूर-2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बैंगलूर में भारतीय नियिकारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-2-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूस्थमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूस्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यस: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपन्नारा

1. श्री सी एस० एल० गुप्ता, ना० 226, तेशनल है स्कूल रोड, वी० वी० पुरम, बैंगलूर-4। (अन्तरक)

2. मै० शनकर एन्टरप्रैमेस ना० 112, अवेन्यू रोड, बैंगलूर-2।

(अन्तरिती)

3. (1) मै० गनडे अंड कम्पनी

(2) मै० जी० के० गुप्ता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति ना० 13 और 13/1 तनकसाला नारायण मेंट्री लेन, अवेन्यू रोड, क्रास, बैंगलूर-2।

पू० प० 64 फीट

उ० द० 24 फीट

क्षेत्रफल 1418 वर्ग फीट

दस्तावेज ना० 4791 dt. 13-2-74।

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर।

तारीख 22-8-1974

मोहर

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

बैंगलूर, दिनांक 22 अगस्त 1974

निर्देश सं० सी० आर० 62/2179/73-74/एक्य०  
(बी०) —पतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), बैंगलूर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मैट नं० 46 है, जो 15 आम, 8 और 9 मैनस के बीच में III ब्लाक जयनगर बैंगलूर-II में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) गजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयनगर बैंगलूर-II में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-2-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुभार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के तारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री आर० नागराजन सुपुत्र लेट के० गम मूर्ति जे० 115, II काम, लक्ष्मीनारायणपुरम बैंगलूर-21 (अन्तरक)

2. श्री एम० आर० आर० मेट्री उर्फ एम० आर० रामानन्दनेय मेट्री सुपुत्र गमसुब्र मेट्री नं० 433, III ब्लाक जयनगर बैंगलूर-II। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचमा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में घासापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जगह नं० 46, 15 आम 8 और 9 मैनस के बीच में III ब्लाक जयनगर, बैंगलूर-II।

पूर्व-पश्चिम—80 फीट।

उत्तर-दक्षिण—120 फीट।

क्षेत्रफल 9600 वर्ग फीट और 4 स्क्वायर का मकान दस्तावेज नं० 3492/1-2-1974।

ग्राम० कृष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर।

तारीख : 22-8-1974

मोहर :

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, बैंगलूर

दिनांक 22 अगस्त, 1974

निर्देश सं० सी० आर० 62/2121/73-74/पक्ष० (बी०) —

यतः मुझे आर० कृष्णामूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बैंगलूर-27, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० 28/1 और 29/21 आलबर्ट विकटर रोड, फोर्ट 'एफ' स्ट्रीट कालासिपालयम, बैंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडि, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-2-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सी० एम० हबीबुल्ला खान पुत्र श्री सी० एम० इनायत खान, टिमबर व्यापारी 28/1, मेडिकल कालेज इस्ट गेम रोड कलासिपाल्यम, बैंगलूर।  
(अन्तरक)

2. (1) श्री एम० एम० शिवानन्दा, माझरन ट्रावल्स, मैसूर  
(2) एम० एम० हेमशतकर (3) एम० एस० पलाक्षण पुत्र श्री एम० एस० शिवानन्दा "सत्वनिलया", शनकरमन रोड, मैसूर-4 (अन्तरिती)

3. श्री एम० सत्यनाथन (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहीयां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सनाधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 28/1 और 29/21 आलबर्ट विकटर रोड फोर्ट 'एफ' स्ट्रीट, कलासिपालयम, बैंगलूर।

पूर्व-पश्चिम—40'

उत्तर-वक्षिण— $\frac{86' + 90'}{2}$

क्षेत्रफल 2520 वर्ग फीट।

पूर्व—सज्जन राव की सम्पत्ति।

पश्चिम—अन्तरक की सम्पत्ति का एक भाग।

उत्तर—आलबर्ट विकटर रोड।

दक्षिण—सी० एम० कलीमुल्ला खान की सम्पत्ति।

दस्तावेज नं० 4088/7-2-74।

प्रार० कृष्णामूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 22-8-1974।

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 25 जून, 1974

निर्देश नं. ग-7/74(3) ८/७४—यतः मुझे वी० पी०  
मित्तन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन गश्तम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/-रुपये में अधिक है

श्रीर जिसकी मालया द्वायि भूमि है जो बारोट में स्थित है (श्रीर  
इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय अलवर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 फरवरी 18  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यभान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मृद्दे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान  
प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्वय प्रतिशत अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया गेंगे में अन्तरण के लिए  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निखित में  
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिनिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपर्याप्त :—

1. श्री रघुवीर मिह पुन श्री मोहनलाल निं. लोहियापाड़ी,  
अलवर। (अन्तरक)

2. (1) श्री बाबू लाल पुन श्री गमनिवाम महाजन,  
खैरथल तहसील किशनगढ़ जिला अलवर।

2. श्री कुंदनलाल पुन श्री तीरथराम महाजन कागवाड़ा,  
तहसील कागवाड़ा जिला कपूरथला (पंजाब)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर मूल्यना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि, बाद में  
ममात्र होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई  
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और  
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा  
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

25 बीघा कृषि भूमि, खसरा नं. 2 जोकि ग्राम झारेडा,  
तहसील रामगढ़ जिला अलवर में स्थित है। जमीन अलवर-  
दिल्ली रोड पर न्यू इण्डस्ट्रियल एरिया अलवर की परिधि के  
बिल्कुल पास है।

वी० पी० मित्तन,  
मक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 25-6-1974

मोहर :

प्रस्तुप शाई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर  
जयपुर, दिनांक 25 जून 1974

निवेद सं० ए०-७/७४ (३) ४/७३—यह: मुझे बी० पी०  
मित्रल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष के अधीन संकेत प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० शृंखला भूमि है जो ज्ञारोटा में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय अलवर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 18 फरवरी 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विवेद के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच सब पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उम्मत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य प्राप्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन :—

1. श्री रघुनाथ सिंह पुत्र श्री मोहनलाल निवासी मोहनला लोहियापाड़ी, अलवर। (प्रन्तरक)

2. श्री विजयकुमार पुत्र श्री निरंजनलाल महाजन निवासी पुराना बर्फखाना अलवर। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती वैग के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

26 बीचा अधि भूमि घ्रसग नं० 2/273 जो कि ग्राम लारेटा, नहसीन रामगढ़ जिला अलवर में स्थित है। अधीन ग्रन्वर-दिल्ली सड़क पर न्यू इंडिस्ट्रियल एरिया अलवर के पर्याधि के नजदीक है।

वी० पी० मित्तन,  
मक्तम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 25-6-1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,  
ग्रन्जम रेंज-III, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 जून 1974

निवेश सं० जै०-३/७४ (३) १५/६—यह: मुझे बी० पी०  
मिस्त्र आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) की धारा 269 ख के अधीन सूचना प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी संख्या खुली जमीन है जो जयपुर में स्थित है (और  
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्री-  
फर्म अधिकारी के कार्यालय जयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीफर्मण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 12 फरवरी  
1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीफर्म विलेख के अनुसार अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्थ में कभी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या भन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित  
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ  
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रत्नदास गुप्ता पुत्र गोरखनदास गुप्ता। 2. श्री  
अविनाश अग्रवाल पुत्र श्री रत्नदास गुप्ता, अहमपुर।  
(अन्तरक)

2. मै० बाहरी गुडस कैरियर (प्रा०) लिमिटेड आगरा रोड़,  
जयपुर (अन्तरिती)

3. सर्वश्री गिरधारीलाल पुत्र राधाकिशन एवं अब्दुल वाहद  
पुत्र अब्दुल रजाक 2. मिराजुद्दीन पुत्र इमामुद्दीन 3. मुलारमजान

पुत्र नजीरमोहम्मद  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए  
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान  
नियम किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,  
जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी  
जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर  
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई  
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार  
होगा।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट मोती डूगरी स्कीम जयपुर कुल क्षेत्रफल 1852 वर्गगज,  
ठाकुर सूरज मिह की जमीन के उत्तर में।

बी० पी० मिस्त्र  
सक्तम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रन्जम रेंज जयपुर

तारीख : 17-6-74  
मोहर :

प्ररूप शाई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 जून 1974

निर्देश सं० जे-३/७४ (३)/१६/७—यत् . मुझे वी० पी० मित्तल सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी म० खुली जमीन है जो जयपुर में स्थित है (ग्रौंड इसमें उपावढ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 12 फरवरी 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की अवधि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1 श्रीमती लाजवती देवी पन्नि श्री रत्नदास गुप्ता निवासी अहमपुरी, जयपुर

2 श्री अशोक पुत्र रत्नदास गुप्ता बृहमपुरी, जयपुर (अन्तरक)

3 मैं० बाहरी गुडस कैरियर (प्रा०) लिमिटेड आगरा रोड जयपुर-३

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्वाक्षरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन जो जानबाज रोड मोती खुगरी स्कीम रोड जयपुर ठाकुर सूरज सिंह की जमीन के उत्तर में कुल जमीन का क्षेत्रफल 1114 15 वर्गगज है।

वी० पी० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख 17-6-74  
मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जून 1974

निर्देश स० जे-3/74(3) 14/5—यतः मुझे वी० पी०  
मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लाट नं० जी-2 व जी-3 है जो जयपुर में स्थित  
है (श्रौत इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी  
12, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह  
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जीतमल शाह पुत्र श्री चन्दनमलशाह डायरेक्टर मैसर्स  
शाह इंजीनियरिंग (प्रा०) लिमिटेड एस० एस० एस० हाईवे  
(अन्तरक)

2. श्रीमती सायररानी पत्नि उदयचन्द्रजी कोठारी । 2.  
कुसुमलता पत्नि प्रकाश चन्द कोठारी नि · पीतलियों का छाँक  
जयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्वारा किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है  
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० जी-2 व जी-3 कच्चा बंधा रोड़ बनीपार्क जयपुर।  
कुल क्षेत्रफल प्लाटो का 1833.33 वर्गगज क्षेत्र एरिया 781  
वर्गगज और टिनशेड एरिया 147 वर्गगज।

वी० पी० मित्तल-  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जयपुर।

तारीख : 18-6-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 6 अगस्त 1974

निर्देश सं० एल० डी० एन०/सी०/63/74-75—यत्, मुझे जी० पी० मिह सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी संख्या प्लाट आफ लैण्ड है जो महल बागान, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुद्दियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत्: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मूरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शीला देवी विधवा पत्नी श्री मुकन्द लाल म्कान्द सात रोड गिविल लाइन लुधियाना। (अन्तरक)

2. (i) श्री राजन भरीन पुत्र श्री नगलोक चन्द्र (ii) श्री बूज रत्न पुत्र श्री मंगल चन्द्र निवासी बी-IV/498 चौड़ी सड़क लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में भवान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट महल बागान लुधियाना जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 10121 फरवरी 1974 को सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है।

जी० पी० मिह  
मक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख : 6-8-1974

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज चण्डीगढ़ का कार्यालय

चण्डीगढ़, दिनांक 9 अगस्त 1974

निर्वेण सं० सुधियाना/सी/54/74-75/—यतः मुझे जी० पी० सिह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी जमीन है जो तरफ कारा वारा तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच सब पाया गया ऐसे अन्तरण के सिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा असिलिखित लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जोगिन्द्र बचन सिह पुत्र श्री बचन सिह, निवासी सुख राम नगर, लुधियाना। (अन्तरक)

2. मै० नहरू सिधान्त केन्द्र लुधियाना, मार्फत श्री जोगिन्द्र सिह भ्रेश्वाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोव्यस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए लारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अस्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

रजिस्टर जोकि तरफ कारा वारा, तहसील और ज़िला लुधियाना मजस्त्रेण नं० 9869 फरवरी, 1974) जमीन 3 कनाल 19 रले, 11 कनाल 16 मरले में से, जमीन 1 कनाल 7 मरले यानि के 1/9 भाग श्राफ जमीन 12 कनाल 8 मरले, खाता नं० 79/97, खसरा नं० 739, 743/4, 743/2, 743/5, 744/12, 744/12, जमीन 8 मरले यानि के 1/9 भाग श्राफ जमीन कनाल 13 मरले, खाता नं० 81/99, खसरा नं० 740/2, 741/2, जमीन 5 मरले यानि के 1/9 भाग जमीन 2 कनाल 5 मरले, खाता नं० 84/102, खसरा नं० 740/1, 741/1, 744/14, 744/15, 744/21, जमीन 14 मरले यानि के 1/18 भाग जमीन 12 कनाल 7 मरले, खाता नं० 1634/1738, खसरा नं० 742/1, 742/2, 743/3, 742/5, 742/6, 742/8, 742/9, 742/10/2, 742/15, 742/17, 742/22/1, जमीन 9 मरले यानि कि 1/18 भाग जमीन 8 कनाल 2 मरले, खेबट नं० 1635, खतीनी नं० 1739, 1740, 1741, 1741/1, 1742, 1743, 1744, 1745, 1746, 1747, 1748, 1749, 1750, 1751, खसरा नं० 742/19, 742/7/2, 742/20, 742/4, 742/7/1, 742/21, 742/10/1, 742/18, 742/13, 742/16, 742/12, 742/11, 742/22/2, 742/14, 737/1, 742/22/4 और जमीन 4 मरले यानि के 1/8 भाग 3 कनाल, 15 मरले खाता नं० 1636/1752, खसरा नं० 736, जमीन 12 मरले यानि कि 1/18 भाग जमीन 11 कनाल 3 मरले खेबट नं० 1637, खतीनी नं० 1753, 1754, 1755, खसरा नं० 737/2/1/2, 737/2/2, 737/2/1/1, जमा 1970-71

जी० पी० सिह,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 9-8-1974  
मोहर :

प्रख्यात आई० टी० एन० एस० ——

**भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा**

**269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ का कार्यालय

चण्डीगढ़, दिनांक 9 अगस्त 1974

निर्देश सं० सुधियाना/सी/62/74-75—यत : भुजे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ह० से अधिक है और जिसकी सं० जमीन है जो कार्यालय लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 फरवरी, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से अम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्त विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और भुजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल जा पन्नह प्रसिद्ध अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की क्षाब्दत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति :—

1. श्री जोगिन्द्र बचन सिंह, पुत्र श्री बचन सिंह निवासी सुख राम नगर, लुधियाना,  
(अन्तरक)

2. मैं गुरदेव धर्मार्थ इस्सट लुधियाना, मार्फत श्री जोगिन्द्र तिहू देवाल  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

316GI/74-10

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित विद्या जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में विए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत विद्ये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित विद्या जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**पूर्वोक्तरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन, कारा बारा लुधियाना, रजिस्ट्रेशन नं० 10091, फरवरी, 1974, जमीन 1 कनाल, 6 मरले, नौ मरला, 1/27, भाग 12 कनाल 7 मरला, खाता नं० 79/97, खसरा नं० 739, 743/3, 743/3, 743/2, 745/5, 744/12, 744/22; जमीन 3 मरले यानी के 1/27 भाग, 3 कनाल 13 मरले, खाता नं० 91/99, खसरा नं० 740/2, 741/2; जमीन 1 मरला, यानी कि 1/27 भाग, 2 कनाल 5 मरले, खाता नं० 84/102, खसरा नं० 740/1, 741/1, 744/14, 744/15, 744/21; जमीन 5 मरले यानी कि 1/54 भाग जमीन 12 कनाल 7 मरला, खाता नं० 1634/1738, खसरा नं० 742/1, 742/2, 743/3, 742/5, 742/6, 742/8, 742/9, 742/10/2, 742/15, 742/17, 742/22/10, जमीन 3 मरले यानी कि 1/54 भाग जमीन 7 कनाल, 14 मरले, खेवट नं० 1635, खत्तीनी नं० 1739, 1740, 1741, 1741/1, 1742, 1743, 1744, 1745, 1746, 1747, 1748, 1749, 1749/1, 1750, 1751, खतरा नं० 742/19, 742/7/2, 742/20, 742/4, 742/7/1, 742/21, 742/10/1, 742/18, 742/13, 742/16, 742/12, 742/11, 742/22/2, 742/22/3, 742/14 737/1, 742/22/4 और जमीन एक मरला यानी कि 1/54 भाग जमीन 3 कनाल, 15 मरला खाता नं० 1636/1752, खररा नं० 1736 और जमीन 4 मरले यानी कि 1/54 भाग आफ जती, 11 कनाल 3 मरले खाता नं० 1637/1753, खसरा नं० 737/2/2/1, 737/2/2, 737/2/1/1, जमा 1970/71, जोकि तरक कारा बारा, हृदवासर नं० 161, तहसील और जिला लुधियाना।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 9-8-1974

मोदर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, घण्डीगढ़

घण्डीगढ़, दिनांक 9 अगस्त, 1974

निर्देश सं० एल० डी० एच०/सी०/291/74-75—यतः मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और और जिसकी संख्या जमीन है, जो तरफ काग बारा, तहसीस लुधियाना में स्थित है (और इससे उगाचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूल विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के श्रीम तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित दृश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्स में कभी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जोगिन्द्र बचन सिंह पुन्न श्री बचन सिंह, निवासी सुख राम नगर, लुधियाना। (अन्तरक)

2. मैं० गुरदेव धर्मार्थ ट्रस्ट, लुधियाना, मार्फत जोगिन्द्र सिंह ग्रेवल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सन्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए सारी और स्थान नियम किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन, तरफ कारा बाग, तहसील और जिला लुधियाना। (रजिस्ट्रेशन नं० 10092, फरवरी 1974)। जमीन 2 कनाल 12 मरले जोकि 18 मरले यानी कि 2/27 भाग जमीन, 12 कनाल 8 मरला, खाता नं० 79/97, खसरा नं० 739, 743/4, 743/2, 743/5, 744/12, 744/22, जमीन 5 मरले यानी कि 2/27 भाग आफ जमीन, 3 कनाल 13 मरले खाता नं० 81/99, खसरा नं० 740/2, 741/2 जमीन 3 मरले, यानी कि 2/27 भाग जमीन, 2 कनाल 5 मरले, खाता नं० 84/102, खसरा नं० 740/1, 741/1, 744/14, 744/15, 744/21, जमीन 9 मरले, यानी कि 2/54 भाग जमीन 12 कनाल 7 मरले, खाता नं० 1634/1738, खसरा नं० 742/1, 742/2, 743/3, 742/5, 742/6, 742/8, 742/9, 742/10/2, 742/15, 742/17, 742/22/1, जमीन 6 मरले यानी कि 2/54 भाग जमीन 7 कनाल 14 मरले, खेट नं० 1635 खतौनी नं० 1739, 1740, 1741, 1741/1, 1742, 1743, 1744, 1745, 1746, 1747, 1748, 1749, 1749/1, 1750, 1751, खसरा नं० 742/19, 742/7/2, 742/20, 742/4, 742/7/1, 742/21, 742/10/1, 742/18, 742/13, 742/16, 742/12, 742/11, 742/22/2, 742/22/3, 742/14, 737/1, 722/22/4, जमीन 3 मरले यानी कि 2/54 भाग जमीन, 3 कनाल 15 मरले, खाता नं० 1636, 1752, खसरा नं० 736, जमीन 8 मरले यानी कि 2/54 भाग जमीन, 11 कनाल, 3 मरले, खाता नं० 1637/1753, खसरा नं० 737/2/1/2, 737/2/2, 737/2/1/1, जमा 1970-71।

जी० पी० सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, घण्डीगढ़।

तारीख : 9-8-1974  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 25 सितम्बर 974

निदेश स० ए० एस० आर०/ए०जे०एन०/ए०पी०- 256/74-75—यतः, मुझे ही० एस० गुर्जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धर्ती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3338 फरवरी, 1974 लिखा है। जो चमोरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजनाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे मह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वेसा मिह पुत्र निशन सिंह  
गांव चमारी, तद्दील अजनाला,  
जिला अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री कर्मपाल सिंह पुत्र हाकम सिंह, सुरजीत सिंह पुत्र  
बलबन्त सिंह, राजा सांसी, जिला अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधो-हस्ताक्षरी जानता है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्वष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

घरती जैसा कि जिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3338 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अजनाला में लिखा है।

झौ० एस० गुर्जा  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 25 सितम्बर, 1974  
मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269- घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 25 सितम्बर 1974

निदेश सं० ए०एस०आर०/ए०पी०-१२५५/७४-७५—यतः—

मुझे, ई० एप० गुरुा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को पृ० विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3033 फरवरी, 1974 लिखा है, जो गांव पट्टों में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय पट्टों में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन परवरी, 1974 को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से फर्जित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवृत्ति आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवृत्ति के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अनः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सुखदीप सिंह कुलदीप सिंह, अमरीक सिंह पुत्र प्रजमेर तिहावासी पट्टी। (प्रत्यक्ष)
2. श्रीमती चरणकौर पत्नी वेमन सिंह पुत्र सुरेन सिंह वासी समरा मुश्तरी। (प्रत्यक्षिती)
3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में भाषो-हस्ताक्षरी जानता है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में स्थित रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3033 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी पट्टी में लिखा है।

ई० एस० गुरुा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 25 सितम्बर, 1974

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी टी० एस० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
श्रज्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० IX/3/18—यतः, मुझे, के० वी० राजन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/8 ए०, हृष्टर्स रोड, वेपेरि, मद्रास-7 है, जो मैं स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तररक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को विच्छेद भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अस्तित्व द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के अध्यों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रज्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा प्रसिद्धिकृत किए गए हैं।

यतः अथ, धारा 269-ए के प्रनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्षतः:—

1. श्री के० एरा० मनि, के० अनन्त नारायणन मे० नारायणन और के० सिवरामकृष्णन (अन्तरक)

2. श्रीमती मि० कन्धियम्माल, श्री सी० वि० नगानानन, श्री सी० वि० सिवसुद्धरमनियम और सि० वि० मनिकपुल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रज्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्रज्जन के प्रति प्राक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि धाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रज्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षण्यों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षण्य किया है तथा सम्पत्ति के अतिरिक्ती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है उसकों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-7, वेपेरि, हृष्टर्स रोड, डोर सं० 1/8 मे० 3580 म्कुयर फीट का खाली भूमि (मकान के साथ)।

के० वी० राजन,  
मध्यम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
श्रज्जन रेंज-I, मद्रास।

तारीख : 4-10-1974

मोहर

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेज चार बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1974

निर्देश सं० न० अ० प० 178/अय० अ० सी०-अ० भार०  
4/74-75—यत्/ मुझे, ग० मो० गव मद्रापक आयकर आयुक्त  
(निरीक्षण) अर्जन रेज चार बम्बई,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि इथाई सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० 53 (भाग) सी० टी० सर्वेक्षणन. नं० 465(भाग) है, जो मोहिली में स्थित है (प्रीर इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बान्द्रा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-2-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विसेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के दीच स्थ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देसे के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयी शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ, के अनुसरण मे, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अरडासिर सी० पेस्टोनजी और अन्य ट्रस्टी अरडासिर होरमुसजी, फोर्जीस स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई-1 (अन्तरक)

2 श्रीमती नसीम बेगम, सागर बिहार, अब्दुल गफार खान रोड, बरकी सी० फेस०, बम्बई-18 (अन्तरिती)

3 नसीम बेगम (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभाग में सम्पत्ति है)

4 श्री लौरेन्स एस० गौम्स (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भान्तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उच्चर में किए गए आक्षेप, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण** —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन का यह भाग जो गाव जो मोहिली, अभी वृहत्तर बम्बई में सामिल स्थित है और जिसा बम्बई उपनगर में है, जिसका सर्वे नं० 53 (भाग) सी० टी० सं० मं० 465 (भाग) और माप में 5017 वर्गमीटर अर्थात् 6001 वर्ग गज है और विरा है उत्तर की ओर से अन्धेरी-घाटकोपर लिंक रोड द्वारा, दक्षिण की ओर से सर्वे नं० 53 (भाग) द्वारा, पूर्व की ओर से नाला द्वारा और सर्वेक्षण नं० 27 के नीचे, और पश्चिम की ओर से सर्वेक्षण नं० 53 (भाग) और कुछ सर्वेक्षण नं० 25 हिस्सा नं० 1 (भाग) द्वारा।

गति स्पेश्वर राव,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज चार, बम्बई

तारीख 10-9-1974

मोहर

## प्रृष्ठ प्राई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 11 सितम्बर 1974

निर्देश सं० आय ए० सी०/ए० सी० अ०००/३३/७४-७५—  
यतः, मुझे, एस० एस० राय आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम  
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० जो 28.35 एकड़ में से 21.27 एकड़ है  
और जिसका सं० नं० 109 है, और जो मौजा हरसूल तालुका  
और जिला औरंगाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता  
प्रविकारी के कालय, औरंगाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-2-1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनु-  
सार अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से ऐसे दृश्यमान का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच तथ  
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए, प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
हैः—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के  
अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने  
के लिए सुकर बनाना; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरकों द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या,  
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के  
कार्यवाही शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए  
हैं।

अतः अब, धारा 269-ब के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री अब्दुल कादर पिता गुलाम रसूल
2. श्रीमती शरीफा बेगम प्र० अब्दुल कादर दोनों २० मोती  
कारजा, औरंगाबाद। (अन्तरक)
1. श्री आसाराम पिता किसन काले
2. श्री अपीचंद पिता किसन काले दोनों २० पिसादेवी  
तालुका औरंगाबाद। (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
को तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी अधिधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अंजन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया  
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिक्षी को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार हीगा।

**स्पष्टोक्तरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभायित है, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

28.35 एकड़ में से 21.27 एकड़ जमीन जिसका सं०  
नं० 109 है जो मौजा हरसूल तालुका और जिला औरंगाबाद  
(महाराष्ट्र राज्य) में स्थित है।

एस० एस० राय,  
सकार प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, मागपुर

तारीख : 11-9-1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
ग्रजन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 11 सितम्बर 1974

निर्देश सं० आय ए० सी०/ए० मी० क्य०/33/74-75—  
यतः, मुझे, एस० एस० राय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और श्रीर जिसकी सं० जो 28.35 एकड़ में से 21.27 एकड़ है, श्रीर जिसका सं० नं० 109 है, जौर जो मौजा हरसूल तालुका और जिला औरंगाबाद में स्थित है। (श्रीरहस्य से उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रीरंगाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-2-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे मह सह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हूँ किसी आय की बावजू आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन क२ देने के अन्तरक के धार्यत्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर उत्तमा और /या

(ख) ऐसी जिसी आय या जिसी धर्य या अन्य जारीतयों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, इपाले के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-ष के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुल्क वर्तने के कारण मेरे द्वाग अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, आय 269-ष के अनुसरण में, मेरे आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की सुप्रसारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री अब्दुल कादर पिता गुलाम रसूल

2. श्रीमती शरीफ बेगम भ्र० अब्दुल कादर दोनों २० मोती कारंजा, औरंगाबाद। (अन्तरक)

1. श्री आसाराम पिता किसम काले

2. श्री अपीचंद पिता किसम काले दोनों २० पिसादेवी तालुका श्रीरंगाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहम्नाकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अस्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्वाक्षरीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, उनी अर्थ होणा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

28.35 एकड़ में से 21.27 एकड़ जमीन जिसका सं० नं० 109 है जो मौजा हरसूल तालुका श्रीरंगाबाद (महाराष्ट्र राज्य) में स्थित है।

पर्य० एस० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, नागपुर

तारीख : 11-8-1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 सितम्बर 1974

निवेश सं IX/1/9/74-75—यत, मुझ के० वी० राजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 11ए०, कामा मेजर रोड, एवं मोर मद्रास-8  
मे॒ स्थित है (और इसमे॒ उपावड़ अनुसूचि मे॒  
और पूर्णसूचि से वर्णित है), गजिस्तीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, मद्रास मे॒ भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 3-4-1974 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मझे यह विष्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि  
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय  
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत  
अन्तरण दिखित मे॒ बास्तविक स्पष्ट से व्यक्त नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व मे॒ कभी करने था उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या विया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दो मे॒ पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण मे॒, मैं, आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात्:—

316 GI/74

(1) श्री जी० राम मनोहर, मद्रास-8 (अन्तरक)

(2) श्रीमती के० सुब्रप्ना के द्वारा मिस के० जलिनि,  
मद्रास-34। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे॒ प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब  
मे॒ समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो मे॒ से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे॒ प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे॒ हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
मे॒ किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे॒ किए गए आक्षेपो, यदि  
कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है  
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे घर्वर्वती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पर्शीकरण:**—इसमे॒ प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क मे॒ यथापरिभृत है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे॒ दिया गया है।

### अनुसूची

मद्रास-8 एवं मोर मेजर रोड, डोर म० 11—ए  
मे॒ दो प्राउण्ड और 2205 म्क्युयर फीट की भूमि और मकान मे॒  
अभिन्न आधा भाग।

के० वी० राजन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास।

तारीख: 30-9-74

मोहर:

## संघ लोक सेवा आयोग

## नोटिस

स्पेशल बलास रेलवे अप्रेटिसेज परीक्षा, 1975

नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1974

मं. एफ० 6/1/74-ई-I(बी)---भारत के गजपत्र, दिनांक 9 नवम्बर, 1974 में रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में स्पेशल बलास अप्रेटिसेजों के पदों पर नियुक्ति हेतु चयन के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा हृषाहीबाबा, भोपाल, ब्रह्मद्वीप, कलकत्ता कठक, विल्स, दिल्ली, गोहटी, हैवराबाद, उथपुर, मुम्बई, नागपुर, पटियाला, पटना, तथा लियेब्रेम में 13 मई, 1975 से एक परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो दर्जा के उपर्युक्त वेद्धों तथा उसके प्रारम्भ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रविष्ट किए गए उम्मीदवारों को दर्जा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में रूचित किया जाएगा। (दृष्टिगत उपाधन II, पैरा 10)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिवितयों की अनुमानित संख्या 15 है। इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

इन रिवितयों में से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण भारत मरकार द्वारा निश्चित संख्या के अनुमार किया जाएगा।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर मन्त्रिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण दो स्पष्ट भेजकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि मन्त्रिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनी-आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर कूपन पर उम्मीदवार का नाम और पता तथा परीक्षा का नाम माफ-माफ बड़े अश्वरो में लिखा होता चाहिए। मनीआर्डर के स्थान पर पॉस्टल आर्डर या चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर एक रुपया नकद देकर भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपये की यह राशि किसी भी हालत में बापस नहीं की जाएगी।

**मोट:**—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र स्पेशल बलास रेलवे अप्रेटिसेज दर्जा, 1975 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। स्पेशल बलास रेलवे अप्रेटिसेज दर्जा, 1974 के लिए निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

4. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रमाण-पत्रों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011

के पास 6 जनवरी, 1975 को या उसमें पहले (6 जनवरी, 1975 में पहले की किसी तारीख से विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार तथा लक्ष द्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 20 जनवरी, 1975 तक) अवश्य पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. परीक्षा में प्रवेश के चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को उपाबंध I में निर्धारित परीक्षा शुल्क का भुगतान उसमें निर्दिष्ट रीति से अवश्य करें।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एक वस अरबीकार कर दिया जाएगा। यह उम्मीदवारों पर दाग नहीं होगा जो उपाधन I के पैराप्राफ 2 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से कम होते हैं।

6. यदि कोई उम्मीदवार 1974 में ली गई स्पेशल क्लास रेलवे अप्रेटिसेज परीक्षा में बैठा हो और अब उस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन करना चाहता हो तो उसे परीक्षाफल या नियुक्ति प्रस्ताव की प्रतीक्षा किए बिना ही अपना आवेदन-पत्र अवश्य भेज देना चाहिए ताकि वह निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुंच जाए। यदि वह 1974 के परीक्षाफल के आधार पर नियुक्ति हेतु अनुशासित कर दिया जाता है तो उसके अनुरोध पर 1975 की परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उसको उसी प्रकार शुल्क लौटा दिया जाएगा जिस प्रकार उपाधन I के पैरा 3 के अनुमार उम्मीदवार को लौटा दिया जाता है जिसे परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता।

7. उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन-पत्र प्रत्युत्तर कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से संबद्ध किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में रद्द किया जाएगा।

एम० एम० प्रूथी, उप-सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

## उपाधन-II

1. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को शुल्क के रूप में ₹ 36.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए ₹ 9.00) के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डरों द्वारा भुगतान अवश्य करें।

आयोग उम्मीदवारों के मामलों को छोड़कर जो आवेदन-पत्र भेजने समय विदेशों में रह रहे हों अन्य विधि से किए गए भुगतान को स्वीकार नहीं करेगा। ऐसे उम्मीदवार निर्धारित शुल्क की राशि संबद्ध भारतीय मिशनों में जमा कर सकते हैं।

2. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से मनुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या वह बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यार्पित

**मूलतः** भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को, या उसके बाद भारत प्राया है, या वह श्रीलंका से बास्तविक रूप में प्रत्यावर्तिन मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद प्रश्नजन कर भारत प्राया है, और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

3. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो, तो उसे ₹ 21.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में ₹ 5.00) की राशि वापस कर दी जाएगी। किन्तु यदि नियम 6 के नीचे नोट II की शर्तों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का आवेदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया जाता है कि वह अहंक परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपर्युक्त नोट के उपबन्धों की शर्तों की अधेक्षणों का अन्यथा पालन नहीं कर सकेगा तो वह शुल्क वापसी का हकदार नहीं होगा।

उपर्युक्त तथा नोटिस के पैरा 6 में उपवंधित व्यवस्था को छोड़ कर अन्य किसी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आवश्यक रखा जा सकेगा।

## उपायन्ध-II

### उम्मीदवारों को अनुदेश

1. इस नोटिस के पैरा 3 में उल्लिखित रीति द्वारा इस परीक्षा से मंबद्ध नोटिस, नियमावली, आवेदन-प्रपत्र तथा अन्य विवरण मंघ लोक मेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियम ध्यान से पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पंरादाफ 1 में विए गए केवलों में से किसी एक को, जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अन्तिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः इने हुए स्थान में परिवर्तन से सम्बद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2.(i) उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्र तथा पावनी कार्ड सम्पादन से ही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

(ii) भरा हुआ आवेदन-प्रपत्र तथा पावनी कार्ड सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलिगढ़ हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजा जाना चाहिए ताकि वह उनके पास नोटिस में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुंच जाए।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अडमान एवं निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से आयोग से यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह

6 जनवरी, 1974 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अडमान एवं निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप में रह रहा था।

जो उम्मीदवार मरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैसियत से अथवा आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इस निर्माण प्रभागित कर्मचारी की हैसियत में कार्य कर रहा हो, उसे अपना आवेदन-पत्र संबद्ध विभाग या कार्यालय अध्यक्ष की मार्फत भेजना चाहिए जो आवेदन-प्रपत्र के अंत में दिए गए पृष्ठाकान को भर कर आयोग को भेज देगा।

गैर-मरकारी नौकरी में लगं या मरकारी स्वामित्व वाले ग्रीष्मोंगिक उद्यमों या इस प्रकार के अन्य संगठनों में काम करने वाले दूसरे सभी उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र सीधे लिए जा सकते हैं। यदि कोई ऐसा उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है और वह संघ लोक मेवा आयोग में देर से पहुंचता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को अंतिम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र अवश्य भेजने चाहिए :—

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आईंडर (देखिए उपायन्ध I)।
- (ii) आयु के प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि
- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें मी० × 7 सें मी०) के फोटो की तीन एक जैसी प्रतियाँ।
- (v) स्कूल और कालेज में उम्मीदवार के शिक्षण काल का संक्षिप्त विवरण जिसमें उसकी शैक्षिक तथा खेलकूद से सबद्ध भकलताओं का उल्लेख हो तथा जिसे वह स्वयं अपने हाथ से लिखे और उस पर हस्ताक्षर करे।
- (vi) जहाँ लागू हो वहाँ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण पत्र अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
- (vii) जहाँ लागू हो वहाँ आयु में छूट/शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

**नोट :—**उम्मीदवारों को अपने आवेदन पत्रों के साथ उपयुक्त मद (ii), (iii), (iv), तथा (vii) पर उल्लिखित प्रमाण पत्रों की केवल प्रतियाँ ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवार द्वारा सही रूप में संशोधित हों। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणामों के आधार पर अवश्य परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए अंतीम प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त आव उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की सूल प्रतियाँ प्रस्तुत करनी होंगी। परिणामों के 1975 के सितम्बर के महीने में घोषित किए जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को

इस प्रमाण-पत्रों को उस समय मार्गे जाने पर आधेंग को प्रस्तुत करने के लिए तैयार रखना चाहिए था। लिंगित पर्यंत के पर्याप्ति की घोषणा के तुरन्त बाद उन्हें अंग वा प्रस्तुत कर देना चाहिए जो उम्मीदवार उस समय अदेखित प्रमाण-पत्रों को मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उनका आगे विधार किए जाने का बाबा स्वीकार नहीं होगा।

मद (i) से (iv) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (vi) और (v i) में उल्लिखित प्रलेखों का विवरण पैरा 4 और 5 में दिया गया है।

(i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर :—

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः इस प्रकार रेखांकित किया जाए :—



तभा इस प्रकार भरा जाए :—“Pay to the Secretary, Union Public Service Commission, At New Delhi General Post Office.

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विलिप्त या कटे फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारो करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग का नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय हों उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

**नोट :**—जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजते समय विदेश में रह रहे हो, वे निर्धारित शुल्क की राशि (₹ 0.36.00 के बराबर और श्रृंखला वाले जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए ₹ 0.9.00 के बराबर) उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा कर सकते हैं, और उनसे कहा जाए कि वे उस राशि को लेखा शीर्ष “051 Public Service Commission-Examination Fees” में जमा कर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेजे।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र :—श्रायोग सामान्यतः जन्म की वह तारों वाले स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छाइने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के समुक्त प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित विश्वविद्यालय के मैट्रिक पास छात्रां के राजस्टर के उद्धरण में

दर्ज की गई हो। जिस उम्मीदवार ने उच्चतर माध्यमिक अध्यात्मा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र अध्यात्मा समकक्ष प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र को प्रमित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रिविले में लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। जहाँ से उसने मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाविता रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या जातीय प्रारूपित्रों हो गी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में नहीं जारी न हो तो विभाग ही आयु को अस्वीकार किया जा सकता है।

**नोट 1 :**—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छाइने का प्रमाण-पत्र हो, उसे उस प्रमाण-पत्र की केवल आयु से संबद्ध प्रतिलिपि वाले पृष्ठ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि हो भेजना चाहिए।

**नोट 2 :**—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए उनके द्वारा जन्म की तारीख एक बार तिक्का में नहीं और किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए आयोग द्वारा उनके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अन्यली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने को अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र :—उम्मीदवार को किसी प्रमाण-पत्र को प्रमित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। नहीं इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यता प्राप्ति में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या अन्य परीक्षा निकाय) का हाता चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र को प्रमित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार का उपर्युक्त भेजन का कारण बताना चाहिए और प्रतिलिपि प्राप्ति से संबद्ध प्रमाण दावे के समर्थन में कोई अन्य प्रमाण-पत्र दर्ता करना चाहिए। श्रायोग इस प्रमाण के ओचित्य पर विवार करेगा, किन्तु वह उस पर्याप्ति मानने के लिए बाध्य नहीं है।

यदि उम्मीदवार द्वारा अपनी शैक्षिक योग्यताओं के समर्थन में प्रस्तुत किए गए विश्वविद्यालय के इण्टर्मेडिएट या कोई अन्य अर्हक परीक्षा पास करने के प्रमाण पत्र में मध्ये उत्तीर्ण विषयों का उल्लेख नहीं है तो उसे प्रिसिपल से इस आशय के प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसने अर्हक परीक्षा गणित के साथ-साथ भौतिकशास्त्र और रसायन-शास्त्र में से कम से कम एक विषय लेकर उत्तीर्ण की है।

जिस उम्मीदवार पर नियम 6(ब) या नियम 6(ड) लागू होता हो उसे अपनी शैक्षिक योग्यताओं के प्रमाण स्वरूप सम्बद्ध विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार/कालेज के प्रिसिपल/संस्था के अध्यक्ष से नीचे दिए गए निर्धारित फार्म में लिए गए प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि अवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाना है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\* .....  
.....सुपुत्र/सुपुत्री/श्री\* .....  
इस विश्वविद्यालय/कालेज/संस्था\* के/की\*  
वास्तविक छात्र/छात्रा\* है थे/थी\* ।

2. उन्होंने विवर्णीय डिग्री कोर्स की प्रथम वर्ष की परीक्षा/पंचवर्षीय हंजीनियरी डिग्री कोर्स की प्रथम वर्ष की परीक्षा/ग्रामीण उच्चतर शिक्षा की राष्ट्रीय परिषद (National Council for Rural Higher Education) की ग्रामीण सेवाओं (Rural Services) मे विवर्णीय डिग्लोमा कोर्स की प्रथम परीक्षा\* जो.....को समाप्त हुई, उत्तीर्ण कर ली है और उन्हें प्रथम वर्ष के लिए निर्धारित विषयों में से किसी में भी फिर भी परीक्षा में नहीं बैठना है।

#### अध्ययन

उन्होंने.....विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विवर्णीय डिग्री कोर्स की प्रथम/द्वितीय\* वर्ष की परीक्षा/पंच वर्षीय हंजीनियरी डिग्री\* कोर्स की प्रथम वर्ष की परीक्षा .....श्रेणी में उत्तीर्ण कर ली है। परीक्षा .....को समाप्त हुई।

@ 3. उनके परीक्षा-विषय निम्नलिखित थे :—

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.

@पंचवर्षीय हंजीनियरी डिग्री कोर्स के विवर्णीयों पर लागू नहीं होगा।

(रजिस्ट्रार/प्रिसिपल@ के हस्ताक्षर)  
विश्वविद्यालय/कालेज/संस्था\* का नाम

तारीख.....  
स्थान.....

\*जो शब्द लागू न हो उन्हें कृपया काट दें।

जिस उम्मीदवार पर नियम 6 के नीचे दिया गया नोट 1 लागू होता हो उसे जिस संस्था से उसने परीक्षा पास की हो उसके प्रिसिपल/हेडमास्टर से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसके कुल अंक विश्वविद्यालय/बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रथम या द्वितीय श्रेणी की अंक-सीमाओं के अंतर्गत आते हैं।

**नोट :**—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अर्थात् उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है, बशर्ते कि वह अर्हक परीक्षा इस परीक्षा के प्रारम्भ होने से पहले समाप्त हो जाए। किन्तु ऐसे उम्मीदवारों को निम्नलिखित निर्धारित फार्म में सम्बद्ध कालेज/संस्था के प्रिसिपल से एक प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि वे अन्य शर्तें पूरी करते हों तो उनको परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनंतिम भानी जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में इस परीक्षा के प्रारम्भ होने की तारीख से अधिक से अधिक दो महीने के भीतर प्रस्तुत नहीं करते, तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

परीक्षा में इस प्रकार बैठने की अनुमति प्राप्त उम्मीदवार को, जाहे वह इस परीक्षा के लिखित भाग में उत्तीर्ण हो अथवा नहीं, उपर्युक्त अवधि के भीतर अर्हक परीक्षा पास करने का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। इस अनुदेश का पालन न करने पर उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और वह अपना परिणाम जानने का अधिकारी नहीं होगा।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\* .....  
.....सुपुत्र/सुपुत्री\* .....  
.....निम्नलिखित विषय लेकर ...  
.....द्वारा संचालित.

परीक्षा में.....मास, 19 .....

...., में बैठने वाले/बाली\* हैं बैठे चुके/चुकी\* हैं :—

- (i)
- (ii)
- (iii)
- (iv)
- (v)

प्रिसिपल के हस्ताक्षर,  
(कालेज/संस्था\* का नाम)

तारीख.....  
स्थान.....

\*जो शब्द लागू न हो उन्हें कृपया काट दें।

(iv) फोटो की तीन प्रतियां :—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी० x 7 सें. मी०) के फोटो की तीन एक जैसी प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति क्रमशः आवेदन-प्रपत्र तथा साक्षण्यकन-प्रपत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और तीसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नस्थी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान वे :— उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि कोई आवेदन-पत्र उपर्युक्त पैराग्राफ 3(ii), 3(iii), 3(iv) तथा 3(v) के अन्तर्गत उल्लिखित प्रमाण-पत्रों से से किसी के साथ प्रस्तुत नहीं किया जाता और इसकी अनुपस्थिति के लिए कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया जाता तो आवेदन-पत्र अस्वीकृत किया जा सकता है तथा इसकी अस्वीकृति के लिए किसी अपील पर विचार नहीं किया जाएगा। जो प्रमाण-पत्र आवेदन पत्र के साथ प्रस्तुत नहीं किए जाते वे आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के तुरन्त बाद भेज दिए जाने चाहिए। आर वे हर हालत में आयोग के कार्यालय में [उपर्युक्त पैरा 3 (iii) के नोट में दी गई व्यवस्था के अतिरिक्त] आवेदन-पत्र स्वीकार करने के अतिम तारीख के एक महीने के भीतर अवश्य पहुंच जाने चाहिए। अन्यथा आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हाने का दावा करते हों तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) श्राम तार से रहते हों, जिला अधिकारी या उपमण्डल अधिकारी या निम्नलिखित किसी अन्य ऐसे अधिकारी से, जिसे सबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फ़ॉर्म में दिये गये प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा में भिन्न किसी प्रयोजन से आमतौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फॉर्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\* .....  
..... सुपुत्र/सुपुत्री\*/श्री .....  
..... जो गांव/कस्बा\* .....  
.....  
जिला/मण्डल\* .....  
राज्य/संघ धोत्र ..... के की\* निवासी है, ..... जाति/जनजाति के/की\* हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के स्पष्ट में मान्यता दी गई है :—

बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, तथा पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 के साथ पटित अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों की सूचियां (संशोधन) आदेश, 1956\*।

संविधान (जम्मू और काशीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956\*।

मंविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959\*।

मंविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962\*।

मंविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962\*।

मंविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964\*।

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967\*।

संविधान (गोआ, दमन और दियू) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968\*।

संविधान (गोवा, दमन और दियू) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1968\*।

मंविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970\*।

2. श्री/श्रीमती/कुमारी\* .....  
श्री/पा\* उनका परिवार आमतौर से गांव/कस्बा\* .....  
..... जिला/ \*मंडल  
..... राज्य/\*संघ राज्य  
क्षेत्र ..... में  
रहते/रहती हैं।

हस्ताक्षर .....  
\*पदनाम .....  
(कार्यालय की सीहर)

स्थान .....  
तारीख .....  
राज्य

\*संघ राज्य क्षेत्र

\*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें

नोट :—यहां आम तौर से रहते/रहती है का अर्थ वही होगा जो “रिजेटेशन प्राफ दि पीपुल एक्ट 1950” की धारा 20 में है।

\*\* अनुसूचित जाति/जनजाति प्रमाण पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/प्रतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलंकटर/डिप्टी कमिशनर/ऐडिनेल डिप्टी व मिशनर/दृष्टी वलैशटर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सिव-डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एकजीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा अभिस्ट्रेट कमिशनर।

† प्रथम श्रेणी के स्टाइपेडरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहदे का नहीं।

(ii) चीफ प्रैसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/ऐडिनेल चीफ प्रैसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रैसिडेंसी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यू अफसर जिनका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहाँ उम्मीदवार और/या उसका परिवार आमनीर से रहता है।

(v) पेडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट अफसर, नक्षद्वीप।

5(i) नियम 5 (ख) (ii) अथवा ख (iii) के अन्तर्गत आयु-सीमा मे छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों मे से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी 1964 को अथवा उसके बाद किन्तु 25 मार्च 1971 से पूर्व प्रद्वजन कर भारत आया है—

(1) दडकारण्य परियोजना के ट्राजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्य मे स्थित महायना शिखियों के कैम्प कामाइन्ट।

(2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है।

(3) सैबूद जिलों मे शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।

(4) अपने ही कार्यभार के अधीन सैबूद सब-डिवीजन का सब डिवीजनल अफसर।

(5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिमी बगाल/निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता।

यदि वह उपावन्ध 1 के पैराग्राफ 2 के अन्तर्गत शूलक मे छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकारी के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा सद या राज्य विधान मण्डल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शूलक दे सकने की स्थिति मे नहीं है।

(ii) नियम 5(ख)(v) अथवा 5(ख)(vii) के अन्तर्गत आयु-सीमा मे छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित मलता भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका से भारत वे उच्च आयुक्त के कायलिय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-

पत्र को अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्तूबर 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद भारत आया है।

यदि वह उपावन्ध 1 के पैराग्राफ 2 के अन्तर्गत शूलक मे छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी गजपत्रित अधिकारी से अथवा सद या राज्य विधान मण्डल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शूलक दे सकने की स्थिति मे नहीं है।

(iii) नियम 5 (ख) (ix) अथवा 5 (ख) (x) के अन्तर्गत आयु-सीमा मे छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मलता भारतीय व्यक्ति वो भारतीय राजदूतावास, रूपन द्वारा दिये गए पहिनान प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह प्रश्न भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963, को या उसके बाद भारत आया है अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण-पत्र की प्रश्न अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

यदि वह उपावन्ध 1 के पैराग्राफ 2 के अन्तर्गत शूलक मे छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी गजपत्रित अधिकारी से अथवा सद या राज्य विधान मण्डल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शूलक दे सकने की स्थिति मे नहीं है।

(iv) नियम 5 (ख) (iv) के अन्तर्गत आयु-सीमा मे छूट चाहने वाले पाइपिंरे के सब राज्य क्षेत्रों के उम्मीदवार को उम्मीदवार को अपने दावे के समर्थन मे निम्नलिखित प्राधिकारियों मे से किसी एक से लिए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए—

(1) मिलिल प्रशासन का निदेशक

(2) कौसलज्ञोग के प्रशासक

(3) मामलातदार

(vi) नियम 5 (ख) (viii) के अन्तर्गत आयु-सीमा मे छूट चाहने वाले कीनिया, उगाडा तथा सयवत गणराज्य टजानिया (भतपुर टगानिका तथा जजीबार) से आए हुए उम्मीदवार को,

उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से, जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बास्तव में उपर्युक्त देशों से आया है।

(vii) नियम 5 (ख) (xi) अथवा 5 (ख) (xii) के प्रत्यंत आयु सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, पुनर्वासन, रक्षा मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित प्रमाणित यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के माथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट \_\_\_\_\_ के रैक नं० \_\_\_\_\_ की \_\_\_\_\_ रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के माथ संघर्ष में/ अशांतिग्रस्त क्षेत्र\* में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर \_\_\_\_\_  
पदनाम \_\_\_\_\_  
तारीख \_\_\_\_\_

\*जो शब्द लागू न हो उसे कृपया काट दें।

(viii) नियम 5 (ख) (xiii) अथवा 5 (ख) (xiv) के प्रत्यंत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक सीमा सुरक्षा बल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक शत्रुता संघर्ष के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट \_\_\_\_\_ के रैक नं० \_\_\_\_\_ की सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक शत्रुता संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर \_\_\_\_\_  
पदनाम \_\_\_\_\_  
तारीख \_\_\_\_\_

6. यदि किसी ड्रेसिन के लिए पाकिस्तान-पत्र (एलिजिविलिटी मॉटिफिकेट) आवश्यक हो तो उसे अधीक्षण पाकिस्तान-पत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड) को आवेदन करना चाहिए।

7. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई सूठा व्यौरा न दें अथवा किसी सही सूचना को न लिपायें।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे प्रमाण-पत्र अथवा उनके द्वारा प्रस्तुत की गई प्रति की किसी प्रतिविटि को विसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें और न कोई फेरबदल करें और न ही केरबदल किए गए शूठे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें यदि ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

8. आवेदन-पत्र द्वेष से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वन् इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पत्र हो गया है।

9. यदि परीक्षा से संबद्ध आवेदन पत्रों के पहुंच जाने की अखिली तारीख से एक मास के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती (एकलिजिमेट) न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए।

10. इस परेशा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशील दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। परन्तु यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने के पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लेख सेवा आयोग में कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

11. पिछली पांच परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न पत्रों से संबद्ध पुस्तिकाओं की विक्री प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइसेंस, दिल्ली (110006) के द्वारा की जाती है और उन्हें वहाँ से मेल आड़ेर अथवा नकद भुगतान द्वारा संधें प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किनाब महल, 14, जनपथ, बैरेकम “ए”, नई दिल्ली-110001 (ii) प्रकाशन शाखा की विक्री काउंटर, उद्योग भवन, नई दिल्ली (110001) और (iii) गवर्नरमेट आफ़ इंडिया बूक डिपो, 8 के० एस० राय रोड, कलश्ता-1 से भी केवल नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएं विभिन्न मकानों नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

12. आवेदन-पत्र से संबद्ध पत्र-ध्यानार :—आवेदन-पत्र से संबद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई चिल्सी-110011, को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा ध्योरा अनिवार्य रूप से दिया जाए :—

1. परीक्षा का नाम
2. परीक्षा का महीना और वर्ष
3. रोल नम्बर अथवा उम्मीदवार की जन्मतिथि यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया हो।
4. उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)।
5. आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-ध्यानार का पता

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 27th September 1974

No. P/1726-Admn.I.—Shri A. M. Srivastava, an Officer of Indian Defence Accounts Service and Deputy Secretary in the Office of the Union Public Service Commission, relinquished charge of the post of Deputy Secretary in this Office with effect from the afternoon of 27th September, 1974 to take up the post of Controller of Accounts and Finance in the National Co-operative Consumer Federation, New Delhi.

M. R. BHAGWAT, Under Secy.  
Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 4th October 1974

No. A.32013/2/73-Admn.I.—In continuation to this Office Notification No. A.32013/1/74-Adm.I dated 2nd September, 1974, the President is pleased to allow to continue Shri N. K. Prasad, a permanent Officer of Grade I of the Central Secretariat Service to officiate in the Selection Grade of the Service for the period from 5-10-1974 to 18-12-1974 (both days inclusive) or until further orders, whichever is earlier.

The 9th October 1974

No. A.32014/1/74-Admn.I.—Shri S. P. Mehra, a permanent Grade II Officer of the Central Secretariat Stenographers Service cadre of the Union Public Service Commission who was appointed to officiate on a purely *ad-hoc* basis in Grade I of the Service *vide* this office Notification of even number dated 11-9-1974 has reverted to Grade II of the same service in the cadre with effect from the afternoon of 21st September, 1974.

M. R. BHAGWAT  
Under Secretary,  
(In-charge of Administration)  
Union Public Service Commission.

CABINET SECRETARIAT  
DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 17th October 1974

No. PF/J-7/73-AD.V.—On attaining the age of superannuation, Shri J. Dharmaraj, (Orissa Cadre), Joint Director, C.B.I. and Special Inspector General of Police, S.P.E. relinquished charge of the office in C.B.I. on the afternoon of 30-9-74.

G. L. AGARWAL,  
Administrative Officer (E)  
C.B.I.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 9th September 1974

No. E-38013(3)/7/74-Ad.I.—On transfer to Madras Port Trust, Shri R. Seshadri, Assistant Commandant (Junior Administrative Officer), Southern Zone, Central Industrial Security

ध्यान दें :—जिन पत्रों आवि में यह ध्योरा नहीं होगा संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

13. पते में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की ध्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 12 में उल्लिखित ध्योरे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्थीकार नहीं कर सकता।

Force, Madras relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 1st June, 1974 and assumed the charge of the said post at Madras Port Trust, Madras with effect from the forenoon of the same date.

No. E-38013(3)/13/74-Ad.I.—Shri G. R. Khosla, Assistant Commandant No. 19 Battalion Central Industrial Security Force, New Delhi, relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 20th April, 1974 and on appointment assumed the charge of the post of Assistant Commandant No. 8 Battalion, Central Industrial Security Force, New Delhi with effect from the forenoon of the same date.

No. E-38013(2)/5/74-Ad.I.—Shri A. B. Chowdhary, Commandant/Central Industrial Security Force, Calcutta Airport, assumed the additional charge of the post of Commandant 16 Battalion, Central Industrial Security Force, Ranchi, with effect from the forenoon of 23rd May, 1974 and relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 25th July, 1974.

No. E-32015(1)/5/74-Ad.I.—The President is pleased to appoint Lt. Col. O. D. Bakshi, as Commandant, CISF Unit, Bokaro Steel Ltd., Bokaro Steel City, on re-employment with effect from the forenoon of 20th September, 1974, until further orders.

L. S. BHIST,  
Inspector General.

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 15th October 1974

No. 25/2/74-RG(Ad.I).—The President is pleased to appoint Shri B. S. Narsimha Murthy, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Karnataka as Deputy Director of Census Operations in the same office on a purely temporary and *ad hoc* basis for the periods (i) with effect from the afternoon of 8th March 1974 upto the afternoon of 14th April 1974 and (ii) for a period of six months with effect from the forenoon of 15th May 1974.

2. The headquarters of Shri Narsimha Murthy will be at Bangalore.

3. Notification of even No. dated 14th August 1974 and the Corrigendum of 31st August, 1974, are hereby cancelled.

BADRI NATH,  
Deputy Registrar General, India  
Ex-officio Deputy Secretary.

## DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 14th October 1974

No. K(22)/AI.—The President is pleased to appoint Shri K. L. Khanzode to officiate as Assistant Manager (Administration) under the Directorate of Printing, with effect from 9-7-74 (F.N.) until further orders.

S. M. JAMBHOLKAR.  
Director of Printing

## MINISTRY OF FINANCE

DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS  
BANK NOTE PRESS

Dewas, the 8th October 1974

F. No. BNP/C/81/74.—Shri A. M. Chhipa, Junior Engineer Gujarat Electricity Board is appointed to officiate as Assistant Engineer (Electrical) in the revised scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Bank Note Press, Dewas (MP) with effect from 23-8-1974, on ad-hoc basis, for a period of one year or till the post is filled on regular basis, in accordance with recruitment rules, whichever is earlier.

The 9th October 1974

F. No. BNP/E/8/H-4.—The officiating appointment of Shri K. C. Hindaul Inspector Control, Currency Note Press, Nasik Road as Control Officer in the Bank Note Press, Dewas (MP) is continued on ad-hoc basis with effect from 1-10-74 to 31-12-74 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

R. RAMASWAMY,  
Officer on Special Duty.

OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR  
GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 11th October 1974

1. No. 1088-G.E.I/89-72 dated 25-2-1974

The Comptroller & Auditor General has been pleased to confirm the following I.A.A.S Officers from the dates shown against their names:—

S/Shri

1. Smt. Sarojini Das Gupta—20-5-73.
2. S. Rajaram—11-7-73.
3. S. R. Shivruin—11-7-73 (AN).
4. B. S. Thapliyal—20-7-73.
5. Utpal Bhattacharya—19-7-73.
6. V. N. Kaila—8-11-73.
7. Km. Bharti Prasad—11-7-73 (AN).
8. Tej Prakash—28-10-73.
9. Shailendra Pandey—11-7-73
10. Gopal Singh—11-7-73
11. K. K. Bangar—11-7-73.

2. No. 1582-G.E.I/66-74 dated 18-3-74

Shri N. G. Sen Chief Auditor, Eastern Railway, Calcutta will hold additional charge of the post of Chief Auditor, Railway Production Units, Calcutta, with effect from the afternoon of 16th March 1974 until further orders.

He relieved Shri S. M. Maitra, Chief Auditor, Railway Production Units, on 16th March, 1974 (AN).

3. No. 1600-G.E.I/288-70 dated 19-3-1974

The Comptroller and Auditor General of India is pleased to appoint, until further orders, Shri D. D. Dhingra I.A.A.S., in the grade of Additional Deputy Comptroller and Auditor General (scale Rs. 2500—125/2—2750) in officiating capacity, under the second proviso to F.R. 30(1), with effect from 21st July, 1973 while holding the post of Chief Pay and Accounts Officer, Department of Supply, New Delhi.

4. No. 1737-G.E.I/D-6/PF.III dated 26-3-1974

On return from leave from 3-12-1973 to 19-1-1974 with permission to prefix/suffix Sundays on 2-12-1973 and 20-1-1974 respectively Shri K. C. Das, I.A.A.S. has taken over as Accountant General, West Bengal with effect from 21-1-1973 (F.N.). He relieved Shri M. M. Mehta, I.A.A.S., of the additional charge.

5. No. 1972-G.E.I/S-48/Pt.VI, dated 30-3-1974

On return from leave from 21-12-1973 to 11-1-1974 with permission to suffix holidays on 12-1-1974 and 13-1-1974, Shri H. S. Samuel, I.A.A.S., has taken over as Chief Auditor South Eastern Railway, Calcutta, with effect from 14-1-1974 (FN). He relieved Shri M. Ramaswamy, I.A.A.S., of the additional charge.

6. No. 2284-G.E.I/S-142/PF, dated 23-4-1974

Comptroller and Auditor General of India has been pleased to promote temporarily Shri T. Sethumadhavan to officiate in the Junior Administrative Grade of the I.A.A.S. for the period 4-6-1973 to 23-7-1973 without prejudice to the claims of his seniors.

During the above period Shri Sethumadhavan held the charge of the post of Sr. Deputy Accountant General (RA) in addition to his own duties as Deputy Accountant General (Admn.) in the office of the Accountant General, Kerala, Trivandrum.

7. No. 2491-G.E.I/S-55/PF dated 4-5-1974

On relief from the post of the Accountant General (II) Tamil Nadu Madras, Shri R. K. A. Subrahmanyam took over charge as Accountant General, Orissa, Bhubaneswar on 7th January, 1974 (FN).

8. No. 2492-G.E.I/G-17/PF dated 4-5-1974

On relief from the post of Accountant General, Orissa Bhubaneswar on 7th January, 1974 (FN) Shri S. P. Gugnani has proceeded on training at the National Defence College New Delhi, with effect from the forenoon of 10th January, 1974.

9. No. 2493-G.E.I/G-9/PF dated 4-5-1974

On reversion to the Indian Audit & Accounts Department and after availing leave and joining time Shri R. C. Ghei, who had been posted as Accountant General, Kerala, Trivandrum, assumed charge of the post on the afternoon of 25th February, 1974.

10. No. 2763-G.E.I/M-15/PF dated 16-5-1974

Shri S. M. Maitra has taken the charge as Accountant General (I), Bihar, Ranchi on 22nd March 1974 (FN). He relieved Shri L. P. Khanna of additional charge.

11. No. 2764-G.E.I/K-8/PF dated 16-5-1974

On relief from the post of Officer on Special Duty, Shri L. P. Khanna has taken charge as Accountant General (II), Bihar, Patna with effect from 29th March, 1974 (FN).

12. No. 2973-GE.I/R-13/PF dated 25-5-1974

After availing leave from 10th April, 1974 to 27th April, 1974 Shri K. S. Rangamurti IAAS, assumed the charge as Officer on Special Duty (Pay Commission Cell) in the office of the Comptroller & Auditor General of India, New Delhi, on 28th April, 1974.

13. No. 2974-GE.I/R-13/PF dated 25-5-1974

After availing of leave from 11th March to 20th March, 1974 Shri K. S. Rangamurti, IAAS, assumed the charge as Officer on Special Duty (Pay Commission Cell), Office of the Comptroller and Auditor General of India, New Delhi on 21st March, 1974.

14. No. 3003-GE.I/D-9/PF dated 25-5-1974

Shri D. D. Dhingra, IAAS, Chief Pay & Accounts Officer Department of Supply, Ministry of Food & Agriculture, Deptt. of Rehabilitation, New Delhi, after expiry of leave preparatory to retirement from 11th December, 1973 to 3rd March, 1974 retired on attaining the age of superannuation with effect from 4th March, 1974(FN).

Shri P. P. Gangadharan, assumed the charge as Chief Pay and Accounts Officer on 10th December, 1973 (AN).

15. No. 3556-GE.I/147-74, dated 19th June 1974.

With effect from 1st July, 1974 the Chandigarh branch office of the office of the Accountant General, Himachal Pradesh and Chandigarh will be transferred from the office of the Accountant General, Himachal Pradesh & Chandigarh to the office of the Accountant General, Rajasthan as a temporary measure until further orders. Consequently the Accountant General, Himachal Pradesh & Chandigarh and Accountant General, Rajasthan will be redesignated as Accountant General, Himachal Pradesh and Accountant General, Rajasthan and Chandigarh respectively.

16. No. 3761-GE.I/R-4/PF, dated 26th June 1974.

On return from earned leave for 26 days from the 7th May, 1974 to 1st June, 1974 with permission to prefix holidays on 5th and 6th May and suffix holiday on 2nd June, 1974, Shri R. P. Ranga, resumed charge as Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commr.) with effect from the forenoon of 3rd June, 1974.

17. No. 3948-GE.I/A-15/PF-IV, dated 1st July 1974.

On return from leave from 7th May 1974 to 23rd May, 1974 Shri K. R. Ayyar, IAAS, has taken over the charge as Chief Auditor, Northern Railway, Delhi on 24th May, 1974 (FN). He relieved Shri G. B. Singh of the additional charge.

18. No. 3955-GE.I/N-3/PF, dated 1st July 1974.

On return from earned leave from 8th May 1974 to 24th May, 1974 Shri T. Narasimhan, IAAS, assumed the charge as Accountant General (I), Maharashtra, Bombay with effect from forenoon of 25th May, 1974. He relieved Shri T. C. Krishnan of the additional charge.

19. No. 4051-GE.I/S-45/PF, dated 6th July 1974.

On return from leave for 12 days from 29th April, 1974 to 10th May, 1974 with permission to prefix holiday on 28th

April 1974 and suffix holidays on 11th and 12th May, 1974 to the leave, Shri P. R. Shamasundar, IAAS, assumed the charge as Accountant General (II), Andhra Pradesh, Hyderabad on 13th May, 1974 (FN).

He relieved Shri G. Ramachandran of the additional charge.

20. No. 4052-GE.I/S-28/PF, dated 6th July 1974.

With effect from 1st January, 1974 Shri S. Manzur-e-Mustafa, Accountant General, Madhya Pradesh, has assumed the charge as Accountant General (I), Madhya Pradesh, Gwalior, Shri S. Ramachandran, Officer on Special Duty, has assumed the charge as Accountant General (II), Madhya Pradesh, Gwalior from the same date.

21. No. 4053-GE.I/B-16/PF, dated 6th July 1974.

On return from earned leave for 32 days from 1st March, 1974 to 1st April, 1974 Shri S. C. Banerjee has taken the charge as Chief Auditor, Railway Production Units, Calcutta with effect from the forenoon of April 2, 1974.

He relieved Shri N. G. Sen of the additional charge.

22. No. 4256-GE.I/G-5/PF.V, dated 10th July 1974.

On the expiry of leave and on reversion to the Indian Audit and Accounts Department Shri A. P. Ghosh has been posted as Chief Auditor, North Eastern Frontier Railway, Maligaon with effect from 15th June, 1974(AN).

He relieved Shri K. J. Kuriyan, I.A.A.S.

23. No. 4283-GE.I/R-13/PF.III, dated 11th July 1974.

On relief from the post of officer on Special Duty (Pay Commission Cell) in the office of the Comptroller and Auditor General of India, Shri K. S. Rangamurti took over as Chief Auditor, Northern Railway, New Delhi with effect from 21st June, 1974 (AN). He relieved Shri K. R. Ayyar, IAAS.

24. No. 4381-GE.I/K-34/PF, dated 11th July 1974.

Consequent upon his permanent absorption in the Bharat Heavy Electricals Ltd., (a Central Government Public Undertaking), in the Public interest, with effect from 1st September, 1973 Shri K. N. Khanna is deemed to have retired from Government service with effect from the same date, in terms of Rule 37 of the CCS (Pension) Rules, 1972.

25. No. 4421-GE.I/J-2/PF.V, dated 16th July 1974.

On return from earned leave from 1st June, 1974 to 29th June, 1974 with permission to suffix holiday on 30-6-1974, Shri R. Joshi resumed charge as Director (Staff) in the Office of the Comptroller & Auditor General of India, New Delhi, on 1st July, 1974 (FN).

26. No. 4489-GE.I/298-73, dated 19th July 1974.

On the results of the IAS etc. Examination, 1973, the undermentioned IAAS, Officers have been selected for appointment to the IAS and relieved from the Indian Audit and Accounts Department on the dates mentioned against each: —

## Sl. No., Name, Designation &amp; Office and Date of relief

1. Shri V. Pakshi Raja—IAAS Probationer, IAAS Staff College, Simla.—12-7-74(AN).
2. Shri R. N. Berwa—IAAS Probationer, IAAS Staff College, Simla—12-7-74 (AN).
3. Shri Lambor Rynjah—IAAS Probationer, IAAS Staff College, Simla—12-7-74 (AN).
4. Shri Trilok Kumar Dewan—IAAS Probationer, IAAS Staff College, Simla—12-7-74 (AN).
5. Shri Ventateswaran Ramnath—Asstt. Accountant General (On Probation) O/O the Accountant General Jammu & Kashmir, Srinagar.—1-7-74 (AN).

27. No. 4558-GE.I/M-18/PF.IV., dated 27th July 1974.

On transfer of Shri C. J. Malkani, IAAS has taken over charge as Officer on Special Duty (Provident Fund Accounts), Calcutta with effect from 25th June, 1974 (FN).

28. No. 4653-GE.I/M-12/PF, dated 26th July 1974.

On return from leave and on reversion to the Indian Audit & Accounts Department, Shri H. K. Maitra, IAAS, assumed charge as Addl. Deputy Comptroller & Auditor General (Railway) and ex-officio Director of Railway Audit with effect from forenoon of May 23, 1974.

M. P. GUPTA,  
Asstt. Comptroller and Auditor General (Personal).

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ORISSA

Bhubaneswar, the 1st October 1974

No. O.O.C.—617.—Accountant General has been pleased to sanction E.L. for 120 days with effect from 4-10-74 to Shri Md. Ismail, Accounts Officer. On expiry of E.L. Shri Md. Ismail will retire from service with effect from 31-1-75 A.N. on attaining the age of superannuation.

D. MISRA  
Accounts Officer (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS  
New Delhi, the 4th October, 1974

No. 40011/(2)/74-AN-A:—The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the pension establishment with effect from the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Sr. No.	Name with Roster Number	Grade	Date from which transferred to pension establishment.	Organisation
<b>S/Shrl</b>				
1. B. L. Khatter, (P/315)	.	Permanent Accounts Officer	31-11-74(A.N.)	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.
2. T. Gopalam, (P/420)	.	Permanent Accounts Officer	31-12-74 (A.N.)	Controller of Defenco Accounts (Factories) Calcutta.
3. T. Natanasikamani (P/707)	.	Permanent Accounts Officer	31-12-74 (N.A.)	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.

S. K. SUNDARAM,  
Addl. Controller General Defence Accounts (A.N.)

MINISTRY OF LABOUR  
LABOUR BUREAU

Simla, the 9th November 1974

No. 23/3/74-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 advanced by thirteen points to reach 334 (Three hundred and thirty-four) during the month of September, 1974. Converted to base 1949=100, index for the month of September, 1974 works out to 406 (four hundred and six).

S. SOMASUNDARAM IYER, Dy. Director.

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,

## KARNATAKA

Bangalore, the 9th October 1974

No. FSI/A4/394.—The Accountant General is pleased to promote until further orders the following Section Officers of this office as Accounts Officers in an officiating capacity with effect from 9-10-74 afternoon or from the date they take charge of their duties as Accounts Officers in this office, which ever is later.

S/Shri  
1. K. M. Rajagopal  
2. Syed Jamaluddin  
3. A. Wilfred  
4. K. Ananthapadmanabhan.

2. Shri A. K. Natarajan, Section Officer on deputation to Andaman and Nicobar Islands Administration, is also promoted as Accounts Officer from the date he takes over as Accounts Officer in the parent office or the date on which he is given proforma promotion. His promotion is also in officiating capacity until further orders.

All the promotions ordered are without prejudice to the claims of their seniors.

R. A. BORKAR  
Sr. Dy. Acctt. Genl. (Admn.)

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA

Trivandrum, the 3rd October 1974

No. Estt.A/VII/9-86/102.—The Accountant General, Kerala is pleased to appoint Shri K. Subramonia Iyer (No. 2), permanent Section Officer (Audit & Accounts), to officiate as Accounts Officer with effect from 2-8-1974, afternoon.

K. GANESAN,  
Deputy Accountant General (Admn.)

## MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF  
IMPORTS & EXPORTS

Madras-1, the 26th August 1974

## ORDER OF CANCELLATION

SUB.: *Cancellation of Customs copy of Import licence No. P/E/0209941/C/XX/48/M/37.38 dated 2-7-1973 issued to M/s. M. S. S. Sharma & Co., Vellore-1.*

No. ITC/Dup.Copy/3/AM.75/EI/475.—M/s. M. S. S. Sharma & Company, Vellore-1, were granted a licence No. P/E/0209941/C/XX/48/M/37.38 dated 2-7-1973 for

Rs. 1250/- (Rupees one thousand two hundred and fifty only) by this office for import of Instruments, apparatus and appliances and parts thereof etc. others—(S. No. 92(n)/V) for the period of April '73—March '74.

The firm have now applied for grant of duplicate copy of the Customs copy of the above licence on the ground that the original has been lost. In support of their contention, they have filed an affidavit.

I am satisfied that the original copy of the Customs copy of the licence has been lost and I directed that a duplicate copy of the Customs copy of the licence should be issued to the applicants firm. The original of the customs copy of the above licence is hereby cancelled to the extent of its full value (i.e. Rs. 1250/-.)

The 16th September 1974

#### ORDER

**SUB. : Cancellation of both Customs & Exchange Control Copies of licence No. P/S/1783240/C/XX/48/M/35-36 dt. 27-9-73 for Rs. 3,000/- for April/March 1973 period.**

File No. Agar470/A.M.73/SSS/1.—M/s. Eason & Company, No. 29, Thoppa Mudali Street, Madras-13, were issued a licence bearing No. P/S/1783240/C/XX/48/M/35-36 dt. 27-9-1973 for Rs. 3,000/- for April/March 1973 period for import of (1) Aromatic Chemicals other than banned, restricted and canalised and (2) Resinoids as per policy. The firm have applied for issue of duplicate copy of both Customs & Exchange Control Copies of the licence on the ground that both Customs & Exchange Control Copies of licence in question have been lost/misplaced without having been utilised at all. In support of their contention, they have filed an affidavit.

I am satisfied that both Customs & Exchange Control Copies of the licence have been lost or misplaced and a duplicate of the same may be issued to the firm.

Both Customs & Exchange Control Copies of the licence in question are hereby cancelled.

The 8th October 1974

#### ORDER OF CANCELLATION

**SUB. : Cancellation of Import licence (both Customs and Exchange Control copies) No. P/E/0209722 dated 14-5-73 issued to M/s. Acme Trading Corporation, Madras-1.**

No. ITC/Dup.Copy/4/AM.75/FI.301.—M/s. Acme Trading Corporation, Madras-1 were granted a licence No P/E/0209722/C/XX/47/M/37.38 dated 14-5-1973 for Rs. 1250/- (Rupees one thousand two hundred and fifty only) by this office for import of parts of machinery as specified in detail under S. No. 65(5)(iii)/V of ITC Schedule for April 73—March 74 period.

#### ORDER

No. J.C./18/Enf./74:—The following import licences were issued to M/s. Vaumex Enterprises 15/56-B, Civil Lines, Kanpur-208001.

Licence No. & Date	Value in Rs.	Description of goods.
1. P/M/2680715, dt. 12-2-74	2,88,230/-	Import of (i) Naphthalene, (ii) Adipic Acid, (iii) Titanium Potassium Oxalate & (iv) Dihydroxy Diphenyl Sublphore etc. against export of Leather/cotton piece goods.
2. P/M/2680707, dt. 6-2-74	8,347/-	
3. P/M/2680914, dt. 5-3-74	13,466/-	
4. P/M/2680920, dt. 6-3-74	1,86,745/-	
5. P/M/2681215, dt. 21-5-74	56/490/-	
6. P/M/2681216, dt. 21-5-74	25,380/-	
7. P/M/2681238, dt. 23-5-74	48,015/- and	
8. P/M/2681239, dt. 23-5-74	24,869/-	

2. Thereafter a show cause notice No. JC/18/Enf./74/574, dated 24-6-74 was issued asking them to show cause by 8-7-1974 as to why the said licences issued in their favour should not be cancelled in terms of 9/(cc) of the Imports (Control) Order, 1955, dt. 7-12-55 as amended for the reason that the licences will not serve the purpose for which they have been granted.

3. Show cause notice sent has been returned undelivered.

4. The undersigned has carefully examined the case and come to the conclusion that the unit is closed.

5. Having regard to what has been stated in the preceding paragraph, the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under Clause 9 Sub-clause (cc) of the Imports (Control) Order, 1955 hereby cancelled the following licences issued in favour of M/s. Vanumex Enterprises, 15/(65)-B, Civil Lines, Kanpur-208001.

Licence No. and date.	Value in Rs.
1. P/M/2680715, dt. 12-2-74	2,88,230/-
2. P/M/2680707, dt. 6-2-74	8,347/-
3. P/M/2680914, dt. 5-3-74	13,466/-
4. P/M/2680920, dt. 6-3-74	1,86,745/-
5. P/M/2681215, dt. 21-5-74	56,490/-
6. P/M/2681216, dt. 21-5-74	25,380/-
7. P/M/2681238, dt. 23-5-74	48,015/- and
8. P/M/2681239, dt. 23-5-74	24,869/-

The 4th October 1974

#### AMENDMENT ORDER

REF. —Amendment to Order No. JC/18/Enf/74, dated 26-9-1974.

No. JC/18/Enf/74—In columns 2 and 5 of the above cited order, "Clause 9 sub-clause (ce)" may be amended to read as "clause 9 sub-clause (cc)".

Other matter remain unaltered.

K. M. R. MENON,  
Deputy Chief Controller of Imports & Exports

DEPARTMENT OF SUPPLY  
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS  
(ADMN. BRANCH A-6)

New Delhi, the 9th September 1974

No. A-17011(65)/74-A-6.—Consequent on the acceptance of resignation tendered by him, Shri Pradeep Chopra was relieved of the post of Inspecting Officer (Under Training) in the Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service, Class I in the Bombay Inspection Circle Bombay under the Directorate General of Supplies & Disposals in the afternoon of the 31st May 1974

The 4th October 1974

No. A-1/1(242).—The President is pleased to appoint Shri Maihman Singh, Assistant Director of Supplies (Grade I) (Grade III of L.S.S.) in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay, to officiate on *ad hoc* basis as Deputy Director of Supplies, Grade II of the Indian Supply Service, in the office of the Director of Supplies & Disposals, Bombay, with effect from the afternoon of 4th September, 1974 and until further orders.

The 9th October 1974

No. A-6/247(231)/59/III.—The President is pleased to appoint Shri K. C. Chatterjee, Assistant Director of Inspection in Grade III of the Indian Inspection Service Metallurgical Branch, Class I to officiate as Deputy Director of Inspection in Grade II of the service with effect from the 11th September 1974 until further orders.

Shri Chatterjee relinquished charge of the post of Assistant Director of Inspection (Met.) Bhilai under the Metallurgical Inspectorate Jamshedpur from the afternoon of the 9th September 1974 and assumed charge of the post of Deputy Director of Inspection (Met.) in the Metallurgical Inspectorate Burnpur from 11-9-74.

S. K. JOSHI,  
Deputy Director (Admn.)

#### MINISTRY STEEL AND MINES

#### DEPARTMENT OF MINES

#### INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 7th September 1974

No. A19012(12)/70-Estt.A.—Shri G. D. Gupta, officiating Librarian was sanctioned Earned Leave for 37 days from 19-7-74 to 24-8-1974. On his selection to the post of Librarian in the Ministry of Labour, Shri G. D. Gupta has reverted back to the Labour Ministry. Accordingly he has been struck-off from the strength of this department with effect from the Afternoon of 24th August, 1974.

A. K. RAGHAVACHARY,  
Sr. Administrative Officer  
for Controller.

#### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-13, the 4th September 1974

No. 4/72/19A.—Shri B. S. Sud, Assistant Stores Officer (*Ad-hoc*), Geological Survey of India is reverted to the post of Stores Superintendent (Tech.) in the same Department with effect from the afternoon of 12-7-1974.

C KARUNAKARAN,  
Director General.

#### ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 11th October 1974

No. 6(24)/60-SI-Vol.II.—Shri Syed Hafeeuddin, Programme Executive, Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Hyderabad retired from service with effect from the afternoon of the 31st August, 1974.

SHANTI LAL,  
Deputy Director of Administration.  
for Director General.

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING  
FILMS DIVISION

Bombay 26 the 7th October 1974

No 5/32/67 Est I — The Chief Producer Films Division, has appointed Shri C K Madhava Rao Officiating Assistant Newsreel Officer, Films Division Trivandrum to officiate as Cameraman in the Films Division, New Delhi with effect from the forenoon of 13th September 1974

M K JAIN  
Assistant Administrative Officer  
for Chief Producer

MINISTRY OF AGRICULTURE  
(DEPARTMENT OF COOPERATION)  
DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION  
(HEAD OFFICE)

Faridabad, the 10th October 1974

No T 4-6(24)/74-A I—On the basis of the recommendations of the Union Public Service Commission, Kumari K P

Renuka has been appointed as Assistant Marketing Officer, Group II, on officiating basis in the Directorate of Marketing and Inspection at Bombay with effect from 12-9-1974 (F N) until further orders

N K MURALIDHARA RAO,  
Agricultural Marketing Adviser

## FOREST RESEARCH INSTITUTE &amp; COLLEGES

Dehra Dun the 11th October 1974

No 16/215/72 Est I —The President Forest Research Institute & Colleges Dehra Dun, hereby appoints Shri M P Singh, Forest Ranger of Uttar Pradesh Forest Department as Assistant Instructor Northern Forest Rangers College, Dehra Dun with effect from the forenoon of 11th September, 1974, until further orders

PREM KAPUR  
Registrar  
for President  
Forest Research Institute & Colleges

## OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 7th October 1974

No 10/4/74 FST —The following eleven Technical Assistants are appointed as Assistant Engineers in an Officiating Capacity in the Branch and with effect from the date shown against each, and until further orders —

S No	Name	Branch of Posting	Date of Appointment as Offg Asstt Engineer
1.	Shri S K Mukherjee (ii)	Switching Complex, Bombay	21-8-1974
2	" R J Pol	Do	22-8-1974
3	" Satpal Harbanslal	Calcutta Branch	9-9-1974
4	" J Chandrasekharan	Dhond Branch	01-9-1974
5	" M V K Kutty	Madras Branch	11-9-1974
6	" T Brahmananda Rao	Bombay Branch	12-9-1974
7	" L K Vyagra	Dhond Branch	13-9-1974
8	" K R Sreenivasan	Arvi Branch	16-9-1974
9	" O P Verma	New Delhi Branch	17-9-1974
10	" B Ramalingaiah	Bombay Branch	18-9-1974
11	" M V Shiravadekar	Headquarters Office, Bombay	20-9-1974

P G DAMLE,  
Director General,

Bombay the 7th October 1974

retired from service with effect from the afternoon of the 30th September, 1974

M S KRISHNASWAMY,  
Administrative Officer  
for Director General

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 7th October 1974

No A-12025/5/74-EC—The President is pleased to appoint the under mentioned persons in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department as Technical Officers on a temporary basis with effect from the date shown against each and until further orders —

S No	Name	Date from which appointed	Office/station to which posted
1	Shri Chandra Parkash	27-8-74 F N	A C S Delhi Airport, Palam
2	Shri M Irulappan	31-8-74 F N	A C S Calcutta
3	Shri Ashok Kumar Bansal	4-9-74 F N	A C S Delhi Airport, Palam
4	Shri T S Prakash	16-9-74 F N	Radio Construction & Development Units, New Delhi
5	Shri Vishwa Nath	5-9-74 F N	R C & D Units, New Delhi.

H L KOHLI,  
Deputy Director of Administration,  
for Director General of Civil Aviation

## INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

Memorandum on the rainfall of June and July and the long range rainfall forecast for August and September, 1974

*1. Wheather in India during June and July :*

The rainfall for the months of June and July was in large excess in Arunachal Pradesh and Jammu and Kashmir, in moderate excess in Assam and Meghalaya and in slight excess in the Plains of west Uttar Pradesh, in Coastal Karnataka and Lakshadweep. It was normal in Nagaland, Manipur, Mizoram and Tripura, West Bengal, East Uttra Pradesh, Haryana, Punjab, Himachal Pradesh, Rajasthan State, Konkan, Tamil Nadu and Kerala. It was in slight defect in Bihar Plateau, Madhya Pradesh and north Interior Karnataka, in moderate defect in the Bay Islands, Hills of west Uttar Pradesh, Madhya Maharashtra, Marathwada, Vidarbha, Andhra Pradesh and south Interior Karnataka and in large defect in Orissa and Gujarat State.

*June:*—The southwest monsoon which had covered Cemorin-Maldive and Lakshadweep area, Kerala, most parts of the Bay of Bengal, Nagaland, Manipur, Mizoram and Tripura by 29th May, advanced further along the west coast upto south Konkan and into Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh and Sub-Himalayan West Bengal during the first week of June, under the influence of a depression which formed over north Bay on 29th May, crossed Bangla Desh coast on 31st May and weakened over Arunachal Pradesh on 2nd June. The monsoon advanced further only on 16th, covering north Andhra Pradesh, Orissa, Gangetic West Bengal, Bihar State, east Madhya Pradesh, Vidarbha, Marathwada between 16th and 18th, under the influence of a depression which formed over north Bay on 15th evening and crossing coast near Puri weakened into a low over Bihar-Plains on 20th. There was a lull in the monsoon from 19th to 27th. The monsoon covered north Konkan, north Madhya Maharashtra, south Gujarat, west Madhya Pradesh and east Uttar Pradesh by the end of June.

The onset of the monsoon over north Maharashtra, Gujarat State, Madhya Pradesh and Uttar Pradesh was delayed by 10—15 days.

Seven western disturbances moved across northwest India during the month causing excess of rainfall in many parts of northwest India.

The monsoon was active in Assam and adjacent states on some days in the first week and on many days in the third week. The monsoon was also active on many days in south Konkan and Goa in interior Maharashtra, Andhra Pradesh, coastal Karnataka, Bihar Plains and east Madhya Pradesh on a few days in the second fortnight. The monsoon was generally weak in the Peninsula during the first half of the month.

Vast areas of Manipur valley were reported to have been inundated by floods in the 1st week of June resulting in damage to crops and houses. Heavy rain in Assam and adjacent states between 20th and 23rd June caused serious floods in many parts of Assam leading to inundation of many villages, disruption of road communication and damage to standing Jute and Paddy crops.

The noteworthy amounts of heavy rainfall during the month were :—

Date	Station	Rainfall (cm.)	Date	Station	Rainfall (cm.)
3 . . . . .	Cherrapunji	20	4 . . . . .	Cooch Behar	15
7 . . . . .	Harnai	24	17 . . . . .	Honavar	22
20 . . . . .	Cherrapunji	35	20 . . . . .	Pasighat	23
22 . . . . .	Cherrapunji	23	22 . . . . .	Silchar	19
22 . . . . .	Ziro	17	22 . . . . .	Goalpara	16
24 . . . . .	Dabolim (Goa)	26	27 . . . . .	Kanker	15
30 . . . . .	Cherrapunji	27			

The rainfall for the month of June was in large excess if Punjab, Jammu and Kashmir, in moderate excess in Arunachal Pradesh, Assam and Meghalaya, Himachal Pradesh and west Rajasthan and in slight excess in North Interior Karnataka. It was normal in Haryana, Konkan, Telangana and Tamil Nadu. It was in slight defect in Nagaland, Manipur, Mizoram and Tripura, Sub-Himalayan West Bengal, east Madhya Pradesh, Marathwada, Coastal Andhra Pradesh, Rayalaseema and Lakshadweep, in moderate defect in the Bay Islands, Bihar Plains, Hills of west Uttar Pradesh, west Madhya Pradesh, Madhya Maharashtra, Vidarbha and coastal Karnataka and in large defect in Gangetic West Bengal, Orissa, Bihar Plateau, the Plains of Uttar Pradesh, in east Rajasthan, Gujarat State, South Interior Karnataka and Kerala.

*July:*—The monsoon did not advance further during the first 10 days of July. It advanced into north Gujarat, east Rajasthan and west Uttar Pradesh on 11th, into Haryana, Delhi, Chandigarh, Punjab, Himachal Pradesh and west Rajasthan on 12th and into Jammu and Kashmir on 16th, thereby covering the entire country by 16th July, under the influence of an upper air cyclonic circulation moving from north Bay to southwest Uttar Pradesh and adjoining east Rajasthan between 8th and 13th and merging with the monsoon trough on 14th, and a cyclonic circulation in the lower troposphere moving from Gangetic West Bengal to Bihar between 13th and 16th. The advance of the monsoon into north Gujarat and northwest India was also delayed by 10—15 days.

Eight western disturbances affected northwest India in July giving good rainfall in the Western Himalayas.

The monsoon was active to vigorous in Assam and adjacent States, West Bengal, Bihar Plains, Konkan and Goa, Karnataka and Kerala on many days during the month and in the plains of northwest India, Uttar Pradesh and west Madhya Pradesh on a few days. It was generally weak in Orissa, east Madhya Pradesh, Andhra Pradesh and Interior Maharashtra and Gujarat states, particularly in the second fortnight.

Bombay (Colaba) recorded a rainfall of 58 cm on 5th July which is an all time record for that place for the last 94 years for which published records are available. Heavy rain in Bombay city and other parts of Konkan in the first week of July is reported to have taken a toll of more than 50 lives and caused damage to property, particularly railway property. The life of Bombay city was paralysed and crippled on 4th and 5th. According to press reports, serious floods affected Assam and adjacent states, north Bengal, north Bihar, Karnataka and Kerala leading to inundation of many villages and damage to crops and houses in these states.

The principal amounts of rainfall during the month were :—

Date	Station	Rainfall (cm.)	Date	Station	Rainfall (cm.)
1 . . . . .	Jalpaiguri	28	1 . . . . .	Cherrapunji	23
2 . . . . .	Cherrapunji	37	2 . . . . .	Tezu	34
2 . . . . .	Pasighat	22	4 . . . . .	Vadakancheriy, Mancutavoddy	35 each
4 . . . . .	Mahabaleshwar	31	4 . . . . .	Bhira	26
4 . . . . .	Ratnagiri	23	4 . . . . .	Bombay(Colaba) Kasargode	21 each
5 . . . . .	Bombay (Colaba)	58	5 . . . . .	Boobay (Santa- cruz)	38
5 . . . . .	Agumbe	26	5 . . . . .	Mahabaleshwar	23
5 . . . . .	Cherrapunji Alibag	22 each	5 . . . . .	Honavar	20
6 . . . . .	Byndoor	20	11 . . . . .	Chiplun	20
12 . . . . .	Matheran, Bhira	22 each	15 . . . . .	Cherrapunji	40
16 . . . . .	Cherrapunji	45	16 . . . . .	Tonk	20
18 . . . . .	Cherrapunji	43	19 . . . . .	Cherrapunji	32
20 . . . . .	Chaparmukh	22	22 . . . . .	Mangalore AP	24
22 . . . . .	Kota City	20	25 . . . . .	Cherrapunji	22
26 . . . . .	Karkala	26	26 . . . . .	Byndoor	22
27 . . . . .	Cherrapunji	90	27 . . . . .	Karkala	20
31 . . . . .	Mangalore AP	20			

The rainfall for the month of July was in large excess in Arunachal Pradesh, Assam and Meghalaya, and Lakshadweep, in moderate excess in Nagaland, Manipur, Mizoram and Tripura, West Bengal, the Plains of west Uttar Pradesh, in east Rajasthan, Coastal Karnataka and Kerala and in slight excess in Bihar Plateau, east Uttar Pradesh, Haryana and Konkan. It was normal in Bihar Plains, the Hills of west Uttar Pradesh, Himachal Pradesh, west Rajasthan, west Madhya Pradesh, Tamil Nadu and South Interior Karnataka. It was in slight deficit in Jammu and Kashmir and Madhya Maharashtra, in moderate deficit in the Bay Islands, Punjab, east Madhya Pradesh, Vidarbha, Andhra Pradesh and north Interior Karnataka and in large deficit in Orissa, Gujarat State and Marathwada.

The following table gives for each sub-division the total rainfall during June and July, its departure from normal and percentage departure from normal :—

Rainfall in mm.

S. No.	Sub-Division (2)	Actual from (3)	Period June and July	
			Departure from normal (4)	Percentage departure from normal (5)
1. Bay Islands . . . . .		547.8	-295.7	-35
2. Arunachal Pradesh . . . . .		1898.9	+665.2	+54
3. Assam and Meghalaya . . . . .		1251.2	+372.2	+42
4. Nagaland, Manipur, Mizoram and Tripura . . . . .		769.6	+63.6	+9
5. Sub-Himalayan West Bengal . . . . .		1152.6	+81.9	+8
6. Gangetic West Bengal . . . . .		550.1	-18.6	-3
7. Orissa . . . . .		285.3	-301.3	-51
8. Bihar Plateau . . . . .		482.9	-65.8	-12
9. Bihar Plains* . . . . .		375.0	-128.0	-25
10. Uttar Pradesh, East . . . . .		408.5	-24.1	-5
11. Plains of West Uttar Pradesh . . . . .		451.8	+77.3	+21
12. Hills of West Uttar Pradesh* . . . . .		363.0	-244.0	-40
13. Haryana, Chandigarh and Delhi* . . . . .		222.0	-24.0	-10
14. Punjab . . . . .		200.5	+6.0	+3
15. Himachal Pradesh . . . . .		640.9	+24.6	+4
16. Jammu and Kashmir . . . . .		217.6	+76.8	+55
17. Rajasthan, West* . . . . .		121.0	0	0
18. Rajasthan, East* . . . . .		259.0	-29.0	-10
19. Madhya Pradesh, West . . . . .		394.7	-72.1	-15
20. Madhya Pradesh, East . . . . .		438.1	-135.1	-23
21. Gujarat Region, Daman, Dadra and Nagar Haveli . . . . .		139.7	-323.9	-70

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
22. Saurashtra and Kutch and Diu	.	91.5	-248.9	-73
23. Konkan and Goa	.	1698.4	+103.4	+6
24. Madhya Maharashtra	.	192.0	-68.6	-26
25. Marathwada	.	191.8	-122.8	-39
26. Vidarbha	.	318.7	-190.4	-37
27. Coastal Andhra Pradesh	.	174.3	-67.1	-28
28. Telangana	.	256.8	-122.9	-32
29. Rayalaseema	.	114.0	-61.0	-35
30. Tamil Nadu and Pondicherry	.	105.0	+3.4	+3
31. Coastal Karnataka	.	2263.9	+236.2	+12
32. Interior North Karnataka	.	175.3	-37.4	-17
33. Interior South Karnataka	.	134.2	-53.0	-28
34. Kerala	.	1067.5	-116.8	-10
35. Lakshadweep	.	793.6	+142.0	+22

\*Based on Weekly Weather Report.

### 2. Conditions having Influence on the rain of August and September, 1974 :

A mid season forecast of monsoon rainfall of August and September is usually issued in early August, based on previous weather conditions over certain parts of the world and enable us to form an estimate, within somewhat wide limits, of the mid-seasons rainfall of India during the period August and September. These predictions aim to pass a statistical test of 80% success, in other words they aim at being correct four times out of five on the average over a long series of years. The data used are given below :

#### INDIA :—

##### Indian Pressure :

Pressure in July 1974 was generally below normal in southwest and western India and in Assam and above normal in the rest or northeast India and adjoining peninsular regions.

##### Standard pressure surface heights :

- (i) Mean height of 500 mb level over Delhi, Jodhpur and Allahabad during March, 1974 at 12 GMT was 5799 gpm.
- (ii) Thickness between 700 and 500 mb levels over Calcutta during March, 1974 at 12 GMT was 2680 gpm.

##### Indo-Gangetic River Discharges :

Mean departure of total river discharges during April and May 1974 was in defect by 409 (1000 cusecs).

*Mauritius :* Pressure in July 1974 was in excess by 1.2 mb.

*South Rhodesia :* Rainfall from October 1973 to April 1974 was in excess,  
by 304.5 mm.

*South America :* Pressure departures are as follows :

		Buenos Aires	Cordoba	Santiago
April	1974	+3.6 mb	+1.5 mb	—
June	1974	-2.4 mb	-2.3 mb	+0.7 mb
July	1974	+0.8 mb	+0.7 mb	+1.7 mb

*Equatorial Pressure :* Pressure was in defect by 0.9 mb at Port Darwin in March to May, in excess by 0.1 mb at Seychelles in February and March and in defect by 0.8 mb at Jakarta from January to April.

##### 3. Inference from the information :

For the Peninsula taken to consist of Maharashtra, Gujarat, Madhya Pradesh, Interior North Karnataka, Telangana and Coastal Karnataka (excluding South Kanara) the factors used are, in the order of the decreasing reliability—South American Pressure, South Rhodesia Rain, Mauritius Pressure and the Mean Height of the 500 mb level. Of these factors, this year, South Rhodesia rain and mean height of 500 mb level are both very favourable, South American Pressure is moderately unfavourable, while Mauritius pressure is unfavourable. The Statistical analysis indicates that there is a four-to-one chance that the total rainfall in the Peninsula during August and September 1974 will lie above 98% of the normal.

*For Northwest India :*—taken to consist of Uttar Pradesh, Haryana, the Punjab, Himachal Pradesh, Delhi, Chandigarh and Rajasthan—the factors used are, in the order of decreasing reliability—Argentina Pressure, Mauritius Pressure, Indian Pressure, Indo-Gangetic River Discharges, Equatorial Pressure, and the Thickness between the 700 and 500 mb level over Calcutta. Of these factors, this year, Indo-Gangetic River Discharges and Indian Pressure are both very favourable, Thickness between 700 and 500 mb levels is slightly favourable, Equatorial Pressure is indifferent while Mauritius Pressure and Argentina Pressure are both very unfavourable. The Statistical analysis indicates that there is a four-to-one chance that the total rainfall in Northwest India during August and September 1974 will lie below 110% of the normal.

##### 4. Summary :

The total rainfall during August and September 1974 is likely to be nearly normal both in the Peninsula and Northwest India.

New Delhi,  
the 10th August 1974  
19th Sravana 1896 (S),

P. KOTESWARAM,  
Director General of Observatories,

## CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS COLLECTORATE

Allahabad, the 19th September 1974

No. 116/1974.—Shri Harish Chandra Verma, confirmed Office Superintendent of Central Excise, previously posted in the Central Excise Collectorate Headquarters Office, Kanpur, appointed to officiate as Administrative Officer of Central Excise until further order, in the scale of Rs. 650—30 740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, assumed charge as Administrative Officer of Customs, Gorakhpur, in the Customs Preventive Division, Gorakhpur, on 14-5-1974 (Forenoon). He further formally relieved Shri Hridaya Ram, Superintendent Customs, Class II of the above referred to additional charge, of the office of Administrative Officer on 15-5-1974 (Forenoon).

The 20th September 1974

No. 117/1974.—Shri Onkar Nath Gupta, officiating Superintendent, Central Excise, Class II, previously posted as Superintendent, Central Excise, Class II in the Central Excise Collectorate Hdqrs. Office, Allahabad, relinquished his charge in the afternoon of 31-8-1974 and retired from Government service with effect from the said date and hour.

H. B. DASS,  
Collector

Central Excise, Allahabad.

Chandigarh, the 10th October 1974

No. 292.—Shri K. L. Bajaj, Inspector (S.G.) of Central Excise Collectorate, Chandigarh is appointed until further orders, to officiate as Superintendent Central Excise Class II in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—EB—880—40—1000—EB—40—1200. Shri Bajaj took over the charge of the post of Superintendent of Central Excise Amritsar in the forenoon of the 19th Sept., 1974.

B. K. SETH,  
Collector

Patna, the 24th September 1974

No. II(7)1-ET/70/16571.—In pursuance of this office Estt. Order No. 274/1974 dated 12-9-74 appointing Sri P. N. Sinha, Office Superintendent of Central Excise and Customs to officiate provisionally as Administrative Officer of Central Excise and Customs Class II in the time scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 plus usual allowances as admissible under rules. Sri P. N. Sinha assumed charge as Administrative Officer (Hqrs) Central Excise Patna in the afternoon of 16-9-1974.

H. N. SAHU,  
Collector  
Central Excise, Patna.

Madras-600034, the 31st August 1974

C. No. II/3/43/74-Estt.—Shri Surajbansingh, Inspector of Central Excise, Madurai Collectorate has been appointed to officiate until further orders as Superintendent of Central Excise, Class II and posted to Manjoor MOR of Coonoor Division with effect from 25-7-74 A.N.

C. CHIDAMBARAM,  
Collector

CENTRAL WATER AND POWER COMMISSION  
(WATER WING)

New Delhi-22, the 11th October 1974

No. A-19012/471/74-Adm.V.—In continuation of this Commission's notification No. 12018/7/73-Adm.V. dated the 20th November, 1973, the Chairman, Central Water and Power Commission, hereby appoints Shri S. L. Ahluwalia, Senior Librarian to officiate as Special Officer (Documentation) at the Central Water and Power Research Station,

Poona, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 for a further period from 1-3-74 to 4-11-74 or till the Recruitment Rules for the said post are finalised and regular officer becomes available, whichever is earlier.

K. P. B. MENON  
Under Secy.  
for Chairman, C.W.&P. Commission

MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER  
OFFICE OF THE GENERAL MANAGER  
FARAKKA BARRAGE PROJECT

Farrakka, the 5th October 1974

No. PI-II/206.—Sri K. S. Hati has been appointed as Assistant Engineer (Mech.) in the Farakka Barrage Project, Ministry of Irrigation and Power, Government of India on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 20th March, 1974 upto the period of 31-12-74.

J. N. MONDAL,  
General Manager,  
Farakka Barrage Project

NORTHERN RAILWAY  
HEADQUARTERS OFFICE

New Delhi, the 30th September 1974

No. 19.—Shri R. S. Dutta, Personal Assistant to Chief Mechanical Engineer, Northern Railway retired from Railway service from the afternoon of 30th September, 1974.

C. S. PARAMESWARAN,  
General Manager

## OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Packpure Private Limited.*

Calcutta, the 4th October 1974

No. 25721/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act 1956, the name of the Packpure Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
North East Transport Agency Private Limited.*

Calcutta, the 4th October 1974

No. 25644/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act 1956, the name of the North East Transport Agency Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Moitra Traders Private Limited.*

Calcutta, the 4th October 1974

No. 23302/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act 1956, the name of the Moitra Traders Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Maganlal Zaverchand Private Limited.*

Calcutta, the 4th October 1974

No. 25924/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act 1956, the name of the Maganlal Zaverchand Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Kailashchand Navinchandra & Co. Private Limited.*

Calcutta, the 4th October 1974

No. 25925/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of the Kailashchand Navinchandra & Co. Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Kanyapur Machine Tools Limited*

Calcutta, the 4th October 1974

No. 26537/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section(3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Kanyapur Machine Tools Limited unless

cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

N. R. SIRCAR,  
Registrar of Companies  
West Bengal

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. Pollachi Trading Corporation Private Limited*

Calcutta, the 4th October 1974

No. DN/2049/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date herof the name of M/s. Pollachi Trading Corporation Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

S. SRINIVASAN,  
Assistant Registrar of Companies

### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

INCOME-TAX DEPARTMENT, MYSORE-II,

Bangalore, the

1974

Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in public interest to publish the names and the other particulars hereinfor specified relating to assessees :—

(i) being Individuals or Hindu Undivided Families who have been assessed on an income of more than Rs. 1 lakh.  
(ii) being Firms, Association of persons or Companies who have been assessed on an income of more than Rs. 10 lakhs, during the financial year 1973-74 under the provisions of the Income-tax Act, 1961.

In pursuance of the above and in exercise of the powers conferred by Section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other power enabling it in this behalf, the names and other particulars of the assessees aforesaid are hereby published as under :—

### SCHEDULE I

Individuals, H.U.Fs, who have been assessed on an income over Rs. one lakh during the financial year 1973-74.

Sl. No.	Name & address of the assessee	Status	Asst. year	Income returned		Tax payable by the assessee
				Income assessed	Tax paid by the assessee	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
1.	Kum. Arathi, P/r. M/s. Mangalore Ganesh Beedi Works, Vinoba Road, Mysore.	Individual	1973-74	Rs. 1,57,070 1,57,070	Rs. 1,12,301 1,12,301	
2.	Sri M. Ananda Rao, Pr. M/s. Mangalore Ganesh Beedi Works, Vinoba Road, Mysore.	Individual	1973-74	6,50,700 6,50,700	5,92,221 5,92,221	
3.	Sri Y. Abdulla Kunhi, P/r. M/s. Y. Mohidin Kunhi & Co., Ashokanagar, Mangalore.	Individual	1972-73	1,96,760 1,56,250	1,11,550 1,11,550	
4.	Sri Attur Vasudeva Prabhu Bunder, Mangalore	Individual	1973-74	1,19,833 1,19,910	78,117 78,117	
5.	Sri Attur Shankar Prabhu, Bunder, Mangalore.	Individual	1973-74	99,715 1,00,000	59,800 59,800	
6.	Sri Achut Poi Raiturkar, Margao, Goa.	II,U.F.	1973-74	83,610 J,04,650	64,078 65,269	
7.	Sri Bapalal K. Gosalia, Margao, Goa.	Individual	1971-72	67,686 1,06,170	61,610 40,519	
8.	Sri Y. D. Chougule, Marmagao.	H.U.F.	1972-73	1,17,625 1,25,665	83,411 79,247	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
				Rs.	Rs.
9.	V. D. Chougule, Marmagoa, Goa.	H.U.F.	1972-73	2,77,464	2,13,441
			1973-74	2,63,060 1,68,900	2,57,060 1,23,188
10.	Sri Y. D. Chougule, Marmagoa, Goa.	Individual	1973-74	1,68,900 1,20,765	2,37,695 79,341
11.	Sri V. D. Chougule, Marmagoa, Goa.	Individual	1973-74	1,21,240 1,39,980	88,156 96,582
12.	Sri Damodar M. Pai, Pr. M/s. Bharath Beedi Works, "Bharath Bag", Kadri, Mangalore.	Individual	1972-73	1,39,980 9,43,090	1,06,758 8,878,171
13.	Sri K. M. Eapen, No. 10, Infantry Road, Bangalore.	Individual	1973-74	1,16,380 1,16,390	74,879 74,879
14.	Sri S. N. Ghosh, Shoyreen Farm, White Field, Bangalore.	Individual	1971-72	1,09,820 1,09,660	65,701 59,767
15.	Sri J. N. Gurjar, Managing Director, Kirloskar sea Ltd., Bangalore.	Individual	1973-74	1,09,870 1,09,810	68,881 68,881
16.	Sri B. Ganapathi Pai, Pr. M/s. Bharath Beedi Works, "Bharath Bag", Kadri, Mangalore.	Individual	1972-73	9,39,810 9,39,810	8,74,966 8,74,966
17.	Sri C. X. George, Prop. M/s Wood Briar Tea Traders, Bunder, Mangalore.	Individual	1973-74	1,38,860 1,39,590	96,590 68,060
18.	Sri M. Govinda Rao, Pr. in M/s. Mangalore Ganesh Beedi Works, Vinoba Road, Mysore.	Individual	1973-74	5,76,590 5,76,590	5,18,877 5,18,877
19.	Sri P. Gopalakrishna Mallya, C/o. M/s. Kasturi Sheshagiri Pai & Co., Mission Street, Mangalore.	Individual	1973-74	1,95,370 1,95,160	1,47,348 1,47,348
20.	Sri Hansraj Juneja, M/s. Hansraj & Co., S. J. P. Road, Bangalore.	Individual	1973-74	1,59,290 1,60,430	1,15,396 1,15,396
21.	Mrs. M. Hemalatha, Pr. M/s. Mangalore Ganesh Beedi Works, Vinoba Road, Mysore.	Individual	1973-74	12,98,320 12,98,320	12,25,383 12,25,383
22.	Sri N. G. Iyengar, C/o Mysore Electrical Industries, Yeshwanthpur, Bangalore.	Individual	1973-74	1,39,280 1,39,280	90,244 90,244
23.	Smt. S. F. Irani, "Krupalaya", Nazarbad, Mysore.	Individual	1973-74	1,03,465 1,03,214	63,268 63,268
24.	Dr. H. Job, C/o Canara Bank, Taxation Section, Head Office, Bangalore.	Individual	1973-74	60,380 1,23,080	81,034 26,756
25.	Sri M. Janardhana Rao, Pr. M/s. Mangalore Ganesh Beedi Works, Vinoba Road, Mysore.	Individual	1973-74	17,69,720 17,69,720	16,86,053 16,86,053
26.	Sri Jayanthilal Gokuldas, Pr. M/s. Jayanthilal Bros., Mission Street, Mangalore.	Individual	1972-73	1,24,815 1,26,100 1,15,660	83,812 83,812 75,652
27.	Sri T. Krishna Rao, Advocate, No. 229, Palace Orchards, Bangalore-6.	Individual	1973-74	1,17,230 1,37,410	75,652 94,236
28.	Sri S. Krishnamurthy, No. 317, N. R. Colony, Bangalore-19.	Individual	1973-74	1,37,410 1,07,275	94,236 66,498
				1,07,280	66,498

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
29.	Sri C. N. Krishnamurthy, No. 415/1, Palace Upper Orchards, Bangalore.	Individual	1973-74	Rs. 97,594 1,39,250	Rs. 95,910 94,162
30.	Sri M. A. Krishnamachari, 20, IX Cross, Malleswaram, Bangalore-3.	Individual	1973-74	1,15,660 1,15,660	74,207 74,207
31.	Smt M. Kaveraibai, Pr M/s Ananda Transports and Printers, Vinoba Road, Mysore.	Individual	1973-74	3,97,730 3,97,730	3,38,688 3,38,688
32.	Sri Kasturi Damodara Pai C/o. M/s Great Darbar Beedi Works, Mission Street, Mangalore.	Individual	1973-74	1,41,100 1,41,000	97,520 97,520
33.	Sri Kasturi Panduranga Pai, C/o M/s Great Darbar Beedi Works, Mission Street, Mangalore.	Individual	1973-74	1,36,610 1,36,620	93,491 93,491
34.	Sri Kasturi Dinesh Pai, C/o M/s Great Darbar Beedi Works, Mission Street, Mangalore	Individual	1973-74	1,18,260 1,18,360	76,687 76,687
35.	Sri Kasturi Ramesh Pai, C/o. M/s Great Darbar Beedi Works, Mission Street, Mangalore.	Individual	1973-74	1,58,180 1,58,290	1,13,427 1,13,326
36.	Sri N. T. Kapadia, Camp, Belgaum.	Individual	1973-74	1,03,624 1,05,470	64,833 63,097
37.	Sri Krishnakumar Agrawal, Margao, Goa.	H. U. F.	1971-72	99,028 1,12,140	56,399 Nil
38.	Sri A. S. Lakshman, 14 Netaji Road, Bangalore.	Individual	1972-73	1,09,625 1,11,350	68,660 68,660
39.	Sri J. G. L. Morris, By Agents D'Souza & D' Silva, Advocates, Bangalore.	Individual	1973-74	2,01,380 2,01,380	79,010 79,010
40.	Sri Madhusudhan D. Kushe, C/o M/s P.V.S. Beedies, Pvt. Ltd. Kodabail, Mangalore	Individual	1973-74	2,16,270 2,16,390	1,67,821 1,67,704
41.	Sri Y. Moidin Kunhi, P/r. M/s Y. Moidin Kunhi & Co., Ashokenagar, Mangalore.	Individual	1972-73	1,88,790 1,56,240	1,11,541 1,11,541
42.	Sri Y. Mohammed Kunhi, P/r. M/s Y. Moidin Kunhi & Co., Ashokenagar, Mangalore-6	Individual	1972-73	1,77,210 1,38,610	95,321 95,321
43.	Sri U. Mohandas Pai, P/i M/s. Srinivasa Bros., Car Street, Mangalore.	Individual	1973-74	1,01,630 1,01,770	61,428 61,428
44.	Sri G. H. Namazil, C/o. J. Srinivasan, Chartered Accountant, No. 24/1, N. R. Road, Bangalore.	Individual	1973-74	1,74,470 1,74,470	1,27,322 1,27,322
45.	Mrs. Nagarathna A. Rao, M/s Ananda Transports & Printers, Vinoba Road, Mysore	Individual	1973-74	1,26,270 1,26,270	78,161 78,161
46.	Sri V. T. Padmanabhan & Sons, Lakshmi Vilas, High Grounds, Bangalore.	H. U. F.	1973-74	65,440 1,08,160	67,307 48,913
47.	Mrs. M. Pushpalatha, Pr M/s Mangalore Danesha Beedi Works, Vinoba Road, Mysore.	Individual	1973-74	11,00,820 11,00,820	10,31,515 10,31,515
48.	Sri S. Prabhakar Tholar, M/s Prabhakara Tile Works, Coondapur.	Individual	1973-74	1,14,050 1,15,040	73,637 73,637
49.	Sri Ravi L. Kirloskar, C/o Kirloskar Electric Co., Ltd., Bangalore.	Individual	1973-74	1,79,250 1,79,870	1,33,280 1,33,280

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
50.	Sri S. V. Rangaswamy, C/o S. V. Rangaswamy & Co., Kalisipalyam, Bangalore.	Individual	1973-74	1,08,570 1,07,550	66,746 66,746
51.	Sri B. Raghurama Prabhu, Pr. M/s Mangalore Ganesh Beedi Works, Vinoba Road, Mysore.	Individual	1973-74	11,78,010 11,78,010	11,07,736 11,07,736
52.	Smt. D. Ramabai, Pr. M/s Ananda Transports & Printers, Vinoba Road, Mysore.	Individual	1973-74	1,42,470 1,42,470	94,937 94,937
53.	Sri K. M. Ramadas Prabhu, M/s K. M. Ananda Prabhu & Sons, Bunder, Mangalore.	Individual	1973-74	2,42,770 2,43,090	1,93,921 1,93,921
54.	Smt. Radha Bai P. V. Shet, C/o P. V. S. Beedies Pvt. Ltd., Kodialbail, Mangalore.	Individual	1973-74	2,12,430 2,12,430	1,63,950 1,63,950
55.	Sri M. Rajagopal Pai, Sowcar Mahal, Car Street, Mangalore.	Individual	1973-74	1,02,830 1,02,970	62,531 62,531
56.	Sri S. G. Sundara Swamy, Advocate, No. 25, 1st Main Road, Gandhinagar, Bangalore-9.	Individual	1973-74	1,30,110 1,33,020	90,178 90,178
57.	Sri B. L. Subbavayamurthy, No 103, Shanker Rutt Road Basavanagudi, Bangalore.	Individual	1973-74	95,470 1,07,580	66,774 33,242
58.	Sri S. Santhanam C/o. Amco Batteries Ltd, Unity Buildings, Bangalore.	Individual	1973-74	1,27,260 1,31,260	88,559 88,559
59.	Sri S. V. Subramanyam, St. Marks Road, Bangalore.	Individual	1971-72	1,26,955 1,45,380	97,134 81,535
60.	Sri M. P. Shankaranarayana Shenoy, Pr. M/s. Ananda Transports & Printers, Vinoba Road, Mysore.	Individual	1973-74	1,69,260 1,69,260	1,21,951 1,21,951
61.	Sri K. M. Shankaraprabhu, C/o. K. M. Ananda Prabhu & Sons, Bunder, Mangalore.	Individual	1973-74	2,32,970 2,32,100	1,83,179 1,83,179
62.	Sri P. Shivananda Mallya, M/s. Great Durbar Beedi Works, Mission Street, Mangalore.	Individual	1973-74	1,21,529 1,21,540	79,617 79,608
63.	Sri M. Suresh Rao, Pr. M/s. Mangalore Ganesh Beedi Works, Vinoba Road, Mysore.	Individual	1973-74	8,21,490 8,21,490	7,59,167 7,59,167

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
64.	Sri V. M. Salgoacar, Vasco	HUF	1972-73	Rs. 1,37,418	Rs. 98,688
				1,42,280	94,132
65.	Sri R. M. Salgaocar, Vasco	HUF	1972-73	1,11,443	73,996
				1,15,431	73,025
66.	Smt. V. P. Thirulakshmi Lakshminivilas, High Grounds, Bangalore.	Individual	1973-74	93,289	71,935
				1,13,190	53,928
67.	Smt. V. V. Thirukamalam, Lakshminivilas, High Grounds, Bangalore.	Individual	1973-74	84,183	61,447
				1,01,790	23,195
68.	Sri V. P. Thirumurthy, Lakshmi Vilas, High Grounds, Bangalore.	Individual	1973-74	86,555	67,546
				1,08,420	48,207
69.	Sri M. S. Thammanna Gowda P. W. D. Contractor, Hassan,	HUF	1973-74	1,01,159	70,383
				1,08,340	60,882
70.	Sri V. V. Vijendra Lakshmi Vilas, High Grounds, Bangalore.	Individual	1973-74	1,19,329	94,788
				1,38,030	87,928
71.	Kum. Vathsala, Pr. M/s. Mangalore Ganesha Beedi Works, Vinoba Road, Mysore.	Individual	1973-74	1,58,000	1,13,160
				1,58,000	1,13,160
72.	Sri M. Viswanatha Rao, Pr. M/s. Mangalore Ganesha Beedi Works, Vinoba Road, Mysore.	Individual	1973-74	8,29,660	7,67,154
				8,29,660	7,67,154
73.	Sri M. Vinoba Rao, Pr. M/s. Mangalore Ganesha Beedi Works, Vinoba Road, Mysore.	Individual	1973-74	7,97,790	7,35,439
				7,97,790	7,35,439
74.	Sri K. M. Vishnudas Prabhu C/o. M/s. Ananda Prabhu & Sons, Mangalore.	Individual	1973-74	2,54,870	2,05,494
				2,54,930	2,05,494
75.	Sri T. K. Varkey, Railway Contractor, Puttur (SK)	Individual	1973-74	1,01,930	68,834
				1,09,820	61,477
76.	Sri & Smt. Vasudev V. Dempo Panaji, Goa	BOI	1973-74	1,15,600	74,152
				1,15,600	80,435
77.	Sri Vasudev V. Dempo. Panaji, Goa	Individual	1973-74	1,22,750	80,730
				1,22,750	78,780
78.	Sri & Smt. Vaikuntarao S. Dempo, Panaji, Goa	BOI	1973-74	1,07,560	55,785
				1,08,310	54,769
79.	Sri Vaikuntarao S. Dempo Panaji, Goa	Individual	1973-74	1,48,830	1,05,073
				1,49,210	1,05,211
80.	Sri & Smt. Vasantarao S. Dempo, Panaji, Goa	BOI	1973-74	1,74,410	1,28,257
				1,74,410	1,25,763
81.	Sri Vasantarao S. Dempo Panaji, Goa	Individual	1973-74	1,84,730	1,37,752
				1,84,730	1,42,354
82.	Sri D. N. Vatcha, Commercial Director, Motor Industries Co., Ltd, Bangalore.	Individual	1973-74	1,99,940	1,51,745
				1,99,940	1,51,745

## SCHEDULE II

Firms, Association of Persons and Companies who have been assessed on an income of over Rs. 10 lakhs during the financial year 1973-74.

Sl. No.	Name & Address of the assessee	Status	Asst. year	Income returned by the assessee	
				Income assessed	Tax payable by the assessee
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
				Rs	Rs.
1.	M/s. Ananda Transports & Printers, Vinoba Road, Mysore.	Registered Firm	1973-74	19,77,150 19,77,150	5,29,272 5,29,272
2.	M/s. Cawasji & Co., No. 10, Alexandra Street, Bangalore.	Registered Firm	1973-71	61,34,317 61,49,430	16,80,820 16,80,820
3.	M/s. Kasthuri Sheshagiri Pai & Co., Mission Street, Mangalore.	Registered Firm	1973-74	11,63,180 11,63,180	3,04,616 3,04,616
4.	Mysore Small Industries Corporation Ltd., Industrial Estate, Rajajinagar, Bangalore-10.	Company	1973-74	16,25,080 16,25,000	9,38,173 9,38,173
5.	M/s. Mysore Minerals Ltd. No. 67/2, Lavelle Road, Bangalore-1.	Company	1973-74	11,00,340 11,01,710	6,36,237 6,36,237
6.	M/s. Mangalore Ganesha Beedi Works, Vinoba Road, Mysore.	Registered Firm	1973-74	1,14,57,470 1,14,57,470	31,45,839 31,45,839
7.	M/s Prakash Beedies Pvt. Ltd., Bunder, Mangalore.	Company	1973-74	13,46,940 13,56,710	8,02,227 8,02,227
8.	M/s. P. V. S. Beedies (P) Ltd., Kodialbail, Mangalore-6.	Company	1973-74	27,67,240 27,77,630	16,97,407 16,90,862
9.	Robert Bosch, C/o MICO, Audugodi, Bangalore.	Company	1973-74	36,43,140 36,43,140	21,89,999 21,89,999

In the above cases (Schedule I & II) either the time for presenting an appeal to the Appellate Asstt. Commissioner of Income-tax has expired without an appeal having been presented or the appeal, if presented has been disposed of.

A. BALASUBRAMANIAN  
Commissioner of Income-tax  
Mysore-I, Bangalore

## Income-tax Department, Mysore-II, Bangalore

Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in public interest to publish the names and other particulars hereinafter specified relating to assesses:—

- (i) being Individuals or Hindu Undivided Families, who have been assessed on an income of more than Rs. 1 lakh;
- (ii) being Firms, Association of Persons or Companies who have been assessed on an income of more than Rs. 10 lakhs; during the financial year 1973-74, under the provisions of the Income-tax Act, 1961.

In pursuance of the above and in exercise of the powers conferred by Section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and all other powers enabling it in this behalf, the names and other particulars of the assesses aforesaid are hereby published as under:

## SCHEDULE-I

Individuals, H.U.F.s, who have been assessed on an income over Rs. 1 lakh during the Financial year 1973-74

Sl. No.	Name and address of the assessee	Status	Asst. year	Income returned		Tax payable by the assessee
				Income assessed	Tax paid by the assessee	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
1.	Sri Abdul Gaffar Haji Latif, C/o M/s. Haji Abdul Latif Tayub & Co., No. 263, O.T. Pet, Bangalore.	Individual	1973-74	1,03,277	66,663	
				1,07,460	66,663	
2.	Shri S. G. Angadi, Prop. Ganesh Talkies, Hubli	Individual	1971-72	67,240	72,156	
			1972-73	1,06,000 Return not filed	55 1,09,387	
				550		
			1973-74	1,00,000 Return not filed	68,006	
					10,860	
3.	Sri M. K. Dattaraj, C/o M/s. Nirmal Agencies, O. T. Pet, Bangalore.	H.U.F.	1973-74	1,00,000 1,16,753	68,125	
				1,16,860	68,125	
4.	Sri G. II. Guruswami, Excise Contractor, Station Road, Raichur	Individual	1973-74	1,02,520	75,496	
				1,07,840	24,600	
5.	Sri Haji Harron Haji Latif, M/s. Haji Abdul Latif Tayub & Co., No. 263, O. T. Pet, Bangalore.	Individual	1973-74	1,03,276	66,663	
				1,07,460	66,663	
6.	Sri Haji Mohd. Hussain Haji Latif, M/s. Haji Abdul Latif Tayub & Co. No. 263, O. T. Pet, Bangalore.	Individual	1973-74	1,03,290	66,682	
				1,07,480	66,682	
7.	Sri Haji Abubaker Haji Latif, C/o M/s. Haji Abdul Latif Tayub & CO., O. T. Pet, Bangalore.	Individual	1973-74	1,38,450	95,174	
				1,38,450	95,174	
8.	Smt. R. S. Janabai, C/o M/s. R. H. & Sons, Davanagere.	Individual	1973-74	1,41,800	98,514	
				1,42,080	98,514	
9.	Sri Mahadevappa, G. C/o M/s. G. Mahadevappa & Bros., Mandipot, Davanagere	H.U.F.	1972-73	48,216	94,429	
				1,37,640	94,429	
10.	Sri R. Nandalal, Pr. M/s. Roopchand Righram, No. 52, V. Main Road, Gandhinagar, Bangalore-9.	H.U.F.	1973-74	9,7170	60,250	
				1,01,050	60,250	
11.	Sri R. G. Philar, No. 28, I Main Road, Gandhinagar, Bangalore-9.	Individual	1973-74	1,16,950	76,562	
				1,19,110	76,562	
12.	Dr. R. B. Patil, Vidyanagar, Hubli-21.	Individual	1973-74	1,10,706	70,141	
				1,11,240	70,141	
13.	Dr. C. A. Phalnikar, Managing Director, Mysore Kirloskar Ltd., Yantrapur, Harihar.	Individual	1973-74	1,67,155	1,21,642	
				1,67,220	1,21,642	
14.	Sri H. Prakash, L/R of late R. Gurumukhdas, C/o Roopchand Righram, No. 52, V Main Road, Gandhinagar, Bangalore-9.	H.U.F.	1973-74	1,05,170	64,483	
				1,05,090	64,483	
15.	Sri S. M. Ramakrishna Rao, Fort, Bangalore-2.	Individual	1972-73	1,24,580	83,176	
				1,23,870	82,414	
16.	Sri B. A. Rao, Prop. Rico Trading Co., N. R. Road, Bangalore.	Individual	1973-74	1,46,250	1,02,819	
				1,46,758	1,06,969	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
17. Rudolf Huth, Technical Director, C/o Mysore Iron & Steel Ltd., Bhadravathi.	Individual	1971-72	2,66,895	2,07,751	
			2,66,900	2,07,748	
		1972-73	2,42,104	1,92,954	
			2,42,100	1,92,954	
18. Sri H. T. Ramulu, Excise Contractor, Station Road, Raichur.	Individual	1973-74	Original Revised	93,770 98,470	83,113
				1,15,230	26,696
19. Sri R. R. Srinivasamurthy, C/o. M/s. R. H. & Sons, Davangere.	Individual	1973-74		1,33,060	90,772
				1,33,060	90,772
20. Sri R. S. Viswanath, Pr. : M/s. R. H. & Sons, Davangere.	Individual	1973-74		1,22,220	80,378
				1,22,890	80,378

**SCHEDULE-II**

Firms, Association of persons and Companies who have been assessed on an income of over Rs. 10 lakhs during the Financial Year 1973-74.

Sl.	Name and address of the assessee	Status	Asstt. year	Income returned	Tax payable by
				Income assessed	the assessee
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. The Mysore Kirloskar Limited, Yantrapur, Harihar.		Company	1973-74	Rs. 72,25,378 71,00,202	Rs. 40,36,622 40,36,632

In the above cases (Schedule I & II) either the time for presenting an appeal to the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax has expired without an appeal having been presented or the appeal, if presented has been disposed off.)

**(DEPARTMENT OF REVENUE & INSURANCE)**

Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in public interest to publish the names and other particulars hereinafter specified relating to assessees on whom a penalty of not less than Rs. 5,000/- was imposed during the Financial Year 1973-74 under the provisions of the Income-tax Act, 1961.

In pursuance of the above and in exercise of the powers conferred by Section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in this behalf, the names and other particulars of the assessees aforesaid are hereby published as under :—

**PARTICULARS OF CASES IN WHICH PENALTIES WERE IMPOSED DURING THE  
FINANCIAL YEAR 1973-74**

Sl. No.	Name and address of the assessee	Status	Asstt. year	Amount of penalty levied	Nature of penalty (Section under which the penalty was im- posed)
1.	Sri Basavant Rao, Gurumitkal, Gangavati.	Individual	1966-67	Rs. 5,600	271 (1) (c)
2.	M/s. P. V. Sindur, Savanur.	Registered Firm	1970-71	8,200	271 (1) (c)
3.	Sr. B. Subba Rao Ambika Bhavan, Bellary.	Individual	1968-69	18,500	271 (1) (c)

In the above cases either the time for presenting an appeal to the Income-tax Appellate Tribunal has expired without an appeal having been presented or the appeal, if presented has been disposed of.

B. A. SHARIFF  
Commissioner of Income-tax,  
H. K. SHIVASHANKAR,  
Income-tax Officer (S.I.B.)  
*for* Commissioner of Income-tax,  
Karnataka-II, Bangalore.

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD,  
MADRAS-6.

Madras-6, the 30th September 1974

Ref. No. F. IX/3/258/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11-A, situated at Casa Major Road, Egmore, Madras-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR-II, Madras on 29-3-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri G. Ram Manohar, 11, Casa Major Road, Madras-8.

(Transferor)

(2) Miss K. Shalini, Minor by mother & guardian Mrs. K. Subhapradha, 11-A, Casa Major Road, Egmore, Madras-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immoveable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Undivided half share in House measuring about 2150 sq. ft. situated in 2 grounds and 2205 sq. ft. at No. 11-A, Casa Major Road, Egmore, Madras-8.

K. V. RAJAN,

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6.

Date : 30-9-74

SEAL :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Kamala Devi  
Sri Loonchand Chordia,  
Sri Rangroopchand Chordia,  
Sri Kailashchand Chordia.  
Sri Pradeepkumar Chordia.

(Transferor)

(2) Shri Pannalal Surana,  
Smt. Pushi Bai.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD,  
MADRAS-6.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

Madras-6, the 30th September 1974

Ref. No. F. No. IX/3/246.—Whereas, I. K. V. Rajan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 11 & 12 situated at Kandappa Mudali St., Sowcarpet, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at JSR-II, Madras on February 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Nos. 11 & 12, Kandappa Mudali Street, Sowcarpet, Madras, measuring about 2042.36 sq. ft.

K. V. RAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-1, Madras-16.

Date : 30-9-74

Seal :

**FORM ITNS**

M s. Lands, Housings & Development Company, 3, Mangoe Lane, Calcutta-1  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, P-13, CHOWRINGHEE  
SQUARE, CALCUTTA-1**

Calcutta-1, the 24th September 1974

Ref. No. Ac-45/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I R L Butani, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No 57/2, situated at Diamond Harbour Road, P S Ekbalpur, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer District Registrar, 24-Parganas, Alipore on 22-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, In pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Sri Ashim Chandra Daw, 12, Shub Krishna Daw Lane Calcutta-7  
(Transfector)

- (1) Smi Aruna Rani Daw,
- (2) Smi Archana Rani Daw,
- (3) Smi Ajanta Rani Dutta &
- (4) Smi Amita Rani Daw.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Undivided 1/5th share in land measuring 1-bigha, 1-chittack and 41 sq ft. at No. 57/2 Diamond Harbour Road, P S Ekbalpur, Calcutta

R. L. BUTANI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-II, P-13, Chowringhee  
Square, Calcutta-1

Date : 24-9-1974

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Ramkrishan Kulwantrai Steels (P) Ltd., No. 35, Sembudoss St., Madras-1.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD,  
MADRAS-6.

Madras-6, the 4th October 1974

Ref. No. F. IX/3/17/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No 4, situated at Commander-in-Chief Road, Egmore, Madras-8,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR-II, Madras on February 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(2) Mr. Balwant Rai, 4/6, Commander-in-Chief Road, Egmore, Madras-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Vacant Land measuring 6 grounds and 194 sq. ft. at Door No. 4, Commander-in-Chief Road, Egmore, Madras-8.

K. V. RAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-1,  
MADRAS-6.

Date : 4-10-1974

Seal :

## FORM JTNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 123, MOUNT ROAD,  
MADRAS-6.

Madras-6, the 4th October 1974

Ref. No. I. XIX/22/9/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 522 acres situated at Courtalam village, tenkasi Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at Tenkasi on February, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri E. C. K. Lingam, K. Chidambaram, K. Sankar, K. Natesan, No 2, Jubilee St., Ilanjji, Tankasi Taluk.  
(Transferor)
- (2) Madura South India Corporation (P) Ltd., 6, Armenian St., Madras-1.  
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning and given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 5.22 acres under resurvey No. 2/1B in Courtalam Village, Tenkasi Taluk.

K. V. RAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-IV,  
MADRAS-6.

Date : 4-10-1974

Seal :

## FORM ITNS

(2) S/Shri T. P. Murugan, 2. T. P. Sivarandam, 3. T. P. Srimivasagam 4. T. P. Pragasam, Tuticorn.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD,  
MADRAS-6.

Madras-6, the 4th October 1974

Ref. No. F. XII/8/4/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 5.48 acres situated at Ward No. 14, Ettayapuram Road, Kovilpatti,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kovilpatti on March, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri V. Balakumar, (2) B. Venkateswara Eddu, Pandu St., Ettayapuram,  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Punja lands measuring about 5.48 acres at Ward No. 14, Ettayapuram Road, Kovilpatti, Tirunelveli Dt.

K. V. RAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6.

Date : 4-10-1974

Seal :

## FORM ITNS —————

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IAC OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD,  
MADRAS-6

Madras-6, the 4th October 1974

Ref No F IX/3/251/74-75—Whereas, I, K V Rajan, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing door No 46, situated at Muthumari Chetty St, Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR-II, Madras on February 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

- (1) South India Corporation (Agencies) (P) Ltd., 99, Armenian St, Madras-1  
(Transferor)
- (2) Shri V M Abdul Salam, New Street, Budamangalam Thanjavur District  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land & Building consisting of ground floor (4902 sq. ft) and first floor (3,600 sq. ft) at No 46, Muthumari Chetty St, George Town, Madras-1

K. V RAJAN,  
Competent Authority,  
IAC of Income-tax,  
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

Date 4-10-1974

Seal,

## FORM ITNS —————

(2) Agarwals & Associates Construction Co., 45,  
Thambp Chetty St., Madras-1.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD,  
MADRAS-6.

Madras-6, the 4th October 1974

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said date of the publication of this notice in the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. F. No. IX/1/26/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 34, situated at Pantheon Road, Egmore, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR-I, Madras on April, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :

- (1) Smt. Manickammal, W/o. C. Thanikachalam, Raja Snow Buildings, Seshadripuram, Bangalore-20.

(Transferor)

## THE SCHEDULE

Vacant land measuring about 2 grounds and 660 sq. ft. at Plot No. 3, Door No. 34, Pantheon Road, Egmore, Madras.

K. V. RAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax,  
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6.

Date : 4-10-1974

Seal :

## FORM ITNS

(2) Shri G. Vaidyanathaswami, 31, East 7th Main Road, Gandhinagar, Vellore

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD,  
MADRAS-6

Madras-6, the 4th October 1974

Ref. No. F. XXI/15/34/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 85, situated at Arcot Road, Vellore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

JSR, Vellore on February 1974  
apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri V. K. Vittal Rao, 12, East Seventh Cross Road, Gandhinagar, Vellore.

(Transferor)

Date : 4-10-1974

Seal :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection.—

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House property consisting of ground floor (1023 sq. ft.) and first floor (1023 sq. ft.) at No. 85, Arcot Road, Vellore.

K. V. RAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

## FORM ITNS

(2) Shri Allapichai Maithen Kannu Pareethu Baba Hameed Manzil, Takkala Mettukada, Takkala village, Takkala post.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD,  
MADRAS-6.

Madras-6, the 4th October 1974

Ref. No F. VIII/17/28/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 378 acres situated at Kakkurichi Desam, Thuckalay Village, Kalkulam Taluk,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kunnathukal, Kerala on February 1974 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Subariyai Marya Arkanjel, Rithapuram, Irumbili, Kolachal Village, Kolachal post.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring about 378 acres in Kakkurichi Desam, Thuckalay Village, Kalkulam post.

K. V. RAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

Date : 4-10-1974

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Smt. V. Kanniammal, Sri C. V. Jayapalan, Sri C. V. Sivasubramaniam and Sri C. V. Manikandan.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 123, MOUNT ROAD,  
MADRAS-6.

Madras-6, the 4th October 1974

Ref. No. F. IX/3/18.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/8-A, situated at Hunters Road, Vepery, Madras-7, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at ISR-II, Madras on February 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri K. S. Mani, K. Ananthanarayanan, K. Narayanan and K. Sivaramakrishnan.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring about 3,580 sq. ft. with building thereon at Door No. 1/8, Hunters Road, Vepery, Madras-7.

K. V. RAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Date : 4-10-1974

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN,  
M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 10th September 1974

Ref. No. AP-178/I.A.C., AR-IV/74-75.—Whereas, I, G. S. Rao, the Inspecting Asst. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range IV, Bombay being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 53(pt), C.T.S. No. 465(pt.) situated at Mohili, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bandra on 1-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ardascer C. Pestonji Wadia & Ors. Trustees of Ardascer Hormusji Wadia, 70-Forbes Str. Fort, Bombay-1.

(Transferor)

(2) Naseem Begam, Sagar Vihar, Abdul Gafur Khan Road, Worli Sea Face, Bombay-18.  
(Transferee)

\*(3) Naseem Begum.  
(Person in occupation of the property)

\*(4) Lawrence S. Gomes.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immoveable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Piece of land situated at Village Mohili in Greater Bombay, Bombay Suburban Dist. bearing Survey No. 53, (Pt.), City Survey No. 465 (Pt.) off Village Mohili admeasuring 5017 sq. mts. i.e. 6001 sq. yds. or thereabouts bounded on or towards North by proposed Andheri Ghatkopar Link Rd. On or towards East by Nallah and beyond that Survey No. 27, on or towards South by Survey No. 26 and on or towards West partly by Survey No. 53 (Pt.) and partly by Survey No. 25, Hissa No. 1 (pt.).

G. S. RAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY.

Date : 10th September, 1974.

Seal :

\*(Strike off where not applicable).

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
NAGPUR

Nagpur, the 11th September 1974

Ref. No. IAC-ACQ/33/74-75.—Whereas, I, S. S. Roy, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21.27 acres out of 28.35 acres bearing serial No. 109, Mouza Harsul, Taluka Aurangabad (M.S.) situated at Aurangabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aurangabad on 1-2-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Abdul Kadar s/o Gulam Rasul.  
2. Smt. Sharifa Begum w/o Abdul Kadar both R/o Moti Karanja, Aurangabad.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Asaram s/o Kishan Kale.  
2. Shri Apichand s/o Kishan Kale both R/o Pisadevi, Taluka Aurangabad.

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

21.27 acres out of 28.35 acres of land bearing serial No. 109 in Mouza Harsul, Taluka Aurangabad (Maharashtra State).

S. S. ROY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax Acquisition Range,

NAGPUR

Date : 11-9-1974

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur the 11th September 1974

Ref No IAC/ACQ/31/74-75 —Whereas, I, S S Roy being the competent authority under section 269D or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 21 27 acres out of 28 35 acres bearing serial No 109, Mouza Harsul, Taluka Aurangabad (M S) situated at Aurangabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Aurangabad on 12-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1 Shri Abdul Kadar s/o Gulam Rasul 2 Smt Sharifa Begum w/o Abdul Kadar both R/o Moti Karanja, Aurangabad, (Transferor)
- (2) 1 Shri Asaram s/o Kishan Kale 2 Shri Apichand s/o Kishan Kale both R/o Pisadevi Taluka Aurangabad (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION** —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

21 27 acres out of 28 35 acres of land bearing serial No 109 in Mouza Harsul, Taluka, Aurangabad (Maharashtra State)

S S ROY

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Nagpur

Date : 11-9 1974

Seal .

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 2nd September 1974

Ref. No. CR. 62/2138/73-74/Acq(B).—Whereas, I. R. Krishna Moorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bangalore, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant site in plot No. 77, situated at Nandidurga Road, Cross, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore-9 Document No. 4708 on 8-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following person, namely :—

- (1) Kumari Christina Anita Lasrado, Minor represented by her father & guardian Lt. Col. A. F. Lasrado, 23, Millers Road, Bangalore-6. (Transferor)
- (2) Shri S. K. Jawaharlal 16-D Ormes Road, Kilpauk, Madras. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Vacant site measuring East to West 60' and North to South 58' in Plot No. 77, Nandidurga Road Cross, Bangalore (Old plot No. 20, formed in the layout formed on portion of No. 112, Baiderally village now being plot No. 77)

Document No. 4708/8-2-74

R. KRISHNA MOORTHY,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Bangalore.

Date 2-9-1974.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Miss Christina Anita Lasiado by her father & guardian Lt Col Albert Francis Lasiado 23, Millers Road, Bangalore

(Transferor)

(2) Shri Shashikant C Sheth No J 33 Avenue Road, Bangalore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 31st September 1974

Ref No CR 62/2142/73-74 Acq(B)—Whereas, I, R Krishna Moorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Vacant site in plot No 77 situated at Nandidurga Road Cross, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gandhinagar, Bangalore Document No 4731 on 11-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Vacant site measuring 46' North to South on Western side about 68' on Eastern side about 75' East to West on Northern side about 48' East to West on the southern side, in plot No 77 Nandidurga Road Cross Bangalore (Old plot No 20, formed in the layout formed on portion of No 112, Baiderally Village now being plot No 77)

Document No 4731 Dt 11-2-74

R KRISHNA MOORTHY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Bangalore

Date 3-9-1974

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 3rd September 1974

Ref. No. CR. 62/2144/73-74/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant site in Plot No. 77 situated at Nandidurga Road Cross, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore-9 Document No. 4777 on 13-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Miss Christina Anita Lasrado by Guardian and father Lt. Col. Albert Francis Lasrado, 23, Millers Road, Bangalore-6. (Transferor)
- (2) Mr. Suresh Chandra C. Mehta, 5, A, Hall Road, Bangalore-5. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXI of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Vacant site measuring 50' North to South and 60' East to West in plot No. 77, Nandidurga Road Cross, Bangalore (Old Plot No. 20 formed in the layout formed on portion of No. 112, Baiderally Village, now bearing plot No. 77)

(Document No. 4777/13-2-74).

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Bangalore.

Date : 3-9-1974.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri H. N. Raghavendra, No. 179, IIIrd Block,  
Jayanagar, Bangalore-11. (Transferor)

(2) Shri Mohamed Farooq Saib, No. 286/48, XI Cross,  
Wilson Garden Bangalore-27 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 6th September 1974

Ref. No. CR.62/2176/73-74/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore-27

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 286/48, 11th Cross, Wilson Garden, Bangalore-27 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jayanagar, Bangalore-11, Document No. 3757 on 23-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential House No. 286/48, 11th Cross, Wilson Garden, Bangalore-27.

E. to W. = 80'  
N. to S. = 60'  
(Site measuring 4,800 Sq. Ft.)

## Boundaries:—

It is a corner site bounded on West by 11th Cross and on South by IVth Main Road

Document No. 3757 dt.: 23-2-74

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Bangalore.

Date: 6-9-1974.

Seal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 4th September 1974

Ref. No. CR.62/21/73-74/Acq(B).—Whereas, I R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land Survey No. 12/4-A1 (old No. Sur. No. 79/1) situated at Main Road, White Field, K. R. Puram, Hubli Bangalore South Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bangalore South, Document No. 5008 on 25-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri K. Ramaswamy Rao, S/o K. Chinnaji Rao, No. 148, Pillai Street Bangalore 1 (Transferor)

(2) Shri G. A. Ramaiah Reddy, S/o Late Sidda Reddy, Agriculturist, Gunjoor, Varthur Hubli, Bangalore South Tq. (Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every persons who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land survey No. 12/4-A1 (Old No. 79/1) Main Road, White field, K. R. Puram Hobli, Bangalore South Taluk. Property Measures 4 acres with Kharab portion of 5 guntas.

**Boundaries :**

East—Land belonging to Chittiappa  
West—White field Main Road  
South—Gidden's Layout  
North—Land of Dhobi Muniswainappa.  
Document No. 5008 dt : 25-2-74.

**R. KRISHNAMOORTHY**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Bangalore.

Date : 4-9-1974.

Seal :

## FORM ITNS

Dhobi Talao, near Metro Talkies,  
Bombay.

[Transferee]

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009.**

Ahmedabad-380009, the 7th September 1974

No. 151/Acq. 23-157/19-8/74-75.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Muni, Ward No. 15 Rev. Sur. No. 9-B Navagam and Rev. Sur. No. 375 Katargam situated at Varachha Road, Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Surat on 8-2-1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Pesumal Dhanmal Aswani,  
(Dhanmal Silk Mills) Dhobi Talav,  
Near Metro Talkies, Bombay.

[Transferor]

- (2) Principal Officer,  
Dhanmal Silk Mills Pvt. Ltd.,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An immovable property being land admeasuring 28460 Sq. yards and structures standing thereon—situated on Varachha Road, Surat—Muni. Ward No. 15 and bearing Rev. Sur. No. 9-B Navagam and Rev. Sur. No. 375 Katargam—Surat, as mentioned in the registered deed No. 431 of February 1974 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 7-9-1974.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
BHUBANESWAR

Bhubaneswar, the 7th September 1974

No. 13/74-75/IAC(AR)/BBSR.—Whereas, I, V. S. Murthy being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. — situated at Mouza Kantilo (Naya Bazar)

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dist. Sub-Registrar, Cuttack on 21-2-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Srinibas Ch. Das
- (2) Rabindranath Das

- (3) Saurendra-nath Das
- (4) Shyam Sundar Das
- (5) Siddhartha Sankar Das
- (6) Kuntarani Das  
W/o Purna Ch. Das.

[Transferor]

- (2) Shrimati Sinchalata Naik,  
W/o Basant Kumar Naik.

[Transferee]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The land with structures thereon situated at Mouza—Kantilo (Naya Bazar), Dist. Cuttack within the jurisdiction of Dist. Sub-Registrar Office, Cuttack and registered by Sale document No. 1112 dated 21-2-1974.

V. S. MURTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.  
Acquisition Range, Bhubaneswar.

Date : 7-9-1974.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Amritsar, the 25th September, 1974

No. ASR/KKN/AP-1250/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 860 of February, 1974,

situated at V. Khem Karan.

(and more fully described in the Schedule annexed hereunto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khem Karan in February 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hans Raj s/o Shanker Dass, Brahaman R/o Khem Karan.  
[Transferor]
- (2) Shri Pargat Singh, Tarlochan Singh, Raj Singh, SS/o Pritam Singh, Swaran Singh, Diabagh Singh

316GI/74-17

SS/o Gurdip Singh s/o Arjan Singh  
R/o Khem Karan.

[Transference]

- (3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transference of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 860 of February, 1974 of the Registering Authority, Khem Karan.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 25th September, 1974.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 25th September 1974

Ref. No. ASR/Jul/AP-1252/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 10024 of February, 1974 situated at V. Bulandpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Isso D/o Shri Bhola Singh r/o Bulandpur P.O. Nurpur Pathankot Road Jullundur now at Vill. Kaula P.O. (Thaula) Teh & Distt. Jullundur. (Transferor)

- (2) S/Shri Manji Singh Rattan Singh, Harbans Singh SS/o S. Bhola Singh R/o Bulandpur P.O. Nurpur Pathankot Road, Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection (a).

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 10024 of February, 1974 of the Registering Authority Jullundur.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 25th September, 1974,  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 25th September 1974

Ref. No. ASR/AP-1251/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 3951 of February, 1974 situated at Mall Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Smt. Lakhbir Sawhney w/o Satwant Singh Sawhney R/o Bombay now at 39 Lawrence Road, Amritsar and S. Sohan Singh s/o Jawahar Singh Bazar Karmo Deodi, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Kishan Singh s/o Santa Singh c/o M/s Tip Top Dry Cleaners, Ram Bagh Chowk, Amritsar. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection(a).

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 3951 of February, 1974 o fthe Registering Authority, Amritsar.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 25th September, 1974.

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Shri Ajinder Singh s/o Shri Gurcharan Singh R/o Bhatinda. (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 25th September 1974

Ref. No. ASR/BTD/AP-1253/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 5922 of February, 1974 situated at Civil Station, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harsewak Singh s/o Shri Kartar Singh R/o Bhatinda. (Transferor)

3. As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

4. Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection(a).

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 5922 of February, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

D. S. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 25th September, 1974.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 25th September 1974

Ref. No. ASR/Phg/AP-1260/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 2158 of February, 1974 situated at G. T. Road, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Balwinder Singh, Manjeet Singh SS/o Shri Harbans Singh c/o M/s Harbans Singh Phagwara. (Transferor)
- (2) Smt. Jaswant Kaur R/o Khasropur Teh. Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2158 of February, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 25th September, 1974.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 25th September 1974

Ref. No ASR/Phg/AP-1259/74-75 —Whereas, I, D S Gup,a, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 2157 of February, 1974 situated at G. T. Road, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Balwinder Singh, Manjit Singh SS/o Harbans Singh, Phagwara (Transferor)
- (2) Shri Ajit Singh s/o Shri Arjan Singh, Khasrapur Teh Jullundur (Transferee)
- (3) As at S. No 2 above [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land as mentioned in the Registered Deed No 2157 of February, 1974 of the Registering Authority, Phagwara

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 25th September, 1974.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 25th September 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1258/74-75 —Whereas, I, D. S Gupta, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kothi as mentioned in the Registered Deed No. 9975 of February, 1974 situated at 380 Mota Singh Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as aforesaid to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gian Singh s/o Lehna Singh c/o Shri Amar Singh, 380 Mota Singh Nagar, Jullundur. (Transferor)
- (2) Smt. Swaran Kaur w/o Amr Singh 380 Mota Singh Nagar, Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above [Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice in respect of the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kothi No. 380 Mota Singh Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9975 of February, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 25th September, 1974.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRTSAR

Amritsar, the 25th September 1974

Ref No ASR/Ajn/AP-1256/74-75 —Whereas I, D S Gupta,  
 being the Competent Authority  
 under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961)  
 have reason to believe that the immovable property having a  
 fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No  
 Land as mentioned in the Registered Deed No 3338 of  
 February 1974 situated at Chamrai  
 (and more fully described in the Schedule annexed  
 hereto) has been transferred as per deed registered under the  
 Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office  
 of the Registering Officer at  
 Anjala in February 1974, for an  
 apparent consideration which is less than the fair market value  
 of the aforesaid property and I have reason to believe that  
 the fair market value of the property as aforesaid exceeds the  
 apparent consideration therefor by more than fifteen per cent  
 of such apparent consideration and that the consideration for  
 such transfer as agreed to between the transferor(s) and the  
 transferee(s) has not been truly stated in the said instrument  
 of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the Income tax  
 Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income  
 arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for the  
 purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of  
 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1916)  
 or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Besa Singh s/o Kishan Singh V Chamari Teh Ajnala Distt Amritsar (Transferor)
- (2) Sh Kalam Pal Singh S/O Hakam Singh Surjeet Singh S/O Balwant Singh, Raja Sansi Distt Amritsar, (Transferee)
- (3) As at S No 2 above [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

**EXPLANATION** —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No 3338 of February, 1974 of the Registering Authority, Ajnala

D S GUPTA,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of  
 Income-Tax Acquisition Range  
 Amritsar

Date 25 h September, 1974  
 Seal

**FORM ITNS—**

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRTSAR.

Amritsar, the 25th September 1974

Ref. No. ASR/AP-1255/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 3033 of February, 1974 situated at V. Patti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patti in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Sukhdeep Singh, Kuldeep Singh Amrik Singh S/o Ajmer Singh R/o Patti (Transferor)

(2) Smt. Charan Kaur w/o Beant Singh s/o Surain Singh R/o Sabhra Mushtri. (Transferee)

316 GI/74-18

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3033 of February, 1974 of the Registering Authority, Patti.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Ass'tant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 25th September, 1974.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRTSAR

Amritsar, the 25th September 1974

Ref No. ASR/AP-1254/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 3032 of February, 1974 situated at V. Patti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patti in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Sukhdeep Singh Kuldip Singh, Amrik Singh  
S/o Shri Ajmer Singh R/o Patu. (Transferor)
- (2) Shri Beant Singh s/o Surain Singh r/o Sabhra  
Mushtri. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3032 of February, 1974 of the Registering Authority, Patti

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 25th September, 1974.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s Jackaria Oosman & Co. 4, Rajamohan Street,  
Calcutta-1. (Transferor)

(2) Shri Ujagar Singh, 137, B. T. Road, Calcutta-35.  
(Transferee)

(3) Gurdwara Sikh Sangat, Dunlop Bridge, Calcutta.  
[Person whom the undersigned knows to be interested  
in the Property.]

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY, INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV, 54, RAFI AHMED KIDWAI  
ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 13th September 1974

Ref. No. AC-103/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, George Varghese, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Municipal Holding Nos. 194, 198 & 202 situated at B T Road, Calcutta-35 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Sub-Registrar, Cossipore on 25-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely : —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

12 Cottahs low land being portions of R.S. Dag Nos. 472, 473/2416, 474, 476, 468 in Kh. Nos. 344, 345 and 1299 to 1322 and 346 in Mouza-Bonhoogly, P.S. Baranagar, Dist. 24-Parganas, portions of Municipal holding Nos. 194, 198, 202, B. T Road, Calcutta-35 and as more fully described in the instrument of transfer.

GEORGE VARGHESE,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range-IV,  
Calcutta.

Date . 13-9-1974.

Seal :

**FORM ITNS—**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY, INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV, 54, RAFI AHMED KIDWAI  
ROAD, CALCUTTA-16.**

Calcutta-16, the 13th September 1974

Ref. No. AC-104/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, George Varghese, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Municipal Holding Nos. 194, 198 & 202 situated at B. T. Road, Calcutta-35 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Sub-Registrar, Cossipore on 25-2-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) M/s. Jackaria Oosman & Co., 4, Rajmohan Street, Calcutta-1, (Transferor)
- (2) Shri Harbans Singh, 137, B. T. Road, Calcutta-35, (Transferee)
- (3) Gurdwara Sikh Sangat, Dunlop Bridge, Calcutta.  
[Persons whom the undersigned know to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

13½ Cottahs of low land being portions of R.S. Dag Nos. 476, 474, 472, 473/2416 in Kh. Nos. 344, 345, 346 and 1299 to 1322 in Mouza-Bonhoogly, P.S. Baranagar, Dist. 24-Parganas parts of Municipal Holding Nos. 194, 198, 202, B.T. Road, Calcutta-35 and as more fully described in the instrument of transfer.

**GEORGE VARGHESE,**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range-IV,  
Calcutta.

Date : 13-9-1974.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV,  
54, RAFI AHMED KIDWAI  
ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 13th September 1974

Ref. No AC-102/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, George Varghese, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing Municipal Holding Nos 194 and 198 situated at B T Road, Calcutta-35 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar Cossipore on 25-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Jackatia Oosman & Co., 4, Rajmohan Street, Calcutta-1 (Transferor)

- (2) Shri Kaka Singh, 136, B T Road, Calcutta-35  
[Transferee]  
[Person(s) in occupation of the property]
- (3) Persons in occupation of the Property.
- (4) Gurdwara Sikh Sangat Dunlop Bridge, Calcutta  
[Persons whom the undersigned know to be interested in the property.]

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

10½ Cottahs of low land being portions of R S Dag Nos 472, 473/2416, 468 in Kh No. 344 and 1299-1322, Mouza-Bonhooghly PS Baranagar, Dist. 24-Parganas, portions of Municipal holding Nos 194 and 198, B.T. Road, Calcutta-35 and as more fully described in the instrument of transfer

**GEORGE VARGHESE,**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range-IV,  
Calcutta

Date 13-1-1974.

Seal.

## FORM ITNS—

(2) Shri Pulin Behari Kolley of Vill. Khaira, P.S. Amta, How. (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.  
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 18th September 1974

Ref. No. 189/Acq.R-III/74-75/IHow.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9 situated at 'Q' Road, P.S. Lilooah, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sub-Registrar Howrah on 5-2-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Anima Rani Roy W/o Bibekananda Roy of 9 'Q' Road, P.S. Lilooah Dist-How. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immoveable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that piece and parcel of land and tank measuring 15 cottahs 14 chittaks 12.5 sft. or 26 decimal together with a two storied building and a tube-well standing thereon at Municipal premises No. 9 'Q' Road, P.S. Lilooah, Dist-How. and registered by deed No. 358 of 1974 with the Sub-Registrar Howrah.

L. K. BALASUBRAMANIAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Date . 18-9-74

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Shrimati B. Laxmi Saraswati Devi, Gudiwada.  
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 21st September 1974

Ref. No. J. No I(2046) —Whereas, I, K. Subbarao, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Asstt. No. 8265 situated at 12th Ward Survey No. 143/1 Ac 1-38 cents (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Masulipatnam on 15-2-1974 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Muntha Nageswararao and Smt. Muntha Kasi Annapurna W/o Nageswararao, Madras (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDEULE**

Krishna Dist.—Gudiwada Sub-Registration—Gudiwada Municipality Survey No. 143/1—Ac 1-38 cents—Asstt. No. 8265

**BOUNDARIES**

East : Tiruvur—Machilipatnam Road (50 yds.)  
South : Site of Kambametti Ramabrahamam (24 yds)  
West : Municipal Road (40 Yds)  
North : Lane (24 yds.)

K. SUBBARAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Kakinada.

Date : 21-9-1974.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 25th September 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1257/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kothi as mentioned in the Registered Deed No. 9976 of February, 1974 situated at 379 Mota Singh Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Atma Singh s/o Shri Ganga Singh c/o Shri Krishan Singh r/o 379, Mota Singh Nagar, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Kishan Singh s/o Tara Singh of Soos, Distt : Hoshiarpur, 379 Mota Singh Nagar, Jullundur. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Kothi No. 379, Mota Singh Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9976 of February, 1974 of the Registering Authority, Jullundur

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 25th September, 1974

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD

Hyderabad, the 23rd September 1974

Ref. No. RAC. No. 26/74-75.—Whereas, I, S. Balasubramaniam, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 15/71/11 situated at Rangampet, Warangal (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Warangal on 13-2-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (2) 1. Sri Gogineni Subbarao, Managing partner of M/s. Bhumata Fertilisers, J.P.N. Road, Warangal.
2. Sri Bandaru Narasimha Sastri, Manager Laxmi Talkies, J.P.N. Road, Warangal.
3. Sri Laddipally Babaiah, S/o Agarwal, P/r in M/s. Madipalli Veeranna & Co., Airtat Contractors, S.V.N. Road, Warangal
4. Smt. B. Matia Ratnam, W/o Mathyas Reddy, H. No. 9-5-73, Mandibazar, Warangal.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property. House bearing Municipal No. 15/71/11 along with attached open land within compound measuring 4787 Sq. Yds. equivalent to 4001.93 Sq. meters, situated at Rangampet near Krishna Kala Mandir Warangal.

S. BALASUBRAMANIAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date . 23-9-1974.

Seal :

- (1) Shri Yamsani Krishnamurthy, s/o Y. Kistiah, P/r in M/s. Kamalakar Textiles, S. V. N. Road, Warangal.  
(Transferor)

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 23rd September 1974

Ref. No. RAC. No. 28/74-75.—Whereas, I, S. Balasubramaniam, being the Competent Authority under section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12-1-594, situated at Asifnagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 21-1-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) 1. Ashrafunnisa Begum, W/o Late Sultan Qutbuddin, H. No. 3-6-69 Opp. to Skyline Theatre, Bashirbagh, Hyderabad. 2. Sultan Nasiruddin, 3. Sultan Rahemuddin, 4. Laeeq Sultana, 5. Bilquis Sultana, 6. Ateeq Sultana, all residing at H. No. 3-6-69 Opp. to Skyline Theatre, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Mariam Bai W/o Abdul Sattar, R/o House No. 12-1-594, Asifnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immoveable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transference of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property : House bearing Municipal No. 12-1-594, situated at behind Zeba Bagh, Cross Road, Syed Aliquda, Asifnagar, Hyderabad.  
 North : Road,  
 South : Neighbours house.  
 East : Portion of house No. 12-1-594.  
 West : House No. 12-1-580/4 belongs to Neighbours.

S. BALASUBRAMALAM,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Hyderabad

Date : 23-9-1974.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I  
HYDERABAD**

Hyderabad, the 23rd September 1974

Ref. No. 27/74-75.—Whereas, I, S. Balasubramaniam, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21-1-594 to 596 situated at Asifnagar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 21-1-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) 1. Ashrafunnisa Begum, H. No. 3-6-69 Basherbagh, Hyderabad.
2. Sultan Nasiruddin R/o Germany, his G.P.A. Smt. Ashrafunnisa Begum, H. No. 3-6-69. Basheerbagh, Hyderabad.
3. Sultan Raheemuddin, 3-6-69 Basheerbagh, Hyderabad.

4. Laeqq Sultana,
5. Bilquis Sultana.
6. Ateeq Sultana all are residing at H. No. 3-6-69 Opp. to Skyline Theatre, Basheerbagh, Hyderabad.

- (2) Abdul Sattar, R/o 12-1-594, Syed Aliguda, Asifnagar, Hyderabad.  
(Transference)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transference of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property : House Malges an Motor Cartage, bearing Municipal No. 12-1-594, and 12-1-595, and 12-1-596, situated at behind Zeba Bagh, Cross Road, Syed Aliquda Asifnagar, Hyderabad.

Bounded by :

North : Road,

South : Neighbours open land and passage.

East : Shop and Houses 12-1-597 and 12-1-598.

West : Portion of House No. 12-1-594.

**S. BALASUBRAMANIAM**  
**Competent Authority,**  
**Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,**  
**Acquisition Range, Hyderabad**

Date : 23-9-1974.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
53, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 11th September 1974

Ref. No. AC-101/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, George Varghese, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

KH Nos. 87, 490, 1081, 1082 situated at Mouza Agarpura, P. S. Khardah, Dist. 24-Parganas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 2-2-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Sajil Kumar Panja,  
117, Vivekananda Road, Calcutta.

(Transferor)

Sm. Sattanam Kaur  
20, B T. Road, P. S. Cossipore, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immoveable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

5 Bighas 18 cottahs 2 Chattaks 9 Sq. ft. of land at Mouza Arappara, P. S. Khardah, Dist. 24 Parganas, Khatian Nos. 87, 490, 1081, 1082, Touzi No. 155, portion of Dag Nos. 1558, 1571, 1591 & Dag No. 1572 or as particularly described in the Instrument of Transfer.

**GEORGE VARGHESE**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range IV, Calcutta.

Date : 11-9-1974.

Seal :

## FORM ITNS

(2) Jodh Singh,  
20, Barrackpore Trunk Road, P. S. Cossipore,  
Calcutta.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE IV,  
54, RAHI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.  
Calcutta-16, the 11th September 1974

Ref. No. AC-98/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, George Varghese, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khatian Nos. 87, 286, 490, 1081 & 1082 situated at Mouza Agarpara, P. S. Khardah, Dist. 24-Parganas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of assurances, Calcutta on 2-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Salil Kumar Panja,  
117, Vivekananda Road, Calcutta.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

8 Bighas 5 cottahs 5 chittaks and 10 sq. ft. of land at Mouza—Agarpara, P.S. Khardah, Dist. 24-Parganas. Khatian Nos. 87, 286, 490, 1081, 1082, Touzi No. 155, Dag Nos. 1558, 1559, 1571, 1572, 1573, 1574, 1575 and 1591 or as particularly described in the instrument of transfer.

GEORGE VARGHESE  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range IV, Calcutta.

Date : 11-9-1974.

Seal :

**FORM ITNS—**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE IV,  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.**

Calcutta-16, the 11th September 1974

Ref. AC-99/S-IV/Cal/74-75.—Whereas, I. George Varghese, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khatian Nos. 87, 1081 situated at Mouza-Agarpara, P.S. Khardah, Dist. 24 Parganas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Registrar of Assurances Calcutta on 2-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Sail Kumar Panja  
117, Vivekananda Road, Calcutta.

(Transfector)

(2) Iswar Singh,  
20, Barrackpur, Trunk Road,  
P.S. Cossipore, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that the date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

8 Bighas 6 Cottahs 12 Chhattaks of land at Mouza Agapara, P.S. Khardah, Dist. 24-Parganas, Kh. Nos. 87, 1081, Touzi No. 155 Dag Nos. 1573, 1574 & portion of Dag Nos. I 1951, 1571 or as particularly described in the Instrument of Transfer.

**GEORGE VARGHESE**  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range IV, Calcutta.

Date : 11-9-1974.

Seal :

## FORM JTNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV,  
54, RAFT AHMED KJDWAL ROAD, CALCUTTA-16  
Calcutta, the 11th September 1974

Ref. No. AC/100/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, George Vargheese, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kh. Nos. 286, 490, 1081 situated at Mouza, Agarpura, P. S. Khardah, Dist. 24, Parganas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrar of Assurances, Calcutta on 2-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Sajil Kumar Panja,  
117, Vivekananda Road, Calcutta.

(Transferor)

2. Sm. Raj Kaur,  
20, Barrackpur Trunk Road,  
P.S. Cossipore, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

5 Bighas 1 cottah 12 Chattaks 3 Sq. ft. of land at Mouza—Agarpura, P.S. Khandah, Dist. 24 Parganas, Khatian Nos. 286, 490, 1081, Touzi No. 155 Dag. No. 1559 & portion of Dag Nos. 1558, 1571 or as particularly described in the Instrument of Transfer.

GEORGE VARGHESE  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range IV, Calcutta.

Date : 11-9-1974.

Seal :

**FORM ITNS—**

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
KANPUR

Kanpur, the 9th September 1974

Ref. F. No. Acq/76/Agra/73-74.—Whereas, I, Y. Khokhar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value Kothi No. 88 (new No. 3/22) situated at Civil Lines Byepass road, Hari Parvat Ward Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Agra on 22-2-74.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) S/Sri Anil Dutt Sharma, Arvind Dutt Sharma, Ashwani Kumar alias Ashwani Dutt Sharma Sons of Sri Brahma Dutt Sharma, residents of New Agra, Agra.

M/s Natraj Motors (Pvt.) Ltd., Prop. Sri Ram Pal Tyagi, Regd. office Natraj Cinema Building, Moti Nagar New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One plot Kothi No. 88 (new No. 3/22) measuring 1350 Sq. yd. situated at Civil Lines Byepass Road, Hari Parvat Ward, Agra, transferred for Rs. 43,200/-.

Y. KHOKHAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 9-9-1974.

Seal :

## FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE  
KANPUR

Kanpur, the 9th September 1974

Ref. F. No. Acq/66/Agra/73-74.—Whereas, I, Y. Khokhar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

32/11 situated at Hakim Gali, Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 18-2-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Bakshi Mal S/O Parsumal R/o Qazi Gali, Agra.  
(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One three storied house No. 32/11, situated at Hakim Gali, Agra in an area of 220 sq. yds. transferred for an apparent consideration of Rs 42,500/-.

Y. KHOKHAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 9-9-74.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE  
KANPUR

Kanpur, the 10th September 1974

Ref. F. No. Acq/64/73-74/1695.—Whereas, I, Y. Khokhar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khata No. 39 situated at Gopalpura, Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Agra on 17-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Bhikam Chand Sharma S/o Mitthan Lal Sharma, R/o Gopalpura urf Garhi Bhadauria, Tehsil & Distt. Agra. (Transferor)

(2) Pandav Nagar Girah Nirman Sahkari Samiti Ltd., Agra, through President, Laxmi Narain, Advocate S/o Sri Kedar Nath Agarwal R/o Nehru Nagar, Agra.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

1/3rd Portion of Khata No. 39 measuring 12 bighas and 16 biswas situated at Gopalpura, Agra, transferred for Rs. 1,06,666.66 p.

Y. KHOKHAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date : 10-9-74.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

POONA-411004

Poona-411004, the 13th September 1974

Ref. No. C.A.5/Bombay(Thana)/Feb.'74/135/74-75.—Whereas, I, G. Krishnan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. B-74 with building in Thana Industrial Estate, situated at Panchpakhadi, Thana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 8-2-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) (a) Shri Harsukhlal Tribhovan Jagani.  
 (b) Shri Labhshankar Tribhovan Jagani.  
 (c) Shri Hariprasad Tribhovan Jagani.  
 (d) Shri Sukbalal Mansukhlal Mehta,  
 C/o. Shri Mayur Industries,  
 32, Morvi House, 28-30, Goa Street, Bellard  
 Estate, Bombay-1.

(Transferor)

(2) (a) Shri Shorilal Kapur.  
 (b) Shri Rajkumar Andre Kapur,  
 C/o "Burlingtons' Exports,"  
 Taj Mahal Hotel, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that piece or parcel of leasehold land together with the buildings structures and erections standing thereon bearing Plot No. B-74 in the Thana Industrial Estate, within the limits of Panchpakhadi, Taluka and registration Sub-District, Thana, Dist. Thana containing by admeasurement 2508 Sq. Metres or thereabouts and bounded as follows : that is to say :—

On or towards the North by the MIDC Road  
 On or towards the South by the Reserved Area  
 On or towards the East by Plot No. B-73 and  
 On or towards the West by Plot No. B-75.

**G. KRISHNAN**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of  
 Income-Tax, Acquisition Range,  
 Poona.

Date : 13-9-74.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd August 1974

Ref No CR 62/2138/73-74/Acq(B) —Whereas, I, R. Krishna Moorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Site and House bearing No 14/A 27th Cross IVth Block, Jayanagar Bangalore 11 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore-11 on 25-2-1974 for and apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such, apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely —

(1) Smt Sonil Manikyam W/o Late Somanth Sharma S 14-A 27th Cross, IVth Block, Jayanagar, Bangalore 11 (Transferor)

(2) Shri P. Balakrishna S/o Subbanna 14-A, 27th Cross, IVth Block Jayanagar Bangalore 11 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION.** —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Site and house bearing No 14/A, 27th Cross IVth Block, Jayanagar Bangalore (Site Measuring 5,850 sq ft)  
Document No 3775, dated 25-2-1974

R KRISHNA MOORTHY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date 22 8 1974

Seal .

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd August 1974

Ref. No. CR.62/2122/73-74/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Premises No. 3/30, 1st cross, New Kalasipalyam, Layout, Bangalore-2 (Corpn. Division No. 30) situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore-4, on 7-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri D. Munichinnappa, Guruppanapalya, Bangalore, South Taluk. (Transferor)
- (2) Shri T. Rahimullah Khan S/o Tipukhan, 2, Punganur, Ramaiah Lane, Thigalarpet, Bangalore-2. (Transferee)
- (3) (1) M/s. Inter Ways Transport Co., (2) Bombay Freight Carriers. [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Premises No. 3/30, 1st cross, New Kalasipalyam, Layout, Bangalore-2 (Corpn. Division No. 30)

All that piece and parcel of land and the building situated and bearing No. 3/30, situated in I cross, Kalasipalyam New Layout, Bangalore city, Corporation Division No. 30 and bounded on the East by property bearing No. 4 and belonging to III party. West by property bearing No. 7 and belonging to III party. North by road and south by property bearing No. 20 and belonging to third party and measuring East to West 40' and North to South 72' + 80'. Building with upstairs, with light and tap connections.

Document No. 4092/7-2-74.

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bangalore.

Date : 22-8-1974.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore 27, the 22nd August 1974

Ref No CR 62/2167/73-74/Acq(B)—Whereas, I, R Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961

(43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing portion of No 15, (old No 8) situated at Cambridge road, Ulsoor Bangalore-8 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore on 23-2-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri K S Dhillon, No 57, Millers Road, Bangalore-6 (Transferor)

(2) Shrimati R Vasantha, w/o Shri W Rajaram, (Door Old No 8) New No 15 Cambridge road, Ulsoor, Bangalore 8 (Transferee)

Objection, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION** : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Portion of No 15 (old No 8) Cambridge road, Ulsoor, Bangalore 8

East=264'  
West=264'  
North=45'  
South=45'

(Site measuring 2,385 sft)

Document No 3932/23-2-1974

R KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Bangalore

Date 22-8-1974.  
Seal :

## FORM ITNS —

(1) Shri M. V. Venkatappa, B.A.B.L. (M.L.C.) S/o Venkataramegowda, No. 58, IVth Main, 18th cross, Malleswaram, Bangalore-3 ('transferor')

(2) Shrimati Dharma Somasekhar W/o K. M. Somasekhar, "Kamala Nivas" Ravindra Nagar, Hassan. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd August 1974

Ref. No. CR.62/2137/73-74/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing site No. 462, Rajmahal, situated at Vilas extension, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore-9 on 5-2-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Site No. 462, Rajmahal Vilas Extension, Bangalore (site measuring 3000 sft.)

Document No. 4641/5-2-74.

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Bangalore.

Date : 22-8-1974.  
Seal ;

## FORM ITNS

(2) Shrimati Laxmamma, W/o Sandappa, No. 70, I Main Road, I Block, Rajajinagar, Bangalore-10. (Transferee)

(3) S/Shri 1. R. G. Gudi, 2. B. Pillappa, 3. J. M. Fernandes, 4. V. Chinnappa. [Person(s) in occupation of the property]

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 28th August 1974

No. CR.62/2148/73-74/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No.

Premises bearing No. 32 (old No. 28) situated at Kethamaranahalli, I Block, Rajajinagar, Bangalore-10. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rajajinagar, Bangalore on 6-2-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shrimati G. Bhagya, D/O Gangadhara Mudaliar, No. C. 53, Main Road, Cubbon Road, Bangalore-2. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Two storeyed building bearing No. 32, (old No. 28) Kethamaranahalli, I Block, Rajajinagar, Bangalore-10.

East	West 23'	} Site measuring 690 sq. ft.
North	South 30'	
Ground floor		} 6 Squares each.
First floor		

**BOUNDARIES :**

East : Govt. Road (Facing)  
West : House of M. Hanumaih.  
North : Govt Road.  
South : Lane and House of Daddarangappa.  
Document No. 4370 dated 6/2/1974.

**R. KRISHNAMOORTHY**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 28-8-74

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd August 1974

No. C.R. 62/2329/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishna-moorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Site No. 18/2-2, 13th 'A' Cross, situated at IIInd Block, Jayanagar, Bangalore-11, (and more fully described in the Schedule annexed here-to), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Basavanagudi, Bangalore-11, on 28-2-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

316 GI/74-21

(1) Dr. (Mrs.) Chinnamma, Cherian, W/o. Sri Allumohil Mathai Cherian, No. 28, Lange Road, Singapore-19, by P.A. Holder Sri. M. D. Mathew, S/o. M. M. Dehial No. 76, 7th cross, Wilson Garden, Bangalore-27.  
(Transferor)

(2) Shrimati Poonamma annie Benjamin, W/o. Sri Allumohil Mathai Benjamin, Now at No. 107, Thomson Ridge, Singapore-20.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Site No. 12/2-2, 13th "A" cross, IIInd Block, Jayanagar, Bangalore-11.

E. W.—134'  
N.S.—75'  
(Site measuring 10087.5 sq. f. t)

Document No. 4498 dated. 28-2-1974.

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 22-8-74.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri C. S. I. Gupta, No. 226, National High School Road, V. V. Puram, Bangalore-4.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd August 1974

No. CR.62/2145/73-74/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishna-moorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority

under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Premises No. 13 and 13/1 situated at Tankasala Narayana Setty Lane, Avenue Road Cross, Bangalore-2,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore-9, on 13-2-74, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(2) M/s. Sharkar Enterprises, No. 112, Avenue Road, Bangalore-2.  
(Transferee)

(3) 1. M/S Rande & Co.  
2. M/S G. K. Gupta,  
(Person (s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCEDULE

Premises No. 13 & 13/1, Tankasala Narayana Setty Lane, Avenue Road Cross, Bangalore-2.

East to West 64'      North to South 24'      } Site measuring 1418 sq. ft.

Document No. 4791, dated : 13-2-1974.

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 22-8-74

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd August 1974

No.C.R.62/2179/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, Shri Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Site No. 46 situated at 15th Cross in between 8th and 9th Mains, 3rd Block, Jayanagar, Bangalore-11, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jayanagar, Bangalore-11 on 1-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri R. Nagarajan, S/o Late K. Ramamoorthy, J. 115, Hind Cross, Lakshminarayanapuram, Bangalore 21.

(Transferor)

(2) Shri M. R. R. Setty alias, M. R. Ramanjaneya Setty S/o M. V. remasubba Setty, No. 433, 3rd Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Site No. 46, 15th Cross, in between 8th and 9th Main Road, 3rd Block, Jayanagar, Bangalore-11.

E. W. - 80' }  
N. S. - 120' } (Site measuring 9,600 sq. ft.)

and a residential building measuring about 4 squers on the site, doc. 3492/1-2-74.

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 22-8-74.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd August 1974

No. C.R.62/2121/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, Shri R. Krishnamoorthy, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Premises No. 28/1, and 29/21, situated at Albert Victor Road, Fort 'F' Street, Kalsipalyam, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore on 7-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri C. M. Habibulla Khan, S/o C. M. Enayath Khan, Timber Merchant, 28/1 Medical College East, Main Road, Kalsipalyam, Bangalore.  
(Transferor)

(2) (1) M. S. Shivananda, Moder Travels Mysore.  
(2) Sri M. S. Hemanshankar (3) Sri M. S. Palaksha, S. S/O Sri M. S. Shivananda "Satvinlaya", Shanker Mutt Road, Mysore-4.  
(Transferee)

\*(3) Shri M. Satyanathan  
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Premises No. 28/1 and 29/21, Albert Victor Road, Fort 'F' Street, Kalsipalyam, Bangalore.

E.W.=40'  
N.S.=86+90'  
 $\frac{2}{2}$ } (Site measuring 2,520 sa. ft.)

East: Sajjan Rao's Property  
West: Portion of property of vendor  
North: Albert Victor Road.  
South: C. M. Kaleemulla Khan.

Document No. 4088/7-2-74.

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 22-8-74.

Seal :

## FORM ITNS—

S/o Shri Tirathram Mahajan R/o Phagwara Teh.  
Phagwara Distt. Kapurthala (Punjab).  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
(ACQ) RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 25th June 1974

Ref. No. A-7/74(3)8/74.—Whereas, I V. P. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Jhorata (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Alwar on 18-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Raghbir Singh S/o Shri Mohan Lal, R/o Lohia-parree, Alwar.  
(Transferor)
- (2) Shri Babu Lal S/o Ram Niwas Mahajan Khairthal Teh. Kishangarh Distt. Alwar (ii) Sh. Kundan Lal

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Khasra No. 2 area 25 Bigha Agricultural land situated in village Jhareda Teh. Ramgarh Distt. Alwar. The land lies on Alwar-Delhi-Road and in immediate vicinity of New Industrial Area at Alwar.

V. P. MITTAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 25-6-1974.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Raghunath Singh S/o Shri Mohan Lal R/o Lohia Padee Alwar.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vijai Kumar S/o Shri Niranjan Lal R/o Purana Brajkhana Alwar.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
(ACQ.) RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 25th June 1974

Ref. No. A-7/74(3)4/73.—Whereas, I V. P. Mittal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Jharota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Alwar on 18-2-1974 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

26 Bigha Agricultural land khasra No. 2/273 situated in village Jharota Teh. Ramgarh Distt. Alwar. The land lies on Alwar Delhi Road and in immediate vicinity of New Industrial Area at Alwar.

V. P. MITTAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 25-6-1974.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
OF INCOMP TAX,  
(ACQ) RANGE JAIPUR

Jaipur, the 17th June 1974

Ref No J-3/74(3)15/6—Whereas, I V P Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing

No open land situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jaipur on 12-2-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely—

(1) Shri Ratandas Gupta s/o Gordhandas Gupta, (ii)  
Avinash Agrawal s/o Sh Ratandas Gupta, r/o  
Brahmpuri, Jaipur  
(Transferor)

(2) M/s Bahari Goods Cariers (P) Ltd., Agra Road,  
Jaipur  
(Transferee)

\*(3) Svs Girdharilal s/o Radhakishan & Abdul Wahab  
s/o Abdul Razak, (2) Sh Merajuddin s/o Imam-  
uddin, (3) Sh. Mulla Ramzan s/o Nazir Mohammed.  
(person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Open land north of land of Thakur Surrajsingh on Moti Doongri Scheme, Jaipur Total area 1852 sq. yds.

V. P. MITTAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date 17-6-1974  
Seal.

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
(ACQ.) RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th June 1974

Ref. No. J-3/74(3)16/7.—Whereas, I V. P. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. open land situated at Jaipur

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed Registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jaipur on 12-2-1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Lajwanti Devi Gupta w/o Sh. Ratandas Gupta R/o Brahmmpuri, Jaipur, (ii) Shri Ashok s/o Ratandas Gupta, r/o Brahmmpuri, Jaipur.  
(Transferor)
- (2) M/S Bahri Goods Career, (P) Ltd., Agra Road, Jaipur-3.  
(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land situated on Zanbaz Road, Moti Doongri Scheme, Jaipur on north of land of Thakur Suraj Singh. Total area of the land 1114.15 sq. yds.

V. P. MITTAL

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Jaipur.

Date : 17-6-1974.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.  
(ACQ.) RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th June 1974

Ref. No. J-3/74(3)14/5.—Whereas, I, V. P. Mittal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Plot No. G-2 & G-3 situated at Jaipur

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 12-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) M/S Jeetmal Shah s/o Sh. Chandanmal Shah Director M/S Shah Engineering Pvt. Jtd., S.M.S. Highway, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Sayar Rani w/o Sh. Uddaichand Kothari,  
(ii) Smt. Kusamlata w/o Prakashchand Kothari, r/o Pitaliyanka Chowk, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. G-2 & G-3, Kachha Banda Road, Bagl Park, Jaipur with built up area of 781 sq. yds. and tin shed area of 147 sq. yds. Total area of the plots 1833.33 sq. yds.

V. P. MITTAL  
Competent Authority,  
IAC of Income-tax,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax Acquisition Range,  
Jaipur.

Date: 18-6-1974.  
Seal:

## FORM ITNS—

(1) Smt. Shila Devi widow of Shri Mukand Lal, Mukand Lal Road, Civil Lines, Ludhiana.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 6th August 1974

Ref No IDH/C/63/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Plot of Land, situated at Mahal Bagat Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in February, 74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(2) Shri Rajan Sarin, s/o Shri Tarlok Chand, (ii) Shri Brij Rattan, s/o Shri Mangal Chand, Resident, of B-IV/498, Chauri Sarak, Ludhiana.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

**THE SCHEDULE**

Plot in Mahal Bagat, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 10121 of February, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana).

G. P. SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh

Date 6-8-1974.

Seal.

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 9th August 1974

Ref. No. LDH/C/54/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assisting Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, situated at Taraf Kara Bara, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in February, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Joginder Bachan Singh, s/o Shri Bachan Singh, Resident of Sukh Ram Nagar, Ludhiana.  
(Transferee)

(2) M/s Nehru Sidhant Kender, Ludhiana, through Shri Joginder Singh Grewal.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immoveable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land situated at Taraf Kara Bara, Tehsil and District Ludhiana, Registration No. 9869 of February, 1974, Land 3 kanal 19 marlas out of land 11 kanal 16 marlas, Land 1 Kanal 7 marlas i.e. 1/9th share of land 12 kanal 8 marlas, Khata No. 79/97, Khasra No. 739, 743/4, 743/2, 743/5, 744/12, 744/22, Land 8 marlas i.e. 1/9th share of land 3 kanal 13 marlas, Khata No. 81/99, Khasra No. 740/2, 741/2, Land 5 marlas i.e. 1/9th share of land 2 kanal 5 marlas, Khata No. 84/102, Khasra No. 740/1, 741/1, 744/14, 744/15, 744/21, land 14 marlas i.e. 1/18th share of land 12 kanal 7 marlas, Khata No. 1634/1738, Khasra No. 742/1, 142/2, 743/3, 742/5, 742/6, 742/8, 742/9, 742/10/2, 742/15, 742/17, 742/22/1, land 9 marlas i.e. 1/18th share of land 8 kanal 2 marlas Khewat No. 1635, Khatauni No. 1739, 1740, 1741, 1741/1, 1742, 1743, 1744, 1745, 1746, 1747, 1748, 1749, 1749/1, 1750, 1751, Khasra No. 742/19, 742/7/2, 742/20, 742/4, 742/7/1, 742/21, 742/10/1, 742/18, 742/13, 742/16, 742/12, 742/11, 742/22/2, 742/14, 737/1, 742/22/4 and land 4 marlas i.e. 1/18th share of 3 kanal 15 marlas, Khata No. 1636/1752, Khasra No. 736, Land 12 marlas i.e. 1/18th share of land 11 kanal 3 marlas, Khewat No. 1637, Khatauni No. 1753, 1754, 1755, Khasra No. 737/2/1/2, 737/2/2, 737/2/1/1, Jana 1970-71.

G. P. SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh

Date, 9-8-1974.

Seal.

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

CHANDIGARH

Chandigarh, the 9th August 1974

Ref. No. LDH/C/62/74-75.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Kara Bara, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in February, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Joginder Bachan Singh, S/o Shri Bachan Singh, Resident of Sukh Ram Nagar, Ludhiana.  
(Transferor)

(2) M/s. Gurdev Dharamarath Trust, Ludhiana, through Shri Joginder Singh Grewal.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immoveable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land, Kara Bara, Ludhiana, (Registration No. 10091 of February, 1974). Land 1 kanal 6 marlas. Nine marlas i.e. 1/27th share of 12 kanal 7 marlas, Khata No. 79/97, Khasra No. 739, 743/3, 743/2, 745/5, 744/12, 744/22, Land 3 marlas i.e. 1/27th share of 3 kanal 13 marlas, khata No. 91/99, Khasra No. 740/2; Land 1 Marlas i.e. 1/27 share of land 2 kanal 5 marlas, Khata No. 84/102, Khasra No. 740/1, 741/1, 744/14, 744/15, 744/21; Land 5 marlas, i.e. 1/54 share of land 12 kanal 7 marlas; Khata No. 1634/1738, Khasra No. 742/1, 742/2, 743/3, 742/5, 742/6, 742/8, 742/9, 742/10/2, 742/15, 742/17 742/22/1; Land 3 marlas i.e. 1/54th share of land 7 kanal 14 marlas, Khewat No. 1635, Khatauni No. 1739, 1740, 1741, 1741/1, 1742, 1743, 1744, 1745, 1746, 1747, 1748, 1749, 1749/1, 1750, 1751, Khasra No. 742/19, 742/7/2, 742/20, 742/4, 742/7/1, 742/21, 742/10/1, 742/18, 742/13, 742/16, 742/12, 742/11, 742/22/2, 742/22/3, 742/14, 737/1, 742/22/4 and land one marlas i.e. 1/54 share of land 3 kanal 15 marlas, Khata No. 1736, and land 4 marlas i.e. 1/54th share of land 11 kanal 3 marlas. Khata No. 1637/1753, Khasra No. 737/2/2/1, 737/2/2, 737/2/1/1 Jama 1970-71. Situated Taraf Kara Bara, Hadwast No. 161, Tehsil and District Ludhiana.

G. P. SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 9-8-1974.

Seal :

## FORM ITNS—

(2) M/s. Gurdev Dharampath Trust, Ludhiana,  
through Shri Joginder Singh Grewal.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 9th August 1974

Ref. No. LDH/C/291/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, situated at Taraf Kara Bara, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Ludhiana in February, 74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Joginder Bachan Singh, s/o Shri Bachan Singh, Resident of Sukh Ram Nagar, Ludhiana.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Taraf Kara Bara, Tehsil and District Ludhiana (Registration No. 10092 of February, 1974). Land 2 kanal 12 marlas land 18 marlas i.e. 2/27th share in land 12 kanal 8 marlas, Khata No. 79/97, Khasra No. 739, 743/4, 743/2, 743/5, 744/12, 744/22, Land 5 marlas i.e. 2/27th share of land 3 kanal 13 marlas, Khata No. 81/99, Khasra No. 740/2, 741/2, Land 3 marlas, i.e. 2/27th share of land 2 kanal 5 marlas Khata No. 84/102 Khasra No. 740/1, 744/14, 744/15, 744/21, Land 9 marlas, i.e. 2/54th share of land 12 Kanal 7 marlas, Khata No. 1654/1738, Khasra No. 742/1, 742/2, 743/3, 742/5, 742/6, 742/8, 742/9, 742/10/2, 742/15, 742/17, 742/22/1. Land 6 marlas i.e. 2/54th share of land 7 kanal 14 marlas, Khewat No. 1635, Khatauni No. 1739, 1740, 1741, 1741/1, 1742, 1743, 1744, 1745, 1746, 1747, 1748, 1749, 1749/1, 1750, 1751, Khasra Nos. 742/19, 742/7/2, 742/20, 742/4, 742/7/1, 742/21, 742/10/1, 742/18, 742/13, 742/16, 742/12, 742/11, 742/22/2, 742/22/3, 742/14, 737/1, 722/22/4. Land 3 marlas i.e. 2/54th share of land 3 kanal 15 marlas, Khata No. 1636, 1752, Khasra No. 736, Land 8 marlas, i.e. 2/54th share of land 11 kanal 3 marlas, Khata No. 1637, 1753, Khasra No. 737/2/1/2, 737/2/2, 737/2/1/1, Jama 1970-71.

G. P. SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Chandigarh

Date : 9.8.1974.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 25th September 1974

Ref. No. ASR/AP-1261/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 3256 of February, 1974 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patti in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bishan Singh s/o Shri Pal Singh, Kot Budha. (Transferor)

(2) S/Shri Kamal Singh, Kabal Singh, Jamal Singh, Khizan Singh s/o Shri Swaran Singh, Bhora Kahua. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3256 of February, 1974 of the Registering Authority Patti.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 25th September, 1974.

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Miss K. Shalini, Minor by mother and guardian,  
Mrs. K. Subhapradha, 17/1, Nungambakkam High  
Road, Madras-34.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE.  
MADRAS-6.

Madras-6, the 30th September 1974

Ref. No. F. IX/1/9/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11-A, situated at Casa Major Road, Egmore, Madras-8, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at JSR-I, Madras on 3-4-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri G. Ram Manohar, 11, Casa Major Road, Madras-600008.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Undivided half share in house, ground and premises No. 11-A, Casa Major Road, Egmore, Madras-8 measuring about 2 grounds and 2205 sq. ft.

K. V. RAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range-I,  
Madras-6.

Date : 30-9-74

SEAL :

**UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION  
NOTICE  
SPECIAL CLASS RAILWAY APPRENTICES  
EXAMINATION, 1975**

New Delhi-110011, the 9th November 1974

No. F.6/1/74-E-I(B).—An examination for selection of candidates for appointment as Special Class Apprentices in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers will be held by the Union Public Service Commission at ALLAHABAD, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PATNA, AND TRIVANDRUM commencing on the 13th May, 1975 in accordance with the Rules published by the Ministry of Railways (Railway Board) in the Gazette of India dated the 9th November, 1974.

**THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure II, para 10).**

2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination is 15. This number is liable to alteration.

Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3 A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed forms of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted by Money Order, to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. The name of the candidate with his address, and the name of the examination should be written in block capitals on the Money Order Coupon. Postal Orders or cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

**NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE SPECIAL CLASS RAILWAY APPRENTICES' EXAMINATION, 1975. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE SPECIAL CLASS RAILWAY APPRENTICES' EXAMINATION, 1975, WILL NOT BE ENTERTAINED.**

4. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 on or before the 6th January, 1975 (20th January, 1975, in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 6th January, 1975) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

5. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form the fee prescribed in Annexure I in the manner indicated therein.

**APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 2 OF ANNEXURE I.**

6. If any candidate who took the Special Class Railway Apprentices' Examination held in 1974 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1974 examination, his candidature for the 1975 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, as in the case of a candidate not admitted to the examination (see para 3 of Annexure I).

**7. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.**

**M. S. PRUTHI, Dy. Secy.  
Union Public Service Commission**

**ANNEXURE I**

1. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 36.00 (Rs. 9.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) by means of CROSSED Indian Postal Orders.

The Commission will not accept payment made otherwise except in the case of candidates residing abroad at the time of submitting their applications, who may deposit the amount of prescribed fee in the Indian Missions concerned.

2. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan and before 23rd March 1971 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

3. A refund of Rs. 21.00 (Rs. 5.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note II below rule 6 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 6 of the Notice, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

**ANNEXURE II**

**INSTRUCTIONS TO CANDIDATES**

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission in the manner indicated in para 3 of the Notice. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

**BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATES MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE. THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.**

2. (1) The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in is liable to be rejected.

(ii) The completed application form, and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

*No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be considered.*

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 6th January, 1975.

A candidate already in Government Service, whether in a permanent or temporary capacity, or as a work-charged employee other than a casual or part-time employee must submit his application through the Head of his Department or Office, concerned who will countersign the endorsement at the end of the application form and forward it to the Commission.

Applications from all other candidates whether in private employment or in Government-owned industrial undertakings or in mining organisation can be submitted direct. If such a candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission later, the application even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

3. A candidate must send the following documents with his application.—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee. (See Annexure I).
- (ii) Attested/certified copy of Certificate of Age.
- (iii) Attested/certified Copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm X 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (v) Statement in the candidate's own handwriting and duly signed giving a short narrative of his career at school, and college and mentioning both his educational and sports success.
- (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (vii) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession/fee remission where applicable (See para 5 below).

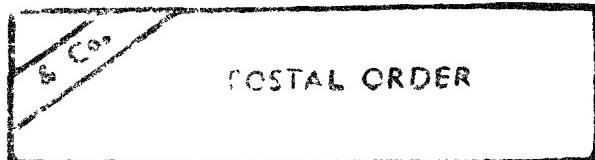
**NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED AT ITEMS (ii), (iii), (vi) AND (vii) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF SEPTEMBER 1975. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.**

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (vi) and (vii) are given in paras 4 and 5:—

23—316GI/74

(i) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed as shown below:



AND completed as follows:—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi Central Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Draft or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are not crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi Central Post Office.

**Note.—**Candidates residing abroad at the time of submitting their applications may deposit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 36.00 (Rs. 9.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Consul General, as the case may be, in that country, who should be asked to credit the amount to the account head "U.S. Public Service Commission—Examination Fees". The candidates should forward the receipt from that Office with the application.

(ii) *Certificate of Age.*—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates, maintained by a University which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or any shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

**NOTE 1.—**A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

**NOTE 2.—**CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR

**THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION.  
NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT  
A SUBSEQUENT EXAMINATION.**

(iii) *Certificates of Educational qualification.*—A candidate must submit attested/certified copy of a certificate showing that he has one or the qualifications described in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualifications. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such evidence as he can to support his claim at the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence in so far as but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the University Certificate of passing the Intermediate or any other qualifying examination submitted by a candidate in support of his educational qualification does not indicate all the subjects passed an attested/certified copy of a certificate from the Principal showing that he has passed the qualifying examination with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry must be submitted.

A candidate whose case is covered by Rule 6(b) or Rule 6(c) must submit an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Registrar of the University/Principal of the College/Head of the Institution concerned, as proof of the educational qualification possessed by him.

*The form of certificate to be produced by the candidate.—*

This is to certify that Shri/Shrimati Kumari\* ..... son/daughter\* of Shri ..... is/was\* a bona-fide student of this University/College/Institution\*.

2. He/she\* has passed the first year examination under the three year degree course/first year examination of the five year Engineering Degree Course/first Examination of the three year diploma course in Rural Services of the National Council for Rural Higher Education which concluded on ..... and is not required to reappear in any of the subjects prescribed for the first year.

Or

He/she\* has passed in ..... division the first/second\* year examination of the three year degree course/first year examination under the five year Engineering Degree Course\* conducted by the University of ..... The examination concluded on .....

3. @He/she\* was examined in the following subjects :

- 1.
- 2.
- 3.
- 3.

@Not applicable to those studying for the five year degree course in Engineering.

(Signature of the Registrar/Principal)  
(Name of the University/College/Institution\*)

Date.....

Place.....

\*Strike out whichever is not applicable.

A candidate covered by Note I below Rule 6 must submit an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Headmaster of the institution from where he passed the examination showing that his aggregate of marks falls within the range of marks for first or second division as prescribed by the University/Board.

NOTE.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at

this examination but has not been informed of the result may apply for admission to this examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply provided the qualifying examination is completed before the commencement of this examination. Such a candidate must, however, submit an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Principal of the College/Institution concerned. They will be admitted to this examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible and in any case not later than two months after the commencement of this examination.

A candidate thus admitted is required to submit the proof of passing the qualifying examination by the above time limit, whether he qualifies or not at the written part of this examination. If he fails to comply with this instruction his candidature will be cancelled and he will not be entitled to know result.

The form of certificate to be produced by the candidate

This is to certify that Shri/Kumari\* ..... son/daughter\* of Shri ..... is expected to appear at ..... Examination conduct d by ..... in the month of ..... 19 ..... with the following subjects :—

- (i) .....
- (ii) .....
- (iii) .....
- (iv) .....
- (v) .....

(Signature of Principal)  
(Name of the College/Institution\*)

Date.....

Place.....

\*Strike out whichever is not applicable.

(iv) *Two copies of photographs.*—A candidate must submit two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraphs 3(ii), 3(iii), 3(iv) and 3(v) above whether a reasonable explanation for its absence having been given the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office (except as provided for in Note under paragraph 3(iii) above) within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of higher education.

*The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.*

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari\* ..... son/daughter of ..... of village/town\* ..... in District/Division ..... of the State/Union Territory or ..... belongs to the ..... Caste/Tribes which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe under the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956 read with the Bombay Re-organisation Act, 1960 and the Punjab Re-organisation Act, 1963.

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1954

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968\*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970\*

2. Shri/Shrimati/Kumari\* ..... and/or\* his/her\* family ordinarily reside(s) in village/town\* ..... of District/Division\* of the State/Union Territory\* of .....

Signature.....

\*Designation.....

(with seal of office)

Place.....

Date .....

State\*

Union Territory

\*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1905.

\*\*Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan claiming age concession under Rule 5(b)(ii) or 5(b) (iii) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January 1964, but before 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Indira Gandhi Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge;
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka (formerly known as Ceylon) claiming age concession under Rule 5(b) (v) or 5(b) (vi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(b) (ix) or 5(b) (x), should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iv) A candidate from the Union Territory of Pondicherry claiming age concession under Rule 5(b)(iv) should produce an attested/certified copy of a certificate from the Principal of the educational institution he has attended to show that he had received education through the medium of French at some stage.

(v) A candidate from the Union Territory of Goa, Daman and Diu claiming age concession under Rule 5(b)(vii) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities in support of his claim :—

- (1) Director of Civil Administration.
- (2) Administrators of the Concelhos.
- (3) Mamlakatdars.

(vi) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) claiming age concession under Rule 5(b) (viii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.

(vii) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 5(b)(xi) or 5(b)(xii) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Director General Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of the certificate to be produced by the candidate.—

Certified that Rank No. .... Shri ..... of Unit ..... was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area\* and was released as a result of such disability.

Signature .....  
Designation .....  
Date .. .

\*Strike out whichever is not applicable

(viii) A card date disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 5(b)(xiii) or 5(b)(xiv) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Forces, Ministry of Home Affairs to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate

Certified that Rank No. .... Shri ..... of Unit ..... was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature .....  
Designation .....  
Date .. .

6. A person in whose case a certificate of eligibility is required should apply to the Government of India, Ministry of Railways, (Railway Board), for issue of the required certificate of eligibility in his favour.

7. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

8. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

9. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

10. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

11. Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-(110006), and may be obtained from him direct by mail order or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahil, 14, Jarpath Barracks 'A', New Delhi-110001, (ii) Sale Counter of the Publication Branch, Udyog Bhawan, New Delhi (110001) and (iii) the Government of India Book Dep't, 8, K. S. Rao Road, Calcutta. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mafusid towns.

12. *Communications Regar'dg Applications*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOKPUR HOUSE, NEW DELHI (110011), AND SHOULD INvariably CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS)
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

13. *Change in address*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATIONS ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 12 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.